मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	43.6	29.6
जमशेदपुर	42.6	23.4
डालटनगंज	41.8	22.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शनिवार 27 अप्रैल 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ | वर्ष : 2, अंक : 19 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मनमोहन के एक और वीडियो पर पीएम का तंज

मुसलमानों का पहला हक वाली बात बार-बार कही थी

मालदा। पीएम नरेंद्र मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह के संसाधनों पर हक वाले बयान को लेकर फिर कांग्रेस पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा, जब मैं कांग्रेस की ओर से सिर्फ मुसलमानों को प्राथमिकता देने की बात करता हूं, इंडी का भेदभावपूर्ण रवैया देश के सामने रखता हूं, तो कुछ लोग आग बबूला हो जाते हैं. वे लोग एक हफ्ते से मेरे बाल नोचने में लगे हैं. आज मैं इनको चुनौती देता हूं. पहले आप यह बात समझ लो, 25 साल हो गए और आपने मुझे डराने की बहुत कोशिश की, मगर नहीं डरा पाए हो. अब कोशिश बंद करो. झूठ फैलाया कि मनमोहन सिंह ने ऐसा नहीं कहा था. डॉ. मनमोहन सिंह का एक पुराना वीडियो फिर सामने आया है. इसमें वो यही कह रहे हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है. वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस मानो सांप सूंघ गया है. जो मीडिया पहले के बयान को गलत ठहरा रही थी, उसने भी चुप्पी साध ली है.

अखिलेश ने भाजपा से देश को चेताया

भ्रष्टाचारियों, अपराधियों को अपने गोदाम में रख लिया है

एटा (उप्र)। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने देश के सभी भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और माफिया को अपने गोदाम में रख लिया है. अखिलेश ने कहा, भाजपा ने जो चंदा लिया वह चंदा नहीं है, बल्कि वसूली है और ये लोग चुनावी बॉण्ड पर बात नहीं करना चाहते. युवाओं से कहा कि भाजपा के लोगों ने नौकरी व रोजगार छीना, आपका (युवाओं का) एक-तिहाई जीवन भी बर्बाद कर दिया. नौकरी-रोजगार नहीं मिलने से युवाओं का भविष्य अंधकार में है, और उनकी शादी होने की संभावना भी कम नजर आ रही है. मोदी सरकार द्वारा पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ करने का दावा करते हुए कहा कि चुनाव के बाद इंडिया के सत्ता में आने पर किसानों का पूरा कर्ज माफ कर देंगे. अग्निवीर योजना खत्म कर पुरानी व्यवस्था लागू की जाएगी.

राहुल गांधी बोले- पीएम भटका रहे देश को

डरे हुए हैं पीएम मोदी, मंच पर कभी भी आंसू बहा सकते हैं

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के बीजापुर में जनसभा को संबोधित किया. पीएम मोदी पर जम कर हल्ला बोला. उन्होंने कहा कि इन दिनों पीएम मोदी अपने भाषणों में घबराए हुए हैं. शायद अगले कुछ दिनों में स्टेज पर ही उनके आंसू निकल आएंगे. मोदी 24 घंटे जनता ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं. कभी पाकिस्तान-चीन की बातें करेंगे. किसी दिन वह आपसे कहेंगे कि थाली बजाओ. कभी मोबाइल की लाइट ऑन करो. जितना पैसा मोदी ने अरबपतियों को दिया है, उतना पैसा हम गरीबों को देने वाले हैं. मोदी जी ने 10 साल में 20-25 लोगों को अरबपति बनाया. एयरपोर्ट, पोर्ट, बिजली, खदान, सोलर-विंड पावर, डिफेंस सेक्टर, सब कुछ अडाणी और दूसरे अरबपतियों को दे, लेकिन गरीबों को कुछ नहीं दिया. हमारी सरकर करोड़ों युवाओं को प्राइवेट पब्लिक सेक्टर, सरकारी सर्विस में सरकार नौकरी देगी.

बीरभूमः भाजपा प्रत्याशी का पर्चा रद्द

फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती फिलहाल तत्काल सुनवाई नहीं

कोलकाता। बंगाल की बीरभूम सीट से भाजपा के देबाशीष धर का नामांकन चुनाव आयोग ने रद्द कर दिया. भाजपा प्रत्याशी ने अपने नामांकन के साथ एनओसी जमा नहीं किया था. जिसके चलते चुनाव आयोग ने पर्चा रद्द कर दिया. मामला कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचा, लेकिन वहां भी फैसले का समाधान नहीं हुआ. चीफ जस्टिस ने तत्काल सुनवाई की अर्जी खारिज कर दी. साल 2021 में हुए बंगाल विस चुनाव के बाद राज्य सरकार ने देबाशीष को सस्पेंड भी किया था. दरअसल 2021 में आईपीएस देबाशीष धर कूच बिहार के एसपी थे. उधर, देबाशीष धर का नामांकन रद्द होने के बाद भाजपा ने देबतनु भट्टाचार्य को अपना नया प्रत्याशी घोषित किया और भट्टाचार्य ने नामांकन भी कर दिया. भट्टाचार्य संघ से जुड़े पूर्व प्रचारक हैं. भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी जो भी कहेगी, वो करेंगे. बीरभूम लोकसभा सीट पर चौथे चरण में यानी कि 13 मई को मतदान होगा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,900
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

गूगल ने भी बनाया मतदान का डूडल

नयी दिल्ली। गूगल ने लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण के अवसर पर शुक्रवार को अपने होमपेज पर रंगीन स्याही लगी उंगली का डूडल बनाया, जो संकेत देता है कि व्यक्ति ने मतदान कर दिया है. अमेरिकी कंपनी ने गूगल डूडल के पारंपरिक रूप में चुनाव का उत्सव मनाने के लिए बदलाव किया है और अपने नाम के ओ वर्ण के स्थान पर स्याही लगी तर्जनी की तस्वीर लगाई है. लोगों को दोबारा मतदान करने से रोकने के लिए आम तौर पर नहीं मिटने वाली बैंगनी स्याही मतदाता के बाएं हाथ की तर्जनी पर लगाई जाती है.

पांचवें चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

नयी दिल्ली। देश में 20 मई को 49 ससंदीय सीटों पर लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हो गयी. निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना जारी कर दी है. आठ राज्यों और केंद्र शासित जम्मू कश्मीर व लद्दाख, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, यूपी और बंगाल की 49 सीटों पर मतदान होगा. तीन मई नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है जबकि चार मई को नामांकन पत्रों की छंटनी की जाएगी. उम्मीदवार छह मई तक अपना नाम वापस ले सकते हैं.

बृजभूषण शरण सिंह की याचिका खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने यौन उत्पीड़न मामले की आगे की जांच के अनुरोध संबंधी भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख एवं भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी. छह महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया था.अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत ने याचिका को खारिज करते हुए मामले में सिंह के खिलाफ आरोप तय करने के बारे में आदेश के लिए सात मई की तिथि तय की.

झारखंड हाईकोर्ट का सिपाहियों की भर्ती पर फैसला

6800 कांस्टेबल की नियुक्तियां वैध हैं

कोर्ट के बड़े फैसले

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

- नियुक्ति को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज
- हाईकोर्ट ने 15 मार्च को सुनवाई के बाद सुरक्षित रखा था फैसला

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में 6800 कांस्टेबलों की नियुक्ति को वैध ठहराते हुए इसे चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है. नियुक्ति को चुनौती देते हुए सुनील टुडू एवं अन्य ने 65 याचिकाएं दायर की थीं, जिनपर एक साथ सुनवाई चल रही थी. एक्टिंग चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने शुक्रवार को फैसला सुनाया. कोर्ट ने याचिकाओं पर सभी पक्षों की बहस और सुनवाई बीते 15 मार्च को पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था.

इस फैसले से उन लोगों को बड़ी राहत मिली है जिनकी नियुक्ति 2015 में हुई थी. बता दें कि राज्य के 6800 सिपाहियों की नियुक्तियों को रिट संख्या 04/2015 के माध्यम से सुनील टुडू एवं 65 अन्य ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. पूर्व में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने विज्ञापन संख्या 04/2015 के तहत नियुक्त सिपाहियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया था. कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि सिपाही के पद पर नियुक्त किये गये 6800 सिपाहियों को व्यक्तिगत रूप से लिखित में सूचित किया जाए कि मामले के अंतिम आदेश से आपकी नियुक्ति प्रभावित होगी.

याचिका में दी गई ये दलीलें : कांस्टेबलों की नियुक्ति के लिए 2015 में विज्ञापन निकल था और 2018 में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हुई थी. याचिका कर्ताओं का कहना था कि सरकार की ओर से जिस नियमावली में नियुक्ति की गई है, वह पुलिस मैन्युअल के विपरीत है. नियमावली में न्यूनतम क्वालिफाइंग मार्क्स की शर्त लगाना भी गलत है.

आदेश से नियुक्ति प्रक्रिया होगी प्रभावित : हाईकोर्ट ने पूर्व में इन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कहा था उसके अंतिम आदेश से नियुक्ति प्रक्रिया प्रभावित होगी. इसे लेकर नियुक्त कांस्टेबलों को नोटिस जारी किया गया था और उन्हें पक्ष रखने का मौका दिया गया था. इधर राज्य सरकार ने सुनवाई के दौरान अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि उसे यह अधिकार है कि नियमावली में बदलाव करते हुए रूल फ्रेम कर सके.

सुप्रीम कोर्ट में हेमंत सोरेन का मामला सूचीबद्ध, 29 को सुनवाई

रांची/दिल्ली। राज्य के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की याचिका सुप्रीम कोर्ट में सूचीबद्ध हो गयी है. उसकी वेबसाइट के मुताबिक 29 अप्रैल को कोर्ट इस मामले को सुन सकती है. जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की कोर्ट में यह मामला सूचीबद्ध हुआ है. दरअसल सोरेन ने अपने वकील के माध्यम से शीर्ष अदालत में क्रिमिनल एसएलपी दाखिल की है.

हाईकोर्ट ने 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था : हेमंत ने अपनी याचिका में कोर्ट से गुहार लगाई है कि उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था. फैसला सुरक्षित रखने के बाद करीब 55 दिन बीत जाने के बाद भी हाईकोर्ट ने अपना फैसला नहीं सुनाया है.

ट्रायल कोर्ट में भी 1 को सुनवाई: पूर्व सीएम ने जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है. जिसपर एक मई को सुनवाई होनी है. हेमंत और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा कारागार में न्यायिक हिरासत में हैं. बता दें कि हेमंत 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया गया था. वहीं इसी केस में अफसर अली, अंतू तिर्की, प्रियरंजन, विपिन सिंह और इरशाद की भी गिरफ्तारी हो चुकी है.

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश-

सहायक शिक्षक नियुक्ति का रिजल्ट बिना अनुमति के जारी ना करे सरकार

रांची/दिल्ली। झारखंड टेट पास अभ्यर्थियों की ओर से सहायक शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में सीटेट पास और झारखंड के पड़ोसी राज्य से टेट परीक्षा पास अभ्यर्थियों को शामिल करने की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बहस की.

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार और जेएसएससी को यह निर्देश दिया है कि सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना सहायक शिक्षक (आचार्य) नियुक्ति का रिजल्ट प्रकाशित नहीं किया जाए. क्योंकि फिलहाल यह मामला सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए लंबित है. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस संजय करोल की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई की. अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले में जुलाई माह के पहले सप्ताह में सुनवाई करेगा. बता दें कि सहायक आचार्य की नियुक्ति के लिए हिंदी विषय के लिए परीक्षा शनिवार से शुरू हो रही है. दरअसल पिछले दिनों झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि राज्य में 26000 सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया में दूसरे राज्य के टेट पास अभ्यर्थी या सीटेट पास अभ्यर्थी भी शामिल हो सकते हैं.

सुप्रीम कोर्ट बोला- सिस्टम में दखल से बेवजह शक पैदा होगा

बैलेट से नहीं, ईवीएम से ही होंगे देश में चुनाव

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश में चुनाव ईवीएम से ही होंगे, बैलेट पेपर से नहीं. इसके अलावा ईवीएम से वीवीपैट स्लिप की 100% क्रॉस-चेकिंग भी नहीं होगी. सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इन मामलों से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दीं. जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि हमने प्रोटोकॉल, तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की है. इसके बाद एक मत से फैसला दिया है. जस्टिस दत्ता ने कहा कि किसी सिस्टम पर आंख मूंदकर संदेह करना सही नहीं है. इसलिए सार्थक आलोचना की जरूरत है, चाहे वह न्यायपालिका हो, विधायिका हो. लोकतंत्र का अर्थ सभी स्तंभों के बीच सद्भाव- विश्वास बनाए रखना है. इसी से हम लोकतंत्र की आवाज को मजबूत कर सकते हैं. हालांकि, कोर्ट ने आयोग को वीवीपैट की गिनती में मशीन की मदद लेने की संभावना तलाशने का सुझाव दिया है.

24 अप्रैल को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था : इससे पहले 24 अप्रैल को 40 मिनट की सुनवाई के बाद बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. जस्टिस खन्ना ने कहा था कि हम मेरिट पर दोबारा सुनवाई नहीं कर रहे हैं. हम कुछ निश्चित स्पष्टीकरण चाहते हैं. हमारे कुछ सवाल थे और हमें जवाब मिल गए हैं. फैसला सुरक्षित रख रहे हैं.

कोर्ट ने पूछा था- क्या वोटर्स को वीवीपैट पर्ची नहीं दी जा सकती : इससे पहले 18 अप्रैल को जस्टिस खन्ना और जस्टिस दत्ता की बेंच ने 5 घंटे वकीलों और चुनाव आयोग की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था. पिछली सुनवाई में कोर्ट ने आयोग से पूछा था कि क्या वोटिंग के बाद वोटर्स को वीवीपैट से निकली पर्ची नहीं दी जा सकती है. इस पर चुनाव आयोग ने कहा था वोटर्स को वीवीपैट स्लिप देने में बहुत बड़ा रिस्क है. इससे वोट की गोपनीयता से समझौता होगा और बूथ के बाहर इसका दुरूपयोग किया जा सकता है. इसका इस्तेमाल दूसरे लोग कैसे कर सकते हैं, हम नहीं कह सकते.

बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज, वीपीपैट स्लिप का भी 100% नहीं होगा ईवीएम से मिलान

- उम्मीदवार चाहे तो रिजल्ट के सात दिन के भीतर जांच की मांग कर सकता है
- शीर्ष कोर्ट ने कहा- माइक्रो कंट्रोलर की मेमोरी की जांच इंजीनियर करेगा

अलबत्ता सुप्रीम कोर्ट ने दिये दो निर्देश

1. सिंबल लोडिंग प्रक्रिया के पूरा होने के बाद सिंबल लोडिंग यूनिट को सील कर दिया जाए. सील की गई सिंबल लोडिंग यूनिट को 45 दिन के लिए स्टोर किया जाए.
2. रिजल्ट आने के बाद अगर दूसरे या तीसरे नंबर पर आए किसी कैंडिडेट को आपत्ति है, तो वह 7 दिन के भीतर शिकायत करे. ईवीएम के भीतर माइक्रोकंट्रोलर की मेमोरी की जांच इंजीनियर्स की टीम करेगी. इस शिकायत के बाद वेरिफिकेशन की प्रोसेस का खर्च कैंडिडेट ही उठाएगा. अगर जांच में पता चलता है कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है, तो जो खर्च कैंडिडेट ने किया है, उसे वापस कर दिया जाएगा.

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी दिये दो निर्देश

1. इलेक्ट्रॉनिक मशीन से पेपर स्लिप की गिनती के सुझाव का परीक्षण कीजिए.
2. देखिए कि क्या चुनाव निशान के अलावा हर पार्टी के लिए बारकोड भी हो सकता है.

अगस्त 2023 में लगाई गई थी याचिका

वीवीपैट पर्चियों की 100% वेरिफिकेशन को लेकर एक्टिविस्ट अरुण कुमार अग्रवाल ने अगस्त 2023 में याचिका लगाई गई थी। याचिका में कहा गया कि वोटर्स को वीवीपैट की पर्ची फिजिकली वेरिफाई करने का मौका दिया जाना चाहिए. वोटर्स को खुद बैलट बॉक्स में पर्ची डालने की सुविधा मिलनी चाहिए. इससे चुनाव में गड़बड़ी की आशंका खत्म हो जाएगी. इस केस में याचिकाकर्ताओं की तरफ से एडवोकेट प्रशांत भूषण, गोपाल शंकरनारायण और संजय हेगड़े पैरवी कर रहे थे.

कोर्ट का फैसला विपक्ष के चेहरे पर तमाचा : मोदी

इस फैसले से विपक्ष के चेहरे पर करारा तमाचा लगा है. अब मुंह ऊंचा करके देख नहीं पाएंगे. लोकतंत्र के लिए शुभ दिन, विजय का दिन. पुराना दौर वापस नहीं लौटेगा. इंडिया गठबंधन को देश से माफी मांगनी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने कुछ लोगों के सपने को चकनाचूर कर दिया. इन्होंने ईवीएम को बदनाम करने की कोशिश की. ये लोग निजी स्वार्थ के लिए ईवीएम को बदनाम करने में लगे थे.

वीवीपैट के मिलान पर जारी रहेगा अभियानः कांग्रेस

सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट पर जिन याचिकाओं को खारिज किया है उनमें कांग्रेस किसी भी तरह से पक्षकार नहीं थी और हम चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए वीवीपैट के उपयोग पर अभियान जारी रखेंगे. हमने दो जजों की पीठ के फैसले पर विचार किया है और चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए वीवीपैट के अधिक से अधिक उपयोग पर हमारा राजनीतिक अभियान जारी रहेगा.

निराशा, जाति व लोकल ईश्यू से वोट कम तो नहीं!

सुरजीत सिंह

जैसी की खबरें आ रही हैं, पहले चरण के मतदान की तरह ही दूसरे चरण के मतदान में भी वर्ष 2019 के मुकाबले कम वोट पड़े हैं. सही आंकड़ा तो शनिवार को मिलेगा, लेकिन अब तक 2019 के मुकाबले करीब 10 प्रतिशत कम मतदान हुए हैं. 2019 में इन्हीं सीटों पर 70.09 फीसदी मतदान हुआ था, जो इस बार घट कर करीब 61 फीसदी हो गया है. चुनाव आयोग की तमाम कोशिशों के बावजूद कम मतदान का होना काफी निराशाजनक है. दिलचस्प बात यह है कि दूसरे चरण में पहले चरण के मुकाबले भी पांच फीसदी मतदान की खबर सामने आई है. मतदान कम होना विपक्ष के लिए चिंता की बात मानी जाती रही है. लेकिन इस चुनाव में पहले चरण में करीब नौ प्रतिशत कम वोटिंग होने के बाद सत्तारूढ़ भाजपा परेशान दिखी. दूसरे चरण में कम वोटिंग होने के बाद उसकी परेशानी और बढ़ने वाली है. संभव यह भी है कि विपक्ष यह समझ रहा हो कि उसके लिए अच्छी स्थिति बन रही है और सच्चाई अलग हो. ऐसे में भाजपा चिंतित होकर और ज्यादा कोशिश करेगी. उसे आगे के चरणों में और फायदा होगा. दूसरी तरफ विपक्ष अपने फायदे की बात सोच कर निष्क्रिय होगा और उसे नुकसान होगा. मतदान कम होना चुनाव आयोग की भी बड़ी विफलता है.

राजनीतिक दलों के नेता यह जरूर बयान दे रहे हैं कि तेज गर्मी के कारण वोटिंग कम हो रहा है. अलग-अलग तरह के बहाने बता रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स में जो बातें सामने आ रही हैं, उनमें वोटिंग प्रतिशत कम होने की **तीन-चार प्रमुख वजहें बतायी जा रही हैं.**

- **पहली - निराशा का भाव :** वोटरों में निराशा का भाव है. वर्ष 2019 के मुकाबले इस बार स्पष्ट निर्णय लेने में कंफ्यूज हो रहे हैं. यह जरूर है कि कुछ वोटर यह बता रहे हैं कि विकल्प क्या है. लेकिन इस बार उनकी मनोदशा निराशा भरी है. उनके चेहरे का भाव बता रहा है कि वह बेहद तकलीफदेह हालात में जी रहे हैं. उनके लिए हालात अच्छे नहीं हैं. हालांकि इस बार "विकल्प ही क्या है" कहने वालों की संख्या में बड़ी कमी देखी जा रही है.
- **दूसरी - जाति बना मुद्दा :** वर्ष 2014 के चुनाव में भ्रष्टाचार व विकास मुद्दा था. वर्ष 2019 के चुनाव में विकास के साथ पुलवामा हमला बड़ा मुद्दा बन गया था. इस बार स्थिति थोड़ी अलग दिख रही है. सत्तारूढ़ दल भाजपा की लाख कोशिशों के बाद भी विपक्ष जाति के मुद्दे को लोगों तक पहुंचाने और उन्हें इस मुद्दे पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है. जाति जनगणना और गरीब का और गरीब होते जाना व अमीरों की अमीरी का बढ़ते जाना वोटरों के जेहन में है. इलेक्टोरल बॉण्ड के खुलासों घपले-घोटालों के आरोपियों को भाजपा में शामिल होने की लंबी सूची के कारण भ्रष्टाचार मुद्दा नहीं बन पाया है.
- **तीसरी- स्थानीय ईश्यू :** पिछले दोनों लोकसभा चुनावों में स्थानीय मुद्दों की कोई चर्चा कहीं नहीं थी. लेकिन इस बार स्थिति अलग है. लोगों के सामने तेजी से बढ़ती महंगाई, कम होती कमाई, नौकरियों का ना होना, घर-घर में बेरोजगारी बढ़ना और स्थानीय समस्याओं की चर्चा हो रही है. बचत का खत्म होना भी एक बड़ा मुद्दा है. गैस व पेट्रोल की बढ़ी कीमतों पर लोग बोल तो नहीं रहे हैं, पर भीतर ही भीतर टीस जरूर है. इस स्थिति ने भी चुनावों के प्रति वोटरों की सक्रियता पर ग्रहण लगाने का काम किया है. लंबे समय के सपने (1947 तक विकसित देश) जैसी बातें उन्हें मतदान केंद्रों तक नहीं पहुंचाने में नाकामयाब रहीं.
- **चौथी - कार्यकर्ता निष्क्रिय :** यह सबसे बड़ी वजह भी हो सकती है और बड़ा सवाल भी. क्या पक्ष-विपक्ष के कार्यकर्ता निराश हो गए हैं. निष्क्रिय हैं. उत्साह नहीं बचा है. पहले की तरह वोटरों के घरों तक नहीं पहुंच रहे हैं. अगर ऐसा है तो पार्टियों को इस बारे में सोचना होगा कि उनके कार्यकर्ता निराश क्यों हो रहे हैं. एक वजह तो यह भी है कि महंगाई-बेरोजगारी का सामना वह भी कर रहे हैं. इस कारण 10-20 दिनों का चुनावी रोजगार भी उन्हें आकर्षित नहीं कर पा रहा. वह भी तो अपनी रोजी-रोटी के लिए परेशान हैं.

दूसरे चरण में 61% मतदान

त्रिपुरा में सबसे ज्यादा, यूपी में सबसे कम वोट

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 सीट पर शुक्रवार को मतदान खत्म हो गया. दूसरे चरण में केरल की वायनाड लोकसभा सीट भी शामिल है, जहां से कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार दूसरी बार चुनाव मैदान में हैं. केरल की सभी 20 सीट के अलावा कर्नाटक की 28 में से 14 सीट, राजस्थान की 13 सीट, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश की 8-8 सीट, मध्य प्रदेश की 6 सीट, असम व बिहार की 5-5 सीट, छत्तीसगढ़ व पश्चिम बंगाल की 3-3 सीट और मणिपुर, त्रिपुरा व जम्मू-कश्मीर में 1-1 सीट पर शुक्रवार को मतदान पूरा हुआ. वैसे तो दूसरे चरण में 89 सीट पर मतदान होना था, लेकिन मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर बसपा के एक प्रत्याशी के निधन के बाद अब तीसरे चरण में मतदान होगा. जम्मू-कश्मीर में 1 सीट पर मतदान पूरा हुआ. जिन सीटों पर इस चरण में मतदान हुआ, उनमें 52 सीटें भाजपा के पास हैं, वहीं कांग्रेस के पास 22 सीटें हैं.

-शेष पेज 7 पर

कहां कितना मतदान

असम	70.68%
बिहार	58.58%
छत्तीसगढ़	72.51%
जम्मू-कश्मीर	67.22%
कर्नाटक	64.57%
केरल	65.04%
मध्य प्रदेश	55.32%
महाराष्ट्र	53.71%
मणिपुर	77.18%
राजस्थान	60.06%
त्रिपुरा	77.97%
उत्तर प्रदेश	53.34%
पश्चिम बंगाल	71.84%

लव जिहाद के बाद अब झारखंड में लैंड जिहाद : प्रतुल शाहदेव

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि झारखंड में लव जिहाद के बाद लैंड जिहाद शुरू हो गया है. रांची में भाजपा के मीडिया सेंटर में मीडिया से बात करते हुए प्रतुल ने कहा कि गैंग्स ऑफ वासेपुर की तर्ज पर गैंग्स ऑफ छोटानागपुर काम कर रहा है, जो पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो के कई बड़े नेताओं को जमीन कब्जा करने के लिए कागजात बनाने में मदद करता था. कहा कि हेमंत सोरेन की कब्जे वाली 8.86 एकड़ की बेनामी जमीन पर कब्जे में जिन लोगों पर कागजात के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा, उनमें प्रमुख है इरशाद, अफसर अली, इम्तियाज, सद्दाम, ताल्हा और फैयाज. प्रतुल ने कहा कि वे जानना चाहते हैं कि क्या यह बात सही है कि रात के 8 बजे के बाद इस गैंग के सदस्यों को मुख्यमंत्री आवास में एंट्री की खुली छूट थी और उस समय सीसीटीवी कैमरा भी ऑफ कर दिया जाता था.

लैंड जिहादियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त

प्रतुल ने कहा लैंड जिहादी गैंग ने जगन्नाथपुर के कचनार टोली की बेशकीमती जमीन पर भी कब्जा कर लिया. इसमें भी गठबंधन से जुड़े जाकिर का नाम आया. जाकिर के साथ मुबारक खान, शमीम खान, इकबाल, नासिर इकराम, अब्दुल, सलीम, राशिद ,हुसैन, मंजूर और अनवर को भी अभियुक्त बनाया गया है. कहा कि जिस तरीके से हेमंत सोरेन पार्ट वन और पार्ट 2 में सेना और सरकार की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश हो रही है, उससे साफ दिख रहा है कि इनको कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है.

अंतु तिर्की की डायरी खोल सकती है कई राज

प्रतुल ने कहा कि प्रेम प्रकाश, अमित अग्रवाल, पंकज मिश्रा के बाद अब अंतु तिर्की का नए घोटालेबाज के रूप में पदार्पण हुआ है. अंत की डायरी की एंट्री ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी संरक्षण में जमीन के लूट का खेल चल रहा था. उन्होंने कहा कि जानकारी मिल रही है कि अंतु तिर्की की डायरी में झामुमो के कई बड़े नेताओं से लेन-देन की बात भी निकली है. यह कैसा संयोग है कि हेमंत सोरेन ने जिस 8.86 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा किया था, उसी खाता और खेसरा की बगल वाली जमीन पर अंतु तिर्की ने भी कब्जा कर रखा था. यह सुनियोजित लूट का एक बड़ा हिस्सा है.

बागी बने 'इंडिया' के लिए सिरदर्द

करीब-करीब हर सीट पर खड़े हो रहे कांग्रेस और झामुमो के बागी प्रत्याशी, बिगाड़ेंगे गठबंधन का गणित

- राजमहल से झामुमो प्रत्याशी के खिलाफ पार्टी के ही सीनियर लीडर लोबिन हेम्ब्रम चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके है

प्रवीण कुमार। रांची

राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर भाजपा और उसकी सहयोगी आजसू पार्टी को मात देने के इंडिया गठबंधन (कांग्रेस,झामुमो, राजद, माले) के दावों को कमजोर करने में उसके अपने ही गठबंधन के नेता ही लगे हैं. अब तक चार लोकसभा सीटो से झामुमो के चार बड़े नेता चुनाव लड़ने के मैदान में उतर चुके हैं या घोषणा कर रहे है. इनमें चमरा लिंडा लोहरदगा से और बंसत कुमार लोंगा खूंटी लोकसभा से नामाकंन भी कर चुके है वहीं कोडरमा लोकसभा सीट से झामुमो नेता प्रणव वर्मा निर्दलीय चुनाव लड़ने का मूड बना लिये हैं, तो राजमहल से झामुमो कैंडिडेट के खिलाफ पार्टी के ही सीनियर लीडर लोबिन हेम्ब्रम चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके है. इसके अलावा पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव में कूदे नेताओं को लेकर झामुमो का कहना है ये उनका व्यक्तिगत फैसला है. इससे पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है.

धनबाद, चतरा, गोड्डा में भीतरघात की भी बनी हुई है आशंका : इंडिया गठबंधन को लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ-साथ दो अन्य प्रतिद्वंद्वियों से भी जूझना होगा. एक तरफ चमरा लिंडा, लोबिन हेम्ब्रम सहित कई ऐसे नेता हैं, जो पर्दे के पीछे से गठबंधन कैंडिडेट का विरोध कर रहे हैं. इसी वजह से गोड्डा लोकसभा सीट से कांग्रेस ने दीपिका पांडेय सिंह को चुनाव में उतारा था. विरोध के बाद दीपिका को बदल कर प्रदीप यादव को चुनाव में उतारा गया. कुछ इसी तरह का मामला धनबाद, चतरा सीट पर भी आने वाले दिन देखनो को मिल सकता है. धनबाद में कही कांग्रेस के पुराने नेताओं की भीतरघात करने की संभावना से स्थानीय जानकार इनकार नहीं करते हैं. चतरा में राजद नेता और कार्यकर्ता की भी पलटी मारने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता.

कांग्रेस की हार का कारण बने चमरा को 2009 और 2014 में मिले वोट

1. **2009** के चुनाव परिणाम की बात करें, तो पहले स्थान पर भारतीय जनता पार्टी के सुदर्शन भगत रहे थे, जिन्हें 144628 वोट मिले थे. दूसरे स्थान पर निर्दलीय प्रत्याशी चमरा लिंडा थे. जिन्हें 136345 वोट मिले थे. वहीं कांग्रेस पार्टी के डॉ. रामेश्वर उरांव तीसरे स्थान पर चले गए थे. उन्हें 129622 वोट मिले थे.

2. **2014** के चुनाव में भाजपा के सुदर्शन भगत पहले स्थान पर रहे थे. सुदर्शन भगत को 226666 वोट मिले थे. दूसरे स्थान पर कांग्रेस के डॉ. रामेश्वर उरांव को 220177 वोट मिले थे. वहीं तीसरे स्थान पर रहे ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस से चुनाव लड़ने वाले चमरा लिंडा को 118355 वोट मिले थे.

लोहरदगा में चमरा लिंडा की इंट्री से कांग्रेस पार्टी की बढ़ी बेचैनी

झामुमो विधायक चमरा लिंडा ने लोहरदगा से नामाकंन करके कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा की भी बेचैनी बढ़ा दी है. चमरा लिंडा का इलाके के सरना वोटरो में गहरी पैठ से भाजपा बेचैन है, तो कांग्रेस लोहरदगा में वोटों के बिखराव को लेकर परेशान है. राजनीतिक गलियारे में मांडर के पूर्व विधायक सह प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की से चमरा लिंडा के बेहतर संबंधों की भी चर्चा जोरो पर है. 2004 के लोकसभा चुनाव में चमरा लिंडा तीसरे स्थान पर रहे थे. उन्हें निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 58947 वोट मिले थे.

गोड्डा, धनबाद, लोहरदगा, पलामू व चतरा में कांग्रेस को अपनों से ही मिल रही चुनौती

सब जगह बगावत, निर्दलीय मैदान में कूद रहे बागी

समीर चक्रवर्ती। रांची

- चतरा में पार्टी और गठबंधन का एक तबका केएन त्रिपाठी के विरोध में
- धनबाद से अनुपमा सिंह का भी पार्टी का एक गुट ने शुरू किया विरोध
- गोड्डा में प्रदीप यादव को भी उम्मीदवार बनाए जाने विरोध शुरू हो गगा
- लोहरदगा में सुखदेव भगत को जेएमएम विधायक चमरा लिंडा से खतरा
- पलामू में कांग्रेस के गणेश रवि ने नामांकन कर अपना विरोध दर्ज कराया

राज्य के पांच लोकसभा सीटों पर कांग्रेस को अपने ही लोगों से चुनौती मिल रही है. इन सीटों पर अपने विरोधी दलों के साथ मुकाबले से पहले घर के लोगों के बगावत और भितरघात की चिंता से पार्टी प्रत्याशी परेशान है. झारखंड में इंडी गंठबंधन को पहले सीट बंटबारे उसके बाद प्रत्याशियों के चयन में काफी समय लग गया. फिर एक बार प्रत्यायी बदलने में भी विरोध और प्रतिरोध से दो चार होना पड़ा. इनमें से चार सीटों चतरा, गोड्डा, धनबाद और लोहरदगा में उम्मीदवारी घोषित किए जाने के बाद सामने आ रही प्रतिकूल सूचना की वजह से कांग्रेस नेतृत्व चिंतित है.वहीं गुरुवार को कांग्रेस के जिला महासचिव गणेश रवि ने निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में नामांकन कर अपना विरोध दर्ज करा दिया.वे पलामू लोक सभा सीट पर काफी समय से चुनाव लड़ने की जुगत में थे. उधर इनके नामांकन पर पलामू के जिलाध्यक्ष् से पूछने पर कहा कि पार्टी के किसी पद पर नहीं है. गोड्डा सीट पर तो पार्टी को उम्मीदवार बदलना पड़ा है. खबर है कि चतरा सीट पर भी गठबंधन से बगावत की तेज लहर की वजह से घोषित प्रत्याशी का नाम वापस लेकर उसकी जगह दूसरा चेहरा देने पर गंभीरता से विचार चल रहा है. दरअसल, केएन त्रिपाठी मेदिनीनगर के रहने वाले हैं. इस सीट पर राजद की भी प्रबल दावेदारी थी, लेकिन कांग्रेस ने यहां अपना उम्मीदवार उतार दिया. वहीं पलामू सीट पर कांग्रेस के गणेश रवि भी लोकसभा के टिकट के लिए प्रयासरत थे. ये सीट गंठबंधन में राजद को दिया गया. गणेश रवि कांग्रेस में लातेहार विधानसभा प्रभारी और जिला महासचिव पद पर रहे.वहीं काग्रेस अनुसूचित सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर थे. गोड्डा सीट पर कांग्रेस ने पहले महगामा की विधायक दीपिका पांडेय सिंह को प्रत्याशी बनाया था. उनकी उम्मीदवारी घोषित होते ही देवघर और गोड्डा में पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध दर्ज कराया. आखिरकार पांच दिन बाद पार्टी ने यहां दीपिका की जगह पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव को प्रत्याशी घोषित कर दिया. वहीं कांग्रेस के जामताड़ा क्षेत्र के विधायक डॉ. इरफान अंसारी इस सीट पर अपने पिता फुरकान अंसारी को टिकट देने की मांग कर रहे थे. फुरकान अंसारी और इरफान अंसारी का कहना है कि पार्टी ने पूरे राज्य में एक भी मुसलमान को उम्मीदवार नहीं बनाया, जबकि उनकी आबादी 18 फीसदी है. ऐसे में प्रदीप यादव के सामने दो विधायकों दीपिका पांडेय सिंह एवं इरफान अंसारी और उनके समर्थकों को साथ लेकर चलने की बड़ी चुनौती है.

धनबाद सीट पर कांग्रेस ने दिग्गजों की दावेदारी को दरकिनार कर अनुपमा सिंह को टिकट थमाया है. उनका इस चुनाव के पहले सक्रिय राजनीति से वास्ता नहीं रहा. उनकी सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बोकारो जिले के बेरमो से कांग्रेस की विधायक जयमंगल सिंह सिर्फ अनूप सिंह की पत्नी हैं. बोकारो और धनबाद में पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं का एक समूह उनकी उम्मीदवारी का विरोध कर रहा है. कुछ लोगों ने अनुपमा की उम्मीदवारी पर विरोध जताते हुए पार्टी नेताओं के पुतले फूंके. इस सीट पर पूर्व सांसद ददई दुबे की भी दावेदारी थी.

अब लोहरदगा सीट पर कांग्रेस ने पूर्व विधायक सुखदेव भगत को प्रत्याशी बनाया है. इस सीट पर झामुमो भी दावेदारी कर रहा था. विशुनपुर के झामुमो विधायक चमरा लिंडा यहां बागी प्रत्याशी के तौर पर नामांकन कर दिया है. झामुमो ने उन्हें नामांकन वापल लेने के लिए कहा है. लेकिन अभी तक विधायक चमरा लिंडा अपने निर्णय पर अडिग है. वहीं अंदर खाने में राज्य के एक मंत्री और पार्टी के कद्दावार नेता भी विरोध में है. यहां भी कांग्रेस प्रत्याशी को अपने ही लोगों का विरोध परोक्ष सहना पड़ रहा है.

पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के नतीजे जारी, प्रणय दीपक बने स्टेट टॉपर

- पर्षद द्वारा काउंसिलिंग की सूचना शीघ्र जारी की जाएगी

संवाददाता। रांची

झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पार्षद ने शुक्रवार को पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया. इस परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थी अपना परिणाम पार्षद की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं. पार्षद ने अभ्यर्थियों का ओएमआर शीट भी जारी कर दी है. अभ्यर्थी इसे डाउनलोड कर सकते हैं. पार्षद द्वारा काउंसिलिंग की सूचना शीघ्र जारी की जाएगी. यह परीक्षा सात अप्रैल को आयोजित की गई थी.

दीपक बीसी वन कैटेगरी में पहले स्थान पर: प्रणय दीपक को मेरिट लिस्ट में पहला स्थान मिला है. ये बीसी वन के कैटेगरी रैंकिंग में भी पहले स्थान पर हैं. वहीं, वैभव कुमार को कॉमन मेरिट लिस्ट में दूसरा तथा कुमार अनमोल को पूरे तीसरा स्थान मिला है. अन्य कैटेगरी में बीसी टू में आलोक राज को पहला, एसटी में डाली कुमारी को पहला तथा एससी में रूपेश कुमार दास को पहला स्थान मिला है. इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से राज्य सरकार के पॉलिटेक्निक एवं अन्य डिप्लोमा संस्थानों, झारखंड मिनी टूल रूम, निजी डिप्लोमा संस्थानों आदि में नामांकन होता है.

किस टॉपर को मिला कितना अंक (पूर्णांक 150)

नाम	सीएमएल रैंकिंग	कैटेगरी रैंकिंग (श्रेणी)	कुल अंक
प्रणय दीपक	01	01 (बीसी वन)	137.8
वैभव कुमार	02	–	137.8
कुमार अनमोल	03	–	136.3
आलोक राज	05	01 (बीसी टू)	135.8
डॉली कुमारी	06	01 (एसटी)	135.8
रूपेश कुमार दास	86	01 (एससी)	115.8

चतरा से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने भरा पर्चा, रोड शो और जनसभा की

प्रमुख संवाददाता। रांची/चतरा

चतरा लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने शुक्रवार को पर्चा दाखिल किया. इस मौके पर उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, विधायक किशुन कुमार दास समेत पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद थे. नामांकन से पहले कालीचरण सिंह ने बाबूलाल मरांडी और अमर बाउरी के साथ रोड शो किया. रोड शो कालीचरण सिंह के आवास से निकला और विभिन्न मार्गों से होते हुए चतरा समाहरणालय पहुंचा. इसके बाद कालीचरण सिंह ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप को नामांकन पर्चा सौंपा. नामांकन के बाद फिर से रोड शो शुरू हुआ, जो बाबा घाट में जाकर खत्म हुआ. बाबाघाट में चुनावी सभा का आयोजन हुआ, जिसे बाबूलाल मरांडी और अमर बाउरी समेत कई नेताओं ने संबोधित किया.

जेल और बेल वाले भाग्य विधाता बनने के लिए घूम रहे

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को हर हाल में 400 सीटें मिलेंगी. कहा कि जनता की मांग पर पहली बार चतरा संसदीय सीट पर किसी स्थानीय को प्रत्याशी बनाया गया है. इससे पहले जितने भी सांसद या प्रत्याशी रहे सभी चतरा लोकसभा क्षेत्र से बाहर के रहने वाले थे. कालीचरण सिंह रिकॉर्ड मतों से जीतकर सांसद बनेंगे और यहां की आवाज को दिल्ली में उठायेंगे. झारखंड की गठबंधन सरकार पर हमला करते हुए कहा कि इस सरकार के संरक्षण में खुलेआम बालू, पत्थर और कोयले की लूट हो रही है. बाबूलाल ने कहा कि सजायाफ्ता, जेल में बंद और बेल पर बाहर रहने वाले भारत के भाग्य विधाता बनने के लिए घूम रहे हैं. इंडी गठबंधन वाले परिवार और पैसे के लिए राजनीति करते हैं। जनता उन्हें सबक सिखायेगी.

सभी 14 सीटें और गांडेय उपचुनाव जीतेगा एनडीए

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि इस बार चुनाव में विपक्ष की जमानत जब्त हो जाएगी. झामुमो पर हमला करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को कठपुतली बना कर रखा है. झामुमो, कांग्रेस, राजद अपने वंश को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि भाजपा देश के विकास के लिए काम कर रही है. बाउरी ने दावा किया कि भाजपा झारखंड की सभी 14 सीटों के अलावा गांडेय विधानसभा का उपचुनाव भी जीतेगी. कल्पना सोरेन को वंशवादी राजनीति का आदर्श उदाहरण बताते हुए कहा कि राज्य की जनता महागठबंधन और कल्पना सोरेन को हराकर करारा जवाब देगी.

न्यूज अपडेट

योजनाओं के लिए चुनाव आयोग से लेंगे मंजूरी

रांची। बिरसा हरित ग्राम योजना, जलछाजन योजना, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान और जिला ग्रामीण विकास अधिकरण की संबंधित गतिविधियों के संचालन के लिए चुनाव आयोग से अनुमति ली जाएगी. ग्रामीण विकास विभाग लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रभावी आदर्श आचार संहिता के दौरान इन योजनाओं की गतिविधियों को जारी रखनेनिर्वाचन आयोग के पास प्रस्ताव भेजेगा. इसके पूर्व राज्य सरकार के द्वारा गठित स्क्रीनिंग कमेटी के पास संचिका भेजी जाएगी. कुल पांच प्रस्ताव तैयार किए गये है जिसकी मंजूरी लेते हुए वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा. ग्रामीण विकास विभाग इन योजनाओं से जुड़े अन्य विभागों में एक नोडल पदाधिकारी की नियुक्ति कराने को कहा है ताकि सारी प्रक्रिया पूरी करके काम प्रारंभ कराया जा सके. चुनाव आचार संहिता लगने की वजह से सारा काम प्रभावित हे, आवश्यक कार्यों के लिए निर्वाचन आयोग की अनुमति ली जा रही है.

पत्नी की हत्या के जुर्म में ललित पूर्ति दोषी करार

रांची। सिविल कोर्ट ने प्रेम प्रसंग में रोड़ा बन रही पत्नी की हत्या के आरोपी पति ललित पूर्ति को दोषी करार दिया है. सजा के बिंदु पर 30 अप्रैल को सुनवाई होगी. रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त एमसी झा की कोर्ट ने ललित को दोषी करार दिया है. हत्या की घटना 7 मार्च 2019 की है. यह मामला गोंदा थाना क्षेत्र का है. दरअसल आरोपी पति का किसी और महिला के साथ अवैध संबंध था. जिसे लेकर पति पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था. 7 मार्च 2019 को दोनों पति पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी. जिसकी सूचना सुबह साढ़े 5 बजे आरोपी और मृतक के बेटे को मिली. जिसके बाद गोंदा थाना में प्राथमिकी कराई गई थी. गिरफ्तारी के बाद से आरोपी जेल में बंद है. मामले की सुनवाई के द्वारा अभियोजन पक्ष ने 7 गवाह पेश किया. जबकि बचाव पक्ष की ओर से 2 गवाह पेश किए गए थे. अभियोजन पक्ष की उपयुक्त साक्ष्य और गवाह के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी पाया है.

शराब टेंडर पर सुप्रीम कोर्ट में अब अगले सप्ताह सुनवाई

रांची/दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में झारखंड में थोक शराब के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी की जांच को लेकर दाखिल जनहित याचिका के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई. शुक्रवार को आंशिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए अगले सप्ताह की तारीख तय की है. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बी आर गवई और सुधांशु धुलिया की खंडपीठ में यह मामला सूचीबद्ध था. सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने अदालत में पक्ष रखा. दरअसल राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल कर कहा गया है कि थोक शराब के लिए जारी टेंडर से जुड़ी जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं. याचिका में यह भी कहा गया है कि हाईकोर्ट के पीआईएल रूल्स का भी पालन नहीं किया गया है. बता दें कि शराब के लिए टेंडर में गड़बड़ी की जांच को लेकर अधिवक्ता राजीव कुमार ने जनहित याचिका दायर की थी. पूर्व में हुई सुनवाई में अदालत राजीव कुमार को इस केस से हटाते हुए संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है.

भूमि अधिग्रहण आंदोलन केस में पूर्व मंत्री योगेंद्र बरी

रांची। पूर्व मंत्री और पूर्व कांग्रेस विधायक योगेंद्र साव को रांची सिविल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने चतरा जिले के टंडवा इलाके में आम्रपाली प्रोजेक्ट के लिए किए जा रहे भूमि अधिग्रहण के दौरान योगेंद्र साव के खिलाफ दर्ज मामले में साक्ष्य के अभाव में बरी करने का आदेश दिया है. वर्ष 2015 में टंडवा थाना में कांड संख्या 90/2015 और 91/2015 दर्ज कराई गई थी. जिसमें योगेंद्र साव समेत 25 लोगों को आरोपी बनाया गया था. ये सभी आरोपी ट्रायल फेस कर रहे थे. जिन्हें कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. दरअसल आम्रपाली कोल परियोजना के विस्थापितों ने आंदोलन किया था और उस आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने किया था.

दूसरे चरण की तीन सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी

रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव के तहत पहले चरण (देश का चौथा चरण) की चार सीटों पर नामांकन प्रक्रिया खत्म होने के बाद दूसरे चरण (देश का पांचवां चरण) की तीन सीटों कोडरमा, चतरा, हजारीबाग में भी सियासी दंगल शुरू हो गया है. भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को इन तीनों सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी की. आयोग ने शुक्रवार को ही झारखंड विधानसभा के गांडेय उपचुनाव की भी अधिसूचना जारी की. सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद यह सीट 31 दिसंबर 2023 से ही रिक्त है. लोकसभा की तीन सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही यहां नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई.

दिवंगत अधिवक्ता प्रलय सिन्हा की स्मृति में लेक्चर सीरीज

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में दिवंगत वरीय अधिवक्ता प्रलय कुमार सिन्हा की स्मृति में लेक्चर सीरीज की शुरुआत की गई. राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं और सरकारी अधिवक्ताओं की मौजूदगी में इसकी शुरुआत की. लेक्चर सीरीज में हर दूसरे सप्ताह कानूनी विषयों पर चर्चा की जाएगी. पहली चर्चा में अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने वकीलों के साथ खनिज कानूनों के संबंध में जब्ती की कार्यवाही विषय पर मंथन किया. दिवंगत अधिवक्ता प्रलय कुमार सिन्हा झारखंड हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता थे. इस कार्यक्रम की शुरुआत उनकी स्मृति में की गई है.

मौसम का मिजाज 30 तक बढ़ेगी हीट वेब, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

बिना वजह घर से दोपहर में न निकलें, खाली पेट न रहें

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य में लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है. तेज धूप और गर्म हवाओं का असर भी राजधानी समेत अन्य हिस्सों में बढ़ता जा रहा है. वहीं, हीं मौसम विभाग ने भी इसे लेकर अलर्ट जारी किया है. जिसमें बताया है कि 30 अप्रैल तक राज्य में हीट वेब का असर लगातार बढ़ता रहेगा. 27 और 28 अप्रैल को जहां हीट वेब का असर संथाल और दक्षिणी हिस्से में देखा जाएगा.

वहीं, 29 हीं से 30 के बीच हीट वेब का असर पलामू प्रमंडल और मध्य हिस्से में भी देखा जाएगा.

खास बातें

- राज्य के सभी जिलों में पारा पहुंचा 40 डिग्री से. के पार
- मई के पहले सप्ताह में आयेंगे बादल, तो मिल सकेगी राहत

ऐसे में लोगों को काफी सतर्क रहने की सलाह दी गयी है. राजधानी रांची में दोपहर के वक्त सड़कों पर कम लोग देखे जा रहे हैं. गर्मी के चलते सत्तू और तरबूज की दुकानों पर भीड़ देखी जा रही है. लोग गर्मी से मुक्ति के लिए तरह-तरह के नुक्से आजमा रहे हैं.

हीट वेव का असर लगातार बढ़ेगा

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने जानकारी दी है कि आने वाले पांच दिनों के दौरान राज्य में हीट वेव का असर लगातार बढ़ेगा. इसमें, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज, रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, गुमला और खूंटी में भी कहीं-हींकहीं हीट वेब की स्थिति बनी रहेगी .इसे लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है. मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले तीन दिनों के दौरान राज्य के तापमान में 4 डिग्री तक की वृद्धि दर्ज की जाएगी. राज्य के अधिकांश हिस्सों में तापमान 40 के ऊपर हो गया है. न्यूनतम पारा भी ऊपर की तरफ जा रहा है.

निकलें घर से बाहर, तो सिर को ढंक कर रखें

बढ़ते तापमान और हीट वेब को लेकर मौसम विभाग ने विशेष अलर्ट जारी किया है. साथ ही लोगों को सलाह दी है कि दिन के 11 बजे से लेकर दोपहर के 4 बजे तक बाहर ननिकलें. समय-समय पर पानी पीते रहें. वहीं, हीं कॉटन कपड़े का इस्तेमाल करें. मौसम विभाग ने कहा है कि घर से बाहर निकलते समय खाली पेट न रहें. सिर को ढंक कर ही बाहर निकले. बाहर निकलने से पहले शरीर को अच्छी तरह ढक लें. मौसम विभाग के मुताबिक मई के पहले हफ्ते में बादल आ सकते हैं. तब तक बेहद सावधान रहने की जरूरत है.

बस से 43.6 किलो गांजा बनारस ले जा रहे चार तस्कर गिरफ्तार, जिनमें दो महिलाएं भी

संवाददाता। रांची

रांची पुलिस ने ओडिशा से बनारस गांजा ले जा रही दो महिलाओं समेत चार लोगों को खादगढ़ा बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों यूपी के गाजियाबाद जिले के केशव कुंज निवासी सुमित कुमार, गौतमबुद्ध नगर जिले के दीप बिहार छपरौल निवासी अंजना सिंघल, बंगाल के दार्जिलिंग जिले के सुकना निवासी दीप राई और मध्य दिल्ली के पहाड़गंज स्थित मुलतानी डंडा निवासी सुषमा का नाम शामिल है.

गिरफ्तार आरोपियों के पास से 43.60 किग्रा गांजा, चार मोबाइल, तीन आरोपी का आधार कार्ड, रेखा बस का धुर्वा से बनारस जाने का टिकट और 1500 नगद पुलिस ने बरामद किया है. उक्त जानकारी सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी. उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर नशीले पदार्थों की बरामदगी को लेकर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. इसी दौरान एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था. टीम ने छापेमारी कर खादगढ़ा बस स्टैंड परिसर से दो युवक और दो महिलाओं को गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार तस्करों से पुलिस को कई इनपुट मिले हैं. मिले इनपुट के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शनिवार 27 अप्रैल 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 2, अंक : 19 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पर्यावरण संरक्षण की मुहिम : भीषण गर्मी में जलस्त्रोतों का दोहन कर रहे ईंट भट्ठा संचालक, हाथ पे हाथ रख कर बैठे हैं सरकारी बाबू

नियम-कानून को जेब में रख ईंट भट्ठा संचालकों ने स्थापित कर रखा है अपना साम्राज्य

- महुदा क्षेत्र में दर्जनों बंगला ईंट भट्ठों का हो रहा है संचालन
- अधिकारियों की खामोशी से कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

राम पांडेय/अब्दुल हमीद अंसारी

महुदा (कतरास)। सरकारी बाबूओं की उदासीनता के कारण कतरास, बाघमारा, मधुबन, बरोरा, महुदा सहित अन्य क्षेत्र में अवैध ईंट भट्ठों का संचालन बेरोकटोक फल-फूल रहा है. अवैध ईंट भट्ठों के संचालकों ने नियम-कानून को जेब में रख कर अपना साम्राज्य स्थापित कर रखा है. महुदा क्षेत्र की बात करें, तो सिंगड़ा, पाण्डेडीह, चरकीटांड, बागड़ा, हाथुडीह, तारगा, कांडरा, तैलमोचो, लोहापट्टी, पीपराटांड़ सहित अन्य स्थानों पर दर्जनों बंगला ईंट भट्ठा संचालित हैं. इन ईंट भट्ठों में चोरी का कोयला व बालू का उपयोग किया जाता है. इसके साथ ही इलाके के नदी, तालाब, कुंआ, एवं चापानल के पानी से ईंट निर्माण के लिए मिट्टी की सनाई से लेकर भट्ठों की आग बुझाने का काम होता है. इस भीषण गर्मी में इन कारणों से इलाके में पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है. वहीं, पर्यावरण को दूषित करने वाले अवैध ईट भट्ठों के संचालक मालामाल हो रहे हैं. बावजूद इसके शासन प्रशासन व संबंधित विभाग कार्रवाई करने के बजाय हाथ पे हाथ रख कर बैठा है. संबंधित अधिकारियों की खामोशी उनके कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रही है.

लालचक के ईंट भट्ठा में जल रहा बचपन

कतरास। रामकनाली ओपी इलाके के लालचक एसबीएफ ईंट भट्ठा में बाल श्रम कानून को ठेंगा दिखा कर बच्चों से मजदूरी कराईं जा रही है. मिट्टी गुथाई से लेकर ईंट ढुलाई तक के कार्य में बच्चों को लगाया जा रहा है. ईंट भट्ठा संचालक पैसे का प्रलोभन देकर न केवल बच्चों का शारीरिक शौषण, बल्कि उनकी जीवन के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं. इस प्रचंड गर्मी में भी एसबीएफ ईंट भट्ठे में संचालक को नौनिहालों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने में तनिक भी संकोच नहीं हो रहा है. गुरुवार को 'शुभम संदेश' की टीम उक्त ईंट भट्टे में जब पहुंची, तो आधा दर्जन से अधिक बाल मजदूर मजदूरी करते दिखे. हालांकि टीम को देख कर संचालक तुरंत बाल मजदूरों को वहां से हटाने लगा. तभी 'शुभम संदेश' के संवाददाता ने आठ साल के एक बाल मजदूर को मजदूरी करते हुए उसकी पहचान छिपाते हुए सबूत के तौर पर तस्वीर उतार ली.

न बाल मजदूरी रुकी और न मासूमों पर अत्याचार

इलाके के विभिन्न ईंट भट्ठों पर बाल मजदूरी जारी है. यह काम काफी खतरनाक है और इससे जुड़े हादसों की खबरें अक्सर पढ़ने-सुनने को मिलती हैं. ईंट-भट्ठा उद्योग में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर कोई मुकम्मल उपाय नहीं है. बाल मजदूरी पर रोकथाम को लेकर स्थानीय प्रशासन से लेकर राज्य सरकार के द्वारा बड़े-बड़े दावे किये जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि न तो बाल मजदूरी रुकी है और न ही मासूमों पर अत्याचार.

पानी बना परेशानी का सबब, हर चुनाव में मिलता है सिर्फ आश्वासन का घूंट

फिर भी अधूरी रह जाती प्यास

जल संकट

- दशकों से हजारों की आबादी की प्यास की शिद्दत कायम
- सुबह होते ही पानी के लिए करनी पड़ती है कसरत

रणजीत कुमार सिंह। धनबाद

लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा, हर चुनाव में यहां के लोगों का बस एक ही सवाल होता है पानी. हर बार यहां की हजारों की आबादी को आश्वासन का घूंट मिलता है, तो उम्मीदें जगती हैं कि शायद इस बार उनके प्यासे हलक तर हो जाएंगे. लेकिन हर बार चुनाव खत्म होने के बाद फिर से चुनाव आने तक उनकी प्यास अधूरी रह जाती है. एक बार फिर चुनाव सामने और मौसम भी गर्मी का है, साथ में वही पुरानी प्यास की शिद्दत भी कायम है.

एक दर्जन इलाके बिना पानी के झेल रही गर्मी : झरिया प्रखंड के लगभग एक दर्जन से अधिक इलाके के लोग पानी के लिए त्राहिमाम करते आ रहे हैं. इन इलाकों में विक्ट्री, चांदमारी, लिवट्री, इंडस्ट्री, ऐना इस्लामपुर, भगतडीह, बस्ताकोला, भेड़ाकाटा, बंगालीकोठी, मांझी बस्ती लाहेबेड़ा, सोनार बस्ती, सहित कई बस्ती है. यह सारे इलाके वार्ड संख्या 34 और 35 के अंतर्गत आते हैं. इन इलाकों की आबादी लगभग 50 हजार से भी अधिक है.

प्रधानमंत्री जलापूर्ति योजना के तहत मुख्य मार्ग में पाइप तो बिछ गयी. लेकिन, इस पाइपलाइन में फिलहाल तक पानी तक नहीं आया है. यहां तक कि इस पाइपलाइन का कनेक्शन बहुत सारी बस्तियों में अभी भी नहीं हुआ है. इन इलाकों में भगतडीह स्थित माडा जलागार से पाइपलाइन के जरिए इन इलाकों में जलापूर्ति होती है.

कनेक्शन बढ़ने से नहीं मिल रहा पर्याप्त पानी : क्षेत्र के पूर्व सरपंच भोलानाथ गोस्वामी समेत अन्य लोगों का कहना है कि भगतडीह स्थित माडा जलागार से इन क्षेत्र में 1948 में 6 इंच की पाइपलाइन बिछी थी. तब जगह-जगह 150 कनेक्शन प्वाइंट बनाए गए थे. इस कारण लोगों को पानी ठीक-ठाक आपूर्ति होती थी. लेकिन आबादी बढ़ने के साथ धीरे-धीरे इस पाइपलाइन में अब हजारों कनेक्शन हो गए हैं. इस कारण यहां पानी का प्रेशर बहुत ही कम हो गया है. हालत यह है कि लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है.

100 से 300 रुपये तक में ठेले पर बेचते हैं पानी

1992 में बस्ताकोला में बिछाई थी पाइपलाइन

वर्ना ठेले वाले से खरीदना पड़ता है पानी

इन इलाकों में जो भी कनेक्शन हैं, उनमें दो से तीन दिन के बाद एक से दो घंटे के लिए पानी की आपूर्ति होती है. फिर पानी के लिए लोगों को आपाधापी करनी पड़ती है. काफी मशक्कत के बाद पीने का 30 से 40 लीटर मिल गया तो ठीक है, वरना ठेले वाले से पानी खरीद कर पीना पड़ता है. अन्य कामों के लिए पोखरिया का पानी गैलेन से व्यवस्था करना पड़ता है. लोगों का कहना है कि बस्ताकोला पोखरिया में कई लोगों को डूबने से मौत हो चुकी है. इस कारण वहां लोग नहाने से भी परहेज करने लगे हैं.

पानी से ही चल रही है आजीविका : साव

विशुन साव ने बताया कि सप्लाई पाइप के फटने से ही उनकी रोजी-रोटी चल रही है. क्योंकि यहां से पानी भर कर वे और उनके जैसे करीब दो दर्जन ठेले वाले अपने परिवार की जीविका चला रहे हैं. एक ठेले की कीमत 100 से 300 रुपये तक लेते हैं. वे लोग घरों के साथ-साथ आसपास के होटल वालों को भी यहां से पानी की सप्लाई करते हैं. हालांकि अब पहले की तरह प्रेशर नहीं होने के कारण यहां से पानी कम मिलने लगा है. इसके साथ ही जो लोग घरों के लिए पानी भरते हैं, पहले उन्हें पानी देना पड़ता है.

डेढ़ किमी दूर से पानी ढोकर लाते हैं चांदमारी के बाशिंदे

1992 में बीसीसीएल ने विक्ट्री खदान से बस्ताकोला मे पीटवाटर सप्लाई के लिए पाइपलाइन बिछाई थी, वह भी क्षतिग्रस्त हो गई है. वार्ड 34 के चांदमारी और वार्ड 35 के इंडस्ट्री भुईयां बस्ती में पीने के पानी का कनेक्शन नहीं है. एक कुआं तक नहीं है. इनलोगों को दूसरे जगह भटक कर पानी जुगाड़ करना पड़ता है. चांदमारी के लोग झरिया-धनबाद मुख्य मार्ग स्थित धनसार पानी टंकी से डेढ़ किलोमीटर दूर जाकर पानी का जुगाड़ करते हैं. लगभग यही हाल इंडस्ट्री भुईयां बस्ती का भी है.

धनसार के चांदमारी बस्ती में एक मकान में घुसा दिया हाइवा

नाबालिग चालकों के हाथों में 'मौत' की स्टीयरिंग

संवाददाता। धनसार

कोयलांचल में बेलगाम हाइवा ने अबतक दर्जनों लोगों को मौत की नींद सुला दिया है. हाइवा से सड़क दुर्घटना की घटनाएं लगातार होने के बाद भी न तो ट्रांसपोर्टर और ना ही बीसीसीएल प्रबंधन कोई एक्शन ले रहा है. खतरनाक बात ये है कि यहां कोयला ढोने में लगे हाइवा चालकों में अधिकांश नाबालिग हैं. इनके हाथों में स्टीयरिंग किसी मौत से कम नहीं हैं. शुक्रवार को भी एक नबालिग हाइवा चालक की लापरवाही से पूरे परिवार की जिंदगी खत्म होते-होते बच गई.

सोया था परिवार, हाइवा ने तोड़ दी दीवार : धनसार थाना क्षेत्र के चांदमारी मांझी बस्ती में सुनील हांसदा पूरे परिवार के साथ अपने घर में बेखबर सो रहे थे. तभी हाइवा चला रहे नाबालिग ने अनियंत्रित हाइवा हांसदा के घर में घुसा दिया. इस घटना में मकान की दीवार टूट गयी. गनीमत रही कि घरवालों को कुछ नहीं हुआ. टक्कर की आवाज सुनकर सुनील पूरे परिवार के साथ घबरा कर उठ गये और फिर चालक को धर दबोचा. शोर सुनकर स्थानीय लोग भी दौड़े. देखा कि चालक की उम्र महज 14 साल रही होगी. गुस्से में आकर कुछ लोगों ने चालक की पिटाई भी कर दी. नाबालिग चालक रो-रो कर माफी मांगने लगा, तब कुछ लोगों ने उसपर तरस खाकर उसे वहां से भगा दिया और फिर घटना की सूचना धनसार पुलिस को दी. पुलिस ने हाइवा को जब्त कर लिया.

गुस्साए लोगों ने चालक को पकड़ा नाबगालिग देख रहम दिखाकर छोड़ा

जबरन ट्रांसपोर्टिंग करा रही बीसीसीएल

भाजपा के जिला मंत्री रवि मिश्रा ने कहा कि मांझी बस्ती से लेकर चांदमारी पुराना सीआईएसएफ कैंप तक सिंगल रोड व पब्लिक मार्ग है. इस मार्ग से स्कूली बच्चे व यहां के लोगों का आना जाना है. मार्ग के अगल-बगल में दर्जनों मकान हैं और लोग परिवार के साथ यहां जिंदगी गुजार रहे हैं. इसके बावजूद इसके इस मार्ग से बीसीसीएल जबरन ट्रांसपोर्टिंग कार्य करा रही है. वो भी नाबालिग बच्चे, इस मार्ग पर हाइवा दौड़ा रहे हैं. बता दें कि चार माह पूर्व इस मार्ग से ट्रांसपोर्टिंग शुरू होने के पहले स्थानीय लोगों के साथ रवि मिश्रा ने भी इसका विरोध किया था. इधर, चांदमारी मार्ग में हाइवा से कोयला की ट्रांसपोर्टिंग किये जाने से स्थानीय लोगों में भी भारी आक्रोश व्याप्त है.

सांसद के हस्तक्षेप पर शुरू हुई थी ट्रांसपोर्टिंग

इस मार्ग से कोयला ट्रांसपोर्टिंग होने का विरोध शुरू हुआ, तो सांसद के हस्तक्षेप के बाद सुनिश्चित अवधि के साथ मार्ग में लाइट लगाने व नियमित पानी छिड़काव करने के आश्वासन पर ट्रांसपोर्टिंग शुरू हुई थी. तय हुआ था कि शाम चार बजे से सुबह चार बजे तक ही ट्रांसपोर्टिंग होगी. बस्ती में हाइवा की गति सीमा 10 किलोमीटर प्रति घंटा तय हुई थी. लेकिन अब दिन-रात एमजीएम ट्रांसपोर्टिंग कंपनी द्वारा बस्ताकोला कोल डंप से बीएनआर साइडिंग तक कोयला की ढुलाई की जा रही है. स्थानीय सुनील हांसदा, चुन्नू, सरजू आदि का कहना है कि यहां के लोग रातभर नहीं सो पाते हैं. हमेशा इस बात का डर समाया रहता है कि हाइवा कब उनके घरों को तोड़कर उन पर न चढ़ जाए.

धरी-धरी एक्सपायर हो गयीं दवाइयां

संवाददाता। धनबाद

बदहाल व्यवस्था

- बलियापुर उप स्वास्थ्य केंद्र में एक्सपायर दवाइयां जलायी
- प्रभारी ने गठित की जांच टीम, दिए जांच के आदेश

एक तरफ सरकारी अस्पतालों में दवाइयां नहीं होने का रोना रोया जाता है, तो दूसरी तरफ मरीजों को निःशुल्क दी जाने वाली दवाइयां रखे-रखे एक्सपायर हो जा रही हैं. इन दवाइयों के एक्सपायर होने के बाद सबूत मिटाने के लिए जला तक दिए जा रहे हैं. ऐसा गंभीर मामला बलियापुर प्रखंड के उप स्वास्थ्य केंद्र, सलपतरा का है, जहां कैल्शियम, आयरन, गर्भ निरोधक गोली, छाया टैबलेट समेत कई दवाइयां एक्सपायर हो गई हैं. इन दवाओं को जला देने की बात सामने आयी है. मामले को लेकर बलियापुर प्रभारी डॉ. राहुल कुमार से बात भी बात की गई. उन्होंने बताया कि यह दवाइयां कोरोना संक्रमण काल की हैं. दवा एक्सपायर होने को लेकर जांच टीम गठित कर दी गयी है. चार सदस्यीय टीम मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी. रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी. यहां बता दें कि सरकार की तरफ से ये दवाइयां बांटने के लिए आती हैं, लेकिन इन्हें बांटने के बजाय रख दिया जाता है. बाद में जब ये दवाइयां एक्सपायर हो जाती हैं, तो फिर इन्हें नष्ट करने का काम किया जाता है.

सड़क दुर्घटना में झामुमो नेत्री की मौत, पति घायल

चांडिल। थाना क्षेत्र के भादुडीह के पास टाटा-रांची एनएच 33 पर शुक्रवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में झामुमो नेत्री की मौत हो गई, जबकि उनके पति घायल हो गए. मिली जानकारी के अनुसार, हारूडीह निवासी डॉ तारापद महतो अपनी पत्नी मल्लिका महतो के साथ जमशेदपुर जाने के लिए बाइक से निकले थे. एनएच पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन के धक्के से डॉ तारापद दूर जा गिरे, जबकि उनकी पत्नी के सिर पर वाहन का चक्का चढ़ गया.

टाटा स्टील के कर्मचारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता। जमशेदपुर

कदमा थाना क्षेत्र अंतर्गत गणेश पूजा मैदान के पास स्थित क्वार्टर में टाटा स्टील के कर्मचारी मनीष दास का शव फंदे से लटका पाया गया. जानकारी के मुताबिक, मनीष के परिजन एक शादी समारोह में शामिल होने पुणे गये हुए थे. इधर, क्वार्टर के बाहर कपड़ा बेचने वाले गोपाल ने पुलिस को घटना की सूचना दी. कदमा पुलिस ने दरवाजा तोड़ कर मनीष के शव को फंदे से उतारा. पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस के शव गृह में रखवा दिया है. इससे पूर्व पुलिस ने जब कमरे की तलाशी ली, तो कमरे से कई जली हुई सिगरेट भी बरामद हुई है. पुलिस ने एक डायरी भी जब्त की है, जिसमें कई सारी शायरी लिखी हुई है.

30 हजार घूस लेते ब्लॉक को-आर्डिनेटर गिरफ्तार

आरोपी ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर जयंत कुमार डे को ले जाती एसीबी की टीम.

संवाददाता। धनबाद

नपा घूसघोर

- पांच लाख रुपये भुगतान के एवज में मांगी थी रिश्वत
- ठेकेदार ने एसीबी से की थी शिकायत, रंगेहाथों धराया

धनबाद एसीबी की टीम ने शुक्रवार को बलियापुर ब्लॉक के को-ऑर्डिनेटर जयंत कुमार डे को 30स हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया. एसीबी की इस कार्रवाई से बलियापुर ब्लॉक में हड़कंप मच गया है. जयंत बलियापुर ब्लॉक के भिखराजपुर के ठेकेदार मो. इरशाद से पांच लाख रुपये का बिल पास करने के एवज में 30 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था, नहीं देने पर भुगतान रोक रखा था.

जानकारी के मुताबिक, ठेकेदार मो. इरशाद ने बलियापुर के गोलमारा, हरि मंदिर आदि क्षेत्र में पेवर्स ब्लॉक लगाने का कार्य किया था. ठेकेदार संबंधित कार्य का बिल पास कराने को लेकर लगातार कार्यालय का चक्कर लगा रहा था. लेकिन बिना रिश्वत के बिल पास नहीं किया जा रहा था. तब उसने मामले की लिखित शिकायत एसीबी से की. इसके बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर शुक्रवार को 30 हजार रुपये घूस की रकम के साथ जयंत कुमार डे को गिरफ्तार कर लिया. एसीबी की टीम उसे अपने साथ धनबाद ले गयी है. शनिवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा.

खबर का असर तालाब भरकर बनायी जा रही बहुमंजिली बिल्डिंग मामले में गम्हरिया सीओ ने की कड़ी कार्रवाई

रात में गुपचुप चल रहा था बिल्डिंग निर्माण कार्य, बंद कराया काम

संजीव मेहता। आदित्यपुर

आदित्यपुर मुख्य मार्ग पर एक तालाब को भर कर हो रहे बहुमंजिला बिल्डिंग निर्माण मामले में गम्हरिया अंचल अधिकारी अजय सिंह ने कड़ी कार्रवाई की है. यह कार्रवाई 'शुभम संदेश' समाचार पत्र में खबर प्रकाशित होने के बाद हुई है. गम्हरिया सीओ ने गुरुवार को अंचल के सीआई प्रमोद कुमार सिंह और कर्मचारी को भेज कर निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण कराया और तत्काल काम को बंद करवा दिया है.

जांच होने तक काम शुरू किया तो जाएंगे जेल : सीओ ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए चालू काम की वीडियोग्राफी भी करायी है और बिल्डर के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की बात भी कही है. उन्होंने मौके पर शिकायतकर्ता आरटीआई कार्यकर्ता प्रो. एसके महतो को भी बुला कर बात की और कागजातों को मांग कर जांच की है. प्रथमदृष्टया तालाब की जमीन दिंदली बस्ती निवासी काशीनाथ महतो की निकली है, जो सीएनटी नेचर की हैं. सीओ ने निर्माण कार्य को तत्काल बंद करने की चेतावनी देते हुए बिल्डर सौरभ अग्रवाल से कहा है कि जांच होने तक काम शुरू किये, तो जेल भेज देंगे. सीओ की त्वरित कार्रवाई से तालाब भर कर आसपास बनाये गये अपार्टमेंट्स के बिल्डरों में हड़कंप मच गया है.

तालाब भर कर बनाये गये हैं दर्जनों अपार्टमेंट

बता दें कि आदित्यपुर में ऐसे दर्जनों अपार्टमेंट बने हैं, जो स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से तालाब को भरकर बनाये गये हैं. जिला प्रशासन की रोक के बावजूद आदित्यपुर में मुख्य मार्ग के किनारे गुपचुप तरीके से रात के अंधेरे में तालाब को भर कर बहुमंजिला बिल्डिंग का निर्माण कार्य महीने भर से किया जा रहा था, जबकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत इस पर रोक लगी हुई है. इस संबंध में आरटीआई कार्यकर्ता प्रो. सुरेंद्र कुमार महतो ने स्थानीय प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाया था. उन्होंने बताया कि वे इसकी शिकायत झारखंड सरकार के मुख्य सचिव, कोल्हान आयुक्त और उपायुक्त से कर चुके हैं. अपनी शिकायत में आरटीआई कार्यकर्ता ने कहा है कि सिटी रेसीडेंसी प्राइवेट लिमिटेड के प्रोपराइटर सौरभ अग्रवाल द्वारा आदित्यपुर के शेरे पंजाब चौक स्थित स्वर्ण रेखा भवन के ठीक उत्तर की ओर मुख्य सड़क के सटे लोकनाथ कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग ओर सुमन टावर के बीचोंबीच तालाब की भूमि को भरकर बिल्डिंग बनाया जा रहा है.

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का उल्लंघन

इस बड़े भूखंड पर एक बड़े जी प्लस 15 तल्ले का आवासीय सह व्यावसायिक भवन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है. प्रो. सुरेंद्र कुमार महतो ने बताया कि उनकी शिकायत पर कुछ दिनों तक इसका निर्माण कार्य बंद था. लेकिन करीब एक महीने से फिर से जेसीबी एवं अन्य मशीनारियों तथा मजदूरों के सहारे निर्माण कार्य फिर से शुरू कर दिया गया था. उन्होंने कहा कि तालाब की भूमि को भरकर उसपर निर्मान कार्य करना, माननीय सुप्रीम कोर्ट के उस निर्णय (सिविल अपील नंबर 4787/2001 हिंच लाल तिवारी वर्सेस कमला देवी व अन्य) का उल्लंघन है. साथ ही सीएनटी एक्ट 1908 की धारा 46 (ए) का भी उल्लंघन है. क्योंकि यह भूमि सीएनटी नेचर की है.

ब्रीफ खबरें

राहगीरों के बीच शरबत का वितरण

मैथन। डीवीसी मैथन के सीआईएसएफ यूनिट ने शुक्रवार को संरक्षिका कार्यक्रम के तहत पोस्ट ऑफिस चौक के समीप स्थित बैरक एक के सामने राहगीरों के बीच शरबत का वितरण किया. सीआईएसएफ बल सदस्यों द्वारा उप कमांडेंट अनिल कुमार के नेतृत्व में सीआईएसएफ बैरक -01 के सामने राहगीरों को शरबत पिलाया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में उपनिरीक्षक महेंद्र मांडा, अरविंद कुमार, सहायक उपनिरीक्षक अनंत ठाकुर, आरक्षी गुरविंदर सिंह, पीके पांडेय, वीके कौशिक, दिनेश अत्रि का मुख्य योगदान रहा.

शत-प्रतिशत मतदान की ली गई शपथ

टकी। पीबी एरिया के सभागार में अधिकारी व श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान करने की शपथ ली. मतदाता जागरूकता मंच की से आयोजित कार्यक्रम में लोगों से देश को मजबूत करने के लिए मतदान जरूर करने की भी अपील की गई. पीबी एरिया द्वारा 20 मतदान केंद्रों को आवश्यक सुविधाओं से परिपूर्ण किया जा रहा है. कार्यक्रम में एएम, आरके शर्मा, एपीएम जगदीश कर्मकार, एरिया एडमिस्ट्रेशन डीके सिंह, वाईके बिरुली, गौरव सिंह, सुशील कुमार सिन्हा, सपना, विनय कुमार, समीर कुमार आदि मौजूद थे.

दो बच्चों की मां प्रेमी के साथ हुई फरार

मैथन। कुमारधुबी ओपी क्षेत्र में दो बच्चों की मां (30) एक युवक (19) के साथ भाग गयी है. घटना गुरुवार की है. शिवलीबाड़ी मुण्डाधौड़ा निवासी एक महिला का पास के ही एक युवक से प्रेम संबंध था. महिला का पति एक मामले में दस दिन से धनबाद जेल में है, जिसका फायदा उठाते हुए महिला बच्चों के साथ भाग गयी. इस संबंध में युवक के पिता ने कुमारधुबी ओपी में लिखित शिकायत दी है.

भाइयों ने तलाकशुदा बहन की पिटाई की

मैथन। कुमारधुबी क्षेत्र के शिवलीबाड़ी में तलाकशुदा एक महिला की उसके सगे दो भाई, भाभी एवं बहन ने बुरी तरह पिटाई कर दी. आरोप है कि मुंह में कपड़ा ठूंसकर कमरे में बंद कर रातभर पिटाई की. वह धनबाद मेडिकल अस्पताल में भर्ती हैं. स्थानीय लोगों ने महिला को बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया है. घटना 23 अप्रैल की देर रात की है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू

धनबाद। लोकसभा चुनाव त्रुटि रहित संपन्न कराने के लिए धनबाद शहर के एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय, पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज व गुरुनानक कॉलेज में शुक्रवार से तृतीय मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू हुआ. इस दौरान तृतीय मतदान पदाधिकारियों को मतदाता पर्ची का संग्रहण, ईवीएम में कंट्रोल यूनिट के बैलेट बटन को प्रेस कर मतदाता को वोटिंग करने के लिए भेजना सहित अन्य बिंदुओं पर जानकारी दी गई. प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी डीसीएलआर संतोष गुप्ता ने बताया कि उन्हें ईवीएम को अनबॉक्स करना, वोटर फैसिलिटेशन पोस्टर का बूथ बाहर प्रदर्शन करना, लेआउट बनाना, ईवीएम के एड्रेस टैग को सील करना, मतदान समाप्ति के बाद ईवीएम को बॉक्स में भर कर एड्रेस टैग लगाना सहित अन्य बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा.

कोल शॉर्टेज से बीसीसीएल को 46.39 करोड़ रुपये के नुकसान का मामला

बीसीसीएल के पूर्व जीएम विजिलेंस की हुई गवाही

संवाददाता। धनबाद

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के बस्ताकोला क्षेत्र के कुइया उत्खनन परियोजना में हुए लाखों मिट्रिक टन कोल शॉर्टेज मामले की सुनवाई शुक्रवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश रजनीकांत पाठक की अदालत में हुई. अभियोजन की ओर से सीबीआई ने बीसीसीएल के तत्कालीन जीएम विजिलेंस इंचार्ज डीके चंद्राकर की गवाही कराई जो अंत तक पूरा नहीं हो सकी. अदालत ने साक्ष्य के लिए अगली तारीख 2 मई निर्धारित कर दी. सुनवाई के दौरान बस्ताकोला क्षेत्र के पूर्व महाप्रबंधक आरयू पांडेय गैर हाजिर थे. उनकी ओर से उनके अधिवक्ता ने प्रतिनिधित्व आवेदन दायर किया था, जबकि पूर्व वरीय सर्वे ऑफिसर अरविंद घोष, पूर्व एरिया सर्वे ऑफिसर सरित सुधा सरकार, केओसीपी के पूर्व परियोजना पदाधिकारी शंभू दयाल धुर्वा व प्रबंधक किशोर यादव उपस्थित थे. उनकी ओर से उनके अधिवक्ता ने पैरवी की.

ये है मामला : सीबीआई व विजिलेंस की संयुक्त टीम ने कुईया उत्खनन परियोजना के कोयले का बुक स्टॉक की जांच की थी. जांच के दौरान वर्ष 2009 से 2011 की अवधि में कुईया उत्खनन परियोजना में 4 लाख 24 हजार 689 मिट्रिक टन कोल शॉर्टेज था, जिससे बीसीसीएल को 46 करोड़ 39 लाख 76 हजार 979 रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ था. बता दें कि सीबीआई ने अनुसंधान के उपरांत 6 मई 2016 को उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दायर की थी.

सीबीआई ने मोबाइल चोरी के केस में दायर किया प्रति उत्तर

जज हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहा आरोपी

- सीबीआई ने राहुल के विरुद्ध 27 अक्टूबर 2021 को आरोप पत्र दायर किया था

संवाददाता। धनबाद

जज हत्याकांड में उम्र कैद की सजा काट रहे आरोपी राहुल कुमार वर्मा के विरुद्ध दर्ज मोबाइल चोरी के मामले की सुनवाई शुक्रवार को अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी पूनम कुमारी की अदालत में हुई. राहुल के बंदी आवेदन पर लीगल एंड डिफेंस काउंसिल ने आवेदन दायर कर राहुल को जुवेनाइल घोषित करने का आग्रह किया था. इस पर शुक्रवार को सीबीआई ने प्रति उत्तर दाखिल किया. अदालत ने सीबीआई को गवाह पेश करने का आदेश देते हुए सुनवाई की अगली तारीख 10 मई निर्धारित कर दी. सीबीआई ने राहुल के विरुद्ध हत्या के अलावे ऑटो चोरी एवं मोबाइल चोरी अलग एफआईआर 7 सितंबर 2021 को दर्ज की थी. सीबीआई ने राहुल के विरुद्ध 27 अक्टूबर 2021 को आरोप पत्र दायर किया था. 24 नवंबर 2021 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी.

टुंडी प्रखंड में 34 बूथ नक्सल प्रभावित, अतिरिक्त बल रहेंगे तैनात

नक्सल प्रभावित मतदान केंद्रों में थ्री लेयर सुरक्षा

- सीआरपीएफ के साथ लोकल थाने की गश्ती पार्टी को भी पैनी नजर रखने की जिम्मेवारी

संवाददाता। धनबाद

धनबाद में लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन किसी तरह की कोताही नहीं करना चाहता. हर बिंदु पर सिलसिले वार तरीके से समीक्षा की जा रही है और संबंधित मसलों के निदान के उपाय भी किए जा रहे हैं. टुंडी इलाके के तीन दर्जन बूथों को फिलहाल नक्सल प्रभावित माना गया है. इसके तहत यहां सुरक्षा का इंतजाम पुख्ता होगा. इन बूथों में थ्री लेयर सुरक्षा करने की प्लानिंग हो रही है. इसके तहत सीआरपीएफ और जिला पुलिस दोनों को इन बूथों पर लगाया जाएगा. सिर्फ टुंडी ही नहीं अन्य स्थानों के संवदेनशील बूथों के लिए भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे. इसको लेकर रणनीति तैयार हो रही है.

टुंडी प्रखंड के 17 पंचायत के 89 चुनावी बुथों में 34 बूथ नक्सल प्रभावित चिन्हित किए गए हैं. इन नक्सल प्रभावित इलाकों में सर्रा प्राथमिक विद्यालय उतरी भाग, सर्रा प्राथमिक विद्यालय दक्षिण भाग, डंडाटांड़ उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नवाटांड मध्य विद्यालय, जांताखूंटी उमवि पूरब भाग, जांताखूंटी मध्य विद्यालय पश्चिम भाग, भुसकी प्राथमिक विद्यालय उर्दू, चरकखुर्द प्राथमिक विद्यालय, मछियारा मध्य विद्यालय, झिनाकी उमवि, विशनपुर उमवि उत्तर भाग, विशनपुर उमवि पश्चिम भाग, झिनाकी पंचायत भवन, भेलवई नया प्राथमिक विद्यालय,बांधडीह उमवि, मनियाडीह मवि पूरब भाग, मनियाडीह मवि पश्चिम भाग, शीतलपुर प्राथमिक विद्यालय, पलमा मवि, जीतपुर उमवि, पारसबनी नया प्राथमिक विद्यालय, नवादा उमवि, कारीटांड़ प्राथमिक विद्यालय, ठेठाटांड़ उमवि, कोलाहीर उमवि, लुकैया उमवि, दोमुंडा उमवि, बेगनोरिया उमवि,चुनुकडीहा उमवि, करमाटांड़ उर्दू उमवि, राजाभीठा प्राथमिक विद्यालय उत्तर भाग, कपासटांड़ नया प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं. इन बूथों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के लिए प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी. सूत्रों की मानें तो इन बूथों में सीआरपीएफ की तैनाती रहेगी. सीआरपीएफ के जवान मतदान होने से पहले ही यहां पहुंच जाएंगे और सुरक्षा की कमान संभाल लेंगे. मतदान के बाद मतदान कर्मियों के साथ वापस लौटेंगे. इनके अलावा थाना की गश्ती पार्टी को इन बूथों के ही आसपास गश्ती करने को कहा जाएगा. गश्ती पार्टी के अलावा जिलास्तर की क्विक रिस्पांस टीम और रिजर्व फोर्स को भी इन बूथों की विशेष निगरानी में लगाया जाएगा. किसी भी सूचना पर इन बूथों तक तत्काल पहुंचने के लिए रास्ते बनाए जाएंगे, ताकि समय रहते यहां किसी भी परिस्थिति से निपटा जा सके.

टुंडी का लगातार हो रहा भ्रमण

यहां बता दें कि टुंडी में मतदान को चुनौती मानते हुए पुलिस कप्तान एचपी जनार्दनन लगातार इन इलाकों का दौरा कर रहे हैं. यहां के लोगों से मुलाकात कर ग्रामीणों में पुलिस की छवि को लगातार बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं. अब तक एसएसपी ने आधा दर्जन से अधिक टुंडी के नक्सल व घोर नक्सल प्रभावित स्थलों का दौरा किया है. जवानों के आवासन व्यवस्था को भी काफी बारीकी से देख रहे हैं. एसएसपी यहां के लोगों से मिल रहे हैं, बच्चों और युवाओं से मुलाकात कर भरोसा बना रहे हैं.

उपायुक्त ने त्रुटि रहित चुनाव का दिया निर्देश

संवाददाता। धनबाद

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने धनबाद लोकसभा क्षेत्र के बोकारो एवं चंदनकियारी विधानसभा में त्रुटि रहित चुनाव संपन्न करने के लिए दोनों विधानसभा के एआरओ व एईआरओ के साथ बैठक की.

उपायुक्त ने दोनों एआरओ को विधानसभावार ईवीएम को अलग करने, समय पर ईवीएम की कमिश्निंग करने, ए.एस.डी. वोटर, वल्नेरेबल बूथ सहित अन्य की जांच करने, पोलिंग पार्टी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट को प्रशिक्षण देने, ईवीएम पर हैंड्स ऑन ट्रेनिंग लेने का निर्देश दिया. साथ ही चुनाव के दिन समय पर मॉक पोल करने, मॉक पोल संपन्न होने के बाद की प्रक्रिया का आयोग के निर्देशानुसार अक्षरशः पालन करने, मॉक पोल सर्टिफिकेट पर प्रीसाइडिंग ऑफिसर, माइक्रो ऑब्जर्वर तथा उम्मीदवार या उम्मीदवार के अधिकृत एजेंट का हस्ताक्षर अवश्य रूप से लेने, चुनाव संपन्न होने के बाद रूट प्लान के अनुसार व आयोग के निर्देशानुसार ईवीएम को स्ट्रांग रूम में पहुंचाने का निर्देश दिया. बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, डीआरडीए निदेशक राजीव रंजन, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, बोकारो के एआरओ ओम प्रकाश गुप्ता, चंदनकियारी के एआरओ प्रभात दत्ता, एईआरओ प्रदीप कुमार, सत्यबाला सिन्हा, दिवाकर दुबे, राजीव कुमार सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे.

वोटर कार्ड और अन्य 11 दस्तावेज के साथ कर सकते हैं मतदान

धनबाद। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता अपने वोटर आईडी कार्ड के अलावा अन्य 11 दस्तावेज के साथ मतदान कर सकते हैं. मतदान करने के लिए पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, केंद्र/राज्य सरकार/पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग या पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा जारी सर्विस आइडेंटी कार्ड, बैंक या पोस्ट ऑफिस पासबुक, पैन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम मंत्रालय द्वारा जारी हेल्थ इंश्योरेंस स्मार्ट कार्ड, फोटो युक्त पेंशन दस्तावेज, सांसद/ विधायक/विधान परिषद सदस्य द्वारा जारी अधिकृत पहचान पत्र, आधार कार्ड तथा भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त (आरजीआई) द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड से मतदान कर सकते हैं.

वासेपुर के मरीज की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा

संवाददाता। धनसार

वासेपुर के एक 58 वर्षीय मो.आरिफ की मौत के बाद जोड़ाफाटक रोड स्थित शक्ति नर्सिंग होम में गुरुवार की देर रात जमकर हंगामा हुआ. परिजनों का आरोप था कि अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सक की लापरवाही से उसके मरीज की मौत हुई है. हंगामा की खबर पाकर धनसार, बैंक मोड़ व धनबाद की पुलिस अस्पताल पहुंची और मरीज के परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया. इसके बाद परिजन शव को अपने घर ले गए. मामले को लेकर दोनों में से किसी पक्ष ने थाने में शिकायत नहीं की है. परिजनों ने बताया कि आरिफ की अचानक गुरुवार की रात तबीयत खराब हो गई थी. जहां उसके घर वालों ने डॉ. अरविंद सिंह के पास इलाज के लिए ले गए. चिकित्सक ने उसे फिलहाल शक्ति नर्सिंग होम मे भर्ती कराने को कहा, जहां उसे इस नर्सिंग होम में लाया गया. इसके बाद घर वाले दवा लाने के लिए चले गए. आरिफ के घर वालों का आरोप है कि जब वेलोग दवा लाने के लिए गए तो अस्पताल प्रबंधन ने आरिफ को रेफर की बात कहते हुए अस्पताल से निकाल दिया. बाहर में आक्सीजन नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई. एक घंटा तक इस विवाद पर हंगामा हुआ. चिकित्सक अरविंद सिंह का कहना है कि मरीज को हार्ट अटैक आया था. इसलिए उसकी मौत हुई है.

मुखिया के नेतृत्व में कई लोगों ने थामा जनता दल-यू का दामन

संवाददाता। कतरास

श्यामडीह मोड़ स्थित यूथ फोर्स प्रधान कार्यालय में जदयू का मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह उपस्थित हुए. इस दौरान टुंडी विधानसभा क्षेत्र के मतारी पंचायत मुखिया प्रतिनिधि पंचानंद रजवार के साथ कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जदयू का दामन थामा. दीप नारायण सिंह ने पार्टी में शामिल होने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को सदस्यता रसीद देकर पार्टी में शामिल किया. इस मौके पर सिंह ने कहा कि टुंडी विधानसभा में लगातार सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जदयू से जुड़ रहे हैं. इससे पार्टी मजबूत होगी और लोकसभा चुनाव में एनडीए को लाभ होगा. पार्टी में शामिल होने वालों में मतारी निवासी पुरन रजवार, मो. फिरोज अंसारी, जिएलगढ़ा निवासी रोहन महतो, शक्तिपुर निवासी अशोक कुमार गोप, अमित गोप, उत्तम गोप, सोंरीयाटांड निवासी बद्री सिंह आदि शामिल हैं. मौके पर जदयू बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष गोपाल चंद्र गोप, पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह, जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला महासचिव अशोक कुमार दास, महेंद्र दास, तारा बाबू, आनंद गोप, प्रिंस कुमार, काली चरण कुम्हार आदि उपस्थित थे.

ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की मौत

अवैध मिट्टी लेकर जा रहा था ट्रैक्टर, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

संवाददाता। बरोरा

बरोरा थाना क्षेत्र की दरीदा पंचायत के पोचरी बस्ती मध्य विद्यालय नीचे टोला के समीप तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से पोचरी बस्ती निवासी मेघनाथ राय (32) की मौत हो गई. घटना शुक्रवार की दोपहर 1 बजे की बताई जाती है. मेघनाथ को धक्का मारने के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया. स्थानीय लोगों की मदद से परिजन आनन-फानन में मेघनाथ को हॉस्पिटल ले गये, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. ट्रैक्टर खोनाठी निवासी अजय साव नामक व्यक्ति का बताया जा रहा है. ट्रैक्टर अवैध मिट्टी लेकर ईंट भट्ठा ले जा रहा था. सूचना पाकर बरोरा पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से जानकारी लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घटना के बाद से ही मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है. मृतक के दो पुत्र हैं 8 साल एवं 5 साल के हैं. मृतक घर का एकलौता कमाऊ सदस्य था. उसी की मेहनत मजदूरी से परिवार का भरण-पोषण हुआ करता था. बताया जाता है कि इन दिनों इलाके में अवैध मिट्टी का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है. सरकारी व गौचर भूमि से मिट्टी खनन कर धंधेबाज अवैध ईंट भट्ठे में मिट्टी बेच कर मोटी कमाई करते हैं.

धनबाद में ईवीएम की विधानसभावार हुई छंटनी

धनबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को कोहिनूर मैदान स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया. चुनाव आयोग के निर्देशानुसार ईवीएम के प्रथम रेंडमाइजेशन के बाद वेयरहाउस में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की विधानसभावार छंटनी की जा रही है. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने इसका निरीक्षण करते हुए बारीकी से ईवीएम के सीरियल नंबर का मिलान कर विधानसभावार बनाए गए स्थान पर रखने का निर्देश दिया. मौके पर अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज़ अहमद, सहायक श्रमायुक्त रंजीत कुमार आदि मौजूद थे.जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को कोहिनूर मैदान स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया. चुनाव आयोग के निर्देशानुसार ईवीएम के प्रथम रेंडमाइजेशन के बाद वेयरहाउस में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की विधानसभावार छंटनी की जा रही है. मौके पर अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज़ अहमद, सहायक श्रमायुक्त रंजीत कुमार आदि मौजूद थे.

दोष मुक्ति के लिए एसएसपी से फरियाद

संवाददाता। पुटकी

लोयाबाद के एकडा निवासी दिनेश रवानी ने धनबाद के एसएसपी को आवेदन देकर केंदुआडीह थाना कांड संख्या 42/24 की जांच कर दोष मुक्त करने की मांग की है. आवेदन में कहा कि सुजीत केवट ने 23 अप्रैल को हुई घटना में भाई राजेश रवानी के साथ केंदुआडीह थाना में झूठा व मनगढंत केस दर्ज कराया है. उस घटना से दोनों भाइयों का कुछ भी लेना देना नहीं है. घटना के समय दोनों भाई एकडा स्थित घर पर थे. इसका प्रमाण सीसीटीवी फुटेज में उपलब्ध है. दिनेश ने स्पीड पोस्ट के माध्यम से एसएसपी को आवेदन भेज कर मामले की जांच कराकर दोनों भाइयों को दोष मुक्त करने की मांग की है. बताते चलें कि करकेंद मोड़ पर सुजीत केवट को वासुदेवपूर 14 नम्बर के सुनील राय व अन्य युवकों ने अपहरण कर जमकर पिटाई करते हुए हाथ पैर तोड़कर फेंक दिया था. सुजीत की कमर में एक कट्टा भी खोंस दिया था. पुलिस ने उक्त कट्टा को बरामद कर सुजीत पर आर्म्स एक्ट के केस दर्ज कर लिया था, जबकि सुजीत के बयान पर आठ युवक को नामजद व 10 अज्ञात पर कांड अंकित किया गया है.

लेनदेन को लेकर वासेपुर में दो पक्षों के बीच मारपीट

धनबाद। धनबाद के बैंक मोड़ थाना के वासेपुर में लेनदेन को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई. विवाद में एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हुआ है, जबकि कई अन्य भी घायल हैं. गंभीर रूप से जख्मी का इलाज एसएनएमएमसीएच में चल रहा है. विवाद को सूदखोरी से भी जोड़ा जा रहा है. पीड़ित परिवार ने बैंक मोड़ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. बताते हैं कि धनबाद के आजाद नगर भूली के रहने वाले शाहबजान मियां वासेपुर आरा मोड़ निवासी ने इरफान उर्फ सोनू नामक व्यक्ति से 90 हजार रुपये उधार लिया था. शाहबजान के मुताबिक उसने एक महीन के बाद इरफान को सूद समेत एक लाख रुपए वापस कर दिया था. लेकिन इरफान उर्फ सोनू ने शहाबजान से दो लाख रुपये और देने की बात कही. इस पर शाहबजान ने एतराज जताया, जिसके बाद गुस्से में आए इरफान उर्फ सोनू ने पहले शाहबजान के पुत्र से बाइक छीन ली और फिर शाहबजान पर हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया.

लोस चुनाव जलेश्वर के दिल्ली तलब से गठबंधन में कई तरह के कयास

दौड़ में शामिल होने से पहले 'इंडिया' घायल

अमित सिन्हा। धनबाद

धनबाद लोकसभा में इंडिया गठबंधन की हालत दौड़ से पहले ही घायल होने जैसी हो गई है. एक तरफ लगातार कांग्रेस की संभावित प्रत्याशी अनुपमा सिंह को लेकर विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो को अचानक दिल्ली तलब किये जाने से कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. नाम न बताने की शर्त पर एक समर्थक ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बुलावे पर गुरुवार को राजधानी एक्सप्रेस से जलेश्वर महतो दिल्ली रवाना हुए हैं. जलेश्वर खेमे का अनुमान है कि अनुपमा सिंह का टिकट काट कर जलेश्वर महतो को टिकट मिलने की प्रबल संभावना है. जलेश्वर महतो के दिल्ली जाने की खबर से उनके समर्थकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है. जो भी हो शनिवार तक पिक्चर साफ हो जाने की उम्मीद है. मालूम हो कि शुक्रवार की शाम को रणधीर वर्मा चौक पर असंतुष्ट कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं प्रभारी गुलाम अहमद मीर का पुतला दहन किया. इनका कहना है कि धनबाद से बाहर के किसी को टिकट क्यों? हालांकि तकनीकी तौर पर देखा जाए तो अनुपमा सिंह बेरमो, बोकारो कोयलांचल से आती हैं, जो धनबाद लोकसभा का ही हिस्सा है. भाजपा प्रत्याशी की घोषणा के करीब तीन सप्ताह बाद कांग्रेस द्वारा प्रत्याशी की घोषणा किये जाने के बावजूद उथल पुथल की स्थिति बनी हुई है.

उम्मीदवार का स्वजातीय को ज्यादा तवज्जो देना भी बन रहा विरोध का कारण

धनबाद की कांग्रेस उम्मीदवार अनुपमा सिंह एवं उनके पति विधायक अनूप सिंह के स्वजातीय को ज्यादा तवज्जो देना विरोध का कारण बनता जा रहा है. इस पर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं. धनबाद में आशीर्वाद लेने का सिलसिला चला तो कुंती निवास, रघुकुल, रणविजय सिंह, राजीव रंजन देव, ब्रजेंद्र सिंह सहित कई और राजपूत परिवारों का रुख किया गया, लेकिन यह रणनीति अन्य कांग्रेसी पसंद नहीं कर रहे हैं.

रॉयल रूटस प्ले स्कूल मुफ्त में देगा बच्चों को मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग

महुदा। रॉयल रूटस प्ले स्कूल महुदा के प्राचार्य अमित कुमार पाठक ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि रॉयल रूटस प्ले स्कूल सहित इस क्षेत्र के किसी भी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग मुफ्त में सप्ताह में दो दिन देने की व्यवस्था की जा रही है. यह ट्रेनिंग आने वाले सोमवार से रेलवे मैदान, महुदा बाजार में शाम 5 बजे से 6 बजे तक संचालित होगी. यह ट्रेनिंग छात्र-छात्राओं दोनों के लिए एक साथ स्कूल के मार्शल आर्ट्स के मास्टर ट्रेनर द्वारा संचालित जायेगी. यह ट्रेनिंग साल के 12 महीने मुफ्त में संचालित होगी. इसका आयोजन रॉयल रूटस उत्थान कर रहा है. बालक और बालिका दोनों ही वर्ग को आत्मरक्षा करने की कला को विकसित करना ही लक्ष्य है.

अनुपमा की जीत के लिए पुटकी में सभा

संवाददाता। पुटकी

इंडिया गठबंधन के धनबाद लोकसभा की कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह की जीत सुनिश्चित करने को लेकर केंदुआ व पुटकी में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की सभा हुई.बेरमो विधायक जय मंगल सिंह ने कि कहा कि लोकसभा का सर्वांगीण विकास एवं भय मुक्त धनबाद बनाने को लेकर हैं. देश की जनता त्रस्त, परेशान और हतोत्साहित हैं. महंगाई व बेरोजगारी चरम पर हैं. लोग आर्थिक संकटों से जूझ रहे हैं. जनता मोदी सरकार की चाल,चेहरा और चरित्र को समझ चुकी हैं. चुनाव में जनता भाजपा को धनबाद लोकसभा से उखाड़ फेंकेगी. कहा कि चुनाव में भाजपा ने गलत प्रत्याशी उतारा है. जिन पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज है. वैसे लोगो को जनता इस बार उखाड़ फेंकने का कार्य करेंगी. सभा को जिला अध्यक्ष सन्तोष सिंह, ब्रजेन्द्र प्रसाद सिंह ने संबोधित किया. केंदुआ में अध्यक्षता जय प्रकाश चौहान व संचालन अन्नू पासवान ने किया. यहां अजय रवानी, भुवानिया, लक्ष्मण तिवारी, प्रभाकर नोनिया, विजय पासवान विक्रम पासवान, मो. शमशेर विशाल रावत, राजीव झा, मो. कैफ, राजीव झा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे.

जनसंपर्क अभियान के दौरान कांग्रेस पार्टी के नेता व कार्यकर्ता.

ब्रीफ खबरें

रंगदारी मांगने के आरोप में तीन गिरफ्तार

देवघर। कॉस्टरटाउन बैद्यनाथ धाम स्टेशन के पास कुछ युवकों के द्वारा हथियार दिखाकर रंगदारी मांगे जाने के मामले को लेकर देवघर पुलिस ने छापेमारी की और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया. उनके पास से एक देसी पिस्टल व छह जिंदा कारतूस पुलिस ने बरामद किया. देवघर एसडीपीओ ऋत्विक श्रीवास्तव ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि गुप्त सूचना के आधार पर कास्टरटाउन अमर धाम बैद्यनाथ धाम स्टेशन के समीप कुछ युवकों के द्वारा पिस्टल दिखाकर व्यवसाई, ठेकेदार, दुकानदार व कारोबारी से रंगदारी की मांग की जा रही है. जिसे लेकर टीम गठित कर कार्रवाई की गई.

मनाई गई समाजसेवी शंकरलाल की पुण्यतिथि

बोकारो। कसमार प्रखंड के बगदा में शुक्रवार को दिवंगत समाजसेवी एवं पत्रकार रमेश चंचल के पिता स्वर्गीय शंकरलाल कपरदार की तीसरी पुण्यतिथि उनके आवास पर मनाई गई. इस दौरान उपस्थित परिजनों एवं ग्रामीणों ने स्वर्गीय कपरदार की तस्वीर पर पुष्प माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. मौके पर वक्ताओं ने उनके सामाजिक कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि वह अपने नेक कार्यों की वजह से हमेशा लोगों के दिलों में बसे रहेंगे. वक्ताओं ने कहा कि वह सामाजिक कार्यों में लगे रहते थे.

बिहार में चुनाव को लेकर गोड्डा पुलिस मुस्तैद

गोड्डा। जिले की सीमा से लगनेवाले बिहार राज्य के दो जिलों भागलपुर एवं बांका में चुनाव को लेकर गोड्डा जिला की पुलिस अलर्ट मोड पर रही. गोड्डा जिले के आधा दर्जन थानों की सीमा बिहार राज्य के बांका एवं भागलपुर जिला की सीमा से लगती है. चुनाव को लेकर पूर्व में ही इन सीमावर्ती क्षेत्रों को बंद कर दिया गया था. दूसरे राज्य में प्रवेश ना हो पाए इसके लिए बड़े वाहनों को दिनभर के लिए नो इंट्री लगा दिया गया था. जबकि छोटे वाहनों को पूरी तरह से चेकिंग करने के बाद ही प्रवेश करने दिया जा रहा था.

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने वृद्धा को रौंदा, मौत

महगामा। मिट्टी लेकर जा रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने वृद्धा को कुचल दिया. जिससे मौके पर ही वृद्धा की मौत हो गई. घटना महगामा माल खदहरा के पास की है. दोपहर करीब ग्यारह बजे मिट्टी लोड ट्रैक्टर तेज रफ्तार से जा रही थी. इसी क्रम में सड़क के किनारे खड़ी वृद्ध महिला को कुचलते हुए निकल गई. घटना के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर ने अपनी गाड़ी को तेजी से भगाने लगा और आगे जाकर अनियंत्रित होकर एक बाइक को धक्का देते हुए चाय दुकान में जा घुसा. संयोग अच्छा था कि घटना के वक्त दुकान बंद था, अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी.

अंग्रेजी शराब के साथ दो लोग गिरफ्तार

गिरिडीह। पुलिस ने सात पेटी अंग्रेजी शराब व बियर के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट सरौन मोड़ देवरी थाना, गिरिडीह के पास वाहन जांच के क्रम में एफएसटी टीम के द्वारा एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर अवैध रूप से लदे सात पेटी अंग्रेजी शराब एवं बियर की बोतलों को बरामद कर जब्त किया गया. कुल 144 शराब की बोतल जब्त किया गया. शराब की अवैध रूप से तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को रंगे हाथ पकड़ा गया. जिसमें कई कंपनियों के शराब मिले.

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गांडेय में लेद हटिया मैदान में जनसभा को संबोधित किया

इंडी गठबंधन के लोग विकास विरोधी : बाबूलाल

संवाददाता। गांडेय

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गांडेय स्थित लेद हटिया मैदान में जनसभा को संबोधित किया. यहां उन्होंने जनता से कोडरमा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी और गांडेय उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दिलीप वर्मा को वोट देने की अपील की. उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन के लोग झारखंड और विकास विरोधी हैं. झारखंड अलग राज्य की लड़ाई देश आजाद होने के समय से चल रहा था. कांग्रेस 50-60 साल तक सत्ता में रही, लेकिन झारखंड अलग राज्य का निर्माण नहीं किया. झारखंड अलग राज्य के लिए आंदोलन करने वालों को खरीद लिया. फिर उन्हें जेल भेज दिया, लेकिन झारखंड राज्य नहीं बनाया. भाजपा की सरकार बनने के बाद झारखंड अलग राज्य का निर्माण हुआ. भाजपा जो करती है, वह करती है. बाबूलाल ने कहा कि मोदी सरकार में भारत की जय-जयकार पूरी दुनिया में हो रही है. देश की जय-जयकार तभी होगी जब नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे. प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित और समृद्ध भारत बनाएंगे. प्रधानमंत्री की सोच है की हर व्यक्ति को भोजन मिलना चाहिए. बीमार होने पर उनका बेहतर इलाज होना चाहिए. कहा कि 2014 से पहले आतंकवादी हमले देश पर होते थे. तब केंद्र सरकार कभी अमेरिका जाती थी, कभी यूएनओ जाती थी. कहती थी कि हमारे यहां बम विस्फोट हो गया है. पूरी दुनिया भारत पर हंसती थी. 2014 में जब नरेंद्र मोदी की सरकार बनी, तब उन्होंने कहा कि बाहर से एक भी आतंकवादी अगर यहां हमला करेगा तो उसे घुसकर मारेंगे. जब देश में एक दो घटना हुई तब सेना के जवानों ने घुसकर मारा. इसके बाद इंडी गठबंधन के लोग इसका सबूत मांगने लगे. यह लोग देश विरोधी हैं. उन्होंने कहा कि लोकसभा में एनडीए की प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी को फिर से रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाकर दिल्ली भेजना है. विधानसभा उपचुनाव में एनडीए प्रत्याशी दिलीप वर्मा को विजय बनाना है. दोनों ही बार कमल छाप पर वोट देना है. मरांडी ने कहा कि लोकसभा में जनता 5 साल के लिए सांसद का चुनाव करेगी. विधानसभा उपचुनाव में मात्र 5 महीने के लिए विधायक का चुनाव करेगी. विधानसभा के वर्तमान हालात के लिए झामुमो, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जिम्मेदार हैं. अपने जिसे विधायक बनाया था, उसे रिजाइन करा कर दिल्ली भेज दिया गया. दिल्ली भेजना ही था तो कल्पना सोरेन को भेज देते. 5 महीना में दो-दो बार चुनाव तो नहीं करना पड़ता, लेकिन उन लोगों की मंशा ठीक नहीं है.

बोले बाबूलाल

- बाबूलाल ने अन्नपूर्णा और दिलीप वर्मा के लिए मांगे वोट
- देश की जय-जयकार होगी जब मोदी फिर पीएम बनेंगे

प्रदेश की जनता बहुत ही समझदार है : निशिकांत

संवाददाता। पौडेयाहाट

भाजपा प्रत्याशी निशिकांत दुबे शुक्रवार को पौडेयाहाट विधानसभा अंतर्गत दांडे पहुंचे. वहां दूबे ने आम जनता को संबोधित किया. दुबे ने कहा कि ठबंधन को कोई उम्मीदवार नहीं मिल रहा था. इसलिए अपने प्रत्याशी को चुनने में उसे इतने दिन लग गए. अब जब एक बार फिर से ठोक पीटकर उसी प्रत्याशी को भेजा है जिसे जनता ने एक नहीं बल्कि चार बार नकार दिया है, तो क्या कहा जा सकता है. वैसे मुझे अपने कार्यों को भी गिनाने की कोई आवश्यकता नहीं है. जनता बहुत समझदार है. सबकुछ जानती है. कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश नित प्रतिदिन तरक्की के नए पायदान पर पहुंच रहा है. कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जिसमें अपना देश तरक्की नहीं कर रहा है. अंतरिक्ष से लेकर पाताल तक देश का डंका बज रहा है. उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है.

बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में था प्रशिक्षण कार्यक्रम

सेक्टर पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता। बोकारो

बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 02 सी स्थित बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के सफल संचालन को लेकर सेक्टर पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिय गया. प्रशिक्षण का जायजा जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त विजया जाधव ने लिया. मौके पर प्रशिक्षण कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी सौरव कुमार भुवानिया, नोडल पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, मीडिया कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी अविनाश कुमार समेत अन्य उपस्थित थे. विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं में सेक्टर पदाधिकारियों को जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा ईलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, वोटर वैरिफिएबल पेपर आडिट ट्रैल का प्रशिक्षण दिया गया. उन्हें कंट्रोल यूनिट (सीयू), बैलेट यूनिट (बीयू), वीवीपैट को कनेक्ट करने एवं संचालन, माक पोल, पेपर सिलिंग आदि की विस्तार से जानकारी दी गई. डीईओ सह डीसी समेत टीम के अन्य सदस्यों ने प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लेकर दिए जा रहे प्रशिक्षण का जायजा लिया. डीसी ने कहा कि सभी निर्वाचन आयोग द्वारा सेक्टर पदाधिकारियों के लिए उपलब्ध मैनुअल को पढ़ेंगे. गलती से भी किसी तरह की गलती की कोई गुंजाइश नहीं है. किसी भी कार्य का निष्पादन अपनी मनमर्जी से नहीं करना है. मैनुअल के अनुसार ही उसका निष्पादन होगा. उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उनके दायित्वों और जिम्मेदारियां से विस्तार से अवगत कराया. मौके पर सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने कहा कि आपके द्वारा की गयी एक चूक या कार्यों से संबंधित अपर्याप्त ज्ञान मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है. इसलिए आप सभी बेहद संजीदगी के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें. जो भी प्रश्न, जिज्ञासा हो,उसे प्रशिक्षकों से पूछ अभी ही स्पष्ट कर लें. मौके पर निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारियों के बीच पोस्टल बैलेट से मतदान को लेकर प्रपत्र 12 का वितरण किया गया. पोस्टल बैलेट कोषांग की नोडल पदाधिकारी शेजवलकर ने उन्हें विस्तृत जानकारी दी.

लिया जायजा

- प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी मौजूद थे
- पदाधिकारियों को वीवीपीएटी का प्रशिक्षण मिला
- पेपर सिलिंग की विस्तार से जानकारी दी गई

बोकारो परिसदन का डीसी ने किया निरीक्षण

बोकारो। बोकारो परिसदन का शुक्रवार को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी विजया जाधव ने निरीक्षण किया. मौके पर सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला नजारत उप समाहर्ता सदानंद महतो, प्रेक्षक कोषांग के समन्वय पदाधिकारी रवि कुमार सिंह, सहयोगी पदाधिकारी शक्ति कुमार, मीडिया कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी अविनाश कुमार समेत अन्य उपस्थित थे. डीसी सह डीईओ ने क्रमवार बोकारो परिसदन में चल रहे कार्यों का जायजा लिया. टीम ने परिसदन में संबंधित एजेंसी द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखा. परिसदन की साज सज्जा के लिए लगाए गए फोटो फ्रेम, पर्दों, गमलों आदि को एकरूपता के अनुरूप संबंधित एजेंसी को सुनिश्चित करने को कहा. वहीं, परिसदन के सभी कमरों, रसोई घर, फ्लोर एरिया आदि की नियमित साफ सफाई का निर्देश दिया. इस कार्य को निष्पादित कर रहे एजेंसी को बेहतर से कार्य, दायित्वों को निष्पादन करने को कहा. मौके पर उपस्थित जिला नजारत उप समाहर्ता को निगरानी करते हुए इसे सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया. प्रेक्षक कोषांग के समन्वय पदाधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त प्रेक्षकों के लिए कमरों का आवंटन, परिवहन, सुरक्षा आदि की व्यवस्था ससमय सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया.

बर्ड फ्लू को लेकर पशुपालन विभाग अलर्ट

संवाददाता। बोकारो

क्षेत्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र होटवार रांची में मुर्गियों की मृत्यु का मामला प्रकाश में आने के बाद उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला पशुपालन विभाग की टीम अलर्ट मोड पर है. जिले में अब तक बर्ड फ्लू को लेकर कोई मामला सामने नहीं आया है. विभाग द्वारा इसकी कड़ी निगरानी की जा रही है. जिला पशुपालन विभाग ने किसी भी स्थिति से निपटने को लेकर तैयारी कर ली है. विभाग द्वारा पशु चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की जिला एवं प्रखंड स्तरीय रैपिड रिस्पांस टीम व क्विक रिस्पांस टीम गठित कर लिया है. जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वार जिले के मुर्गी पालकों से अपील किया गया है कि अगर अचानक उनके यहां मुर्गियों की अचानक मौत होती है, तो वह अविलंब इसकी सूचना जिला एवं प्रखंड स्तरीय आरआरटीम एवं क्यूआरटीम को दें. जिला स्तरीय आरआर टीम क्यूआरटीम में अवर प्रमंडल पशुपालन पदाधिकारी तेनुघाट डा. विनय कुमार सिन्हा मोबाइल संख्या 9123494138, अवर प्रमंडल पशुपालन पदाधिकारी डा. पुष्पा कुमारी मोबाइल संख्या 8102771809, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी चास डा. अशोक कुमार मोबाइल संख्या 9973752779, पशुधन सहायक माडल अस्पताल चास विनोद कुमार दास मोबाइल संख्या 9693440204 है. इन नंबरों पर जिले के पशुपालक किसी भी सहायता के लिए संपर्क कर सकते हैं.

शस्त्र जमा नहीं करनेवाले 159 लोगों का लाइसेंस रद्द

संवाददाता। बोकारो

बोकारो जिला प्रशासन ने बार-बार आदेश जारी करने के बाद भी अपना लाइसेंसी हथियार जमा करने में लापरवाही बरतने वाले शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों पर बड़ी कार्रवाई की है. डीसीसह विजया जाधव ने शस्त्र जमा नहीं करने 159 लोगों का लाइसेंस रद्द कर दिया है. डीसी ने यह कार्रवाई जिला स्क्रिनिंग कमेटी की अनुशंसा पर की है. इस बाबत सभी संबंधित शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को जिला सामान्य शाखा से आदेश पत्र जारी किया गया है. आदेश पत्र में कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार लोकसभा शांतिपूर्ण, भयमुक्त व स्वच्छ वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिले के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को अपना शस्त्र संबंधित थाना, पुलिस केंद्र या शस्त्र दुकान में जमा करने का निर्देश दिया गया था. बार-बार रिमाइंडर के बावजूद लोगों ने शस्त्र जमा नहीं किया. डीसी ने बताया कि आर्म्स रूल 1959 की कंडिका 17 की उप कंडिका 3 (बी) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए अब तक ऐसे कुल 159 शस्त्र अनुज्ञप्तियों को निरस्त किया गया है. ज्ञात हो कि रद्द शस्त्र अनुज्ञप्तियों में ऐसे भी कुछ अनुज्ञप्तिधारी है, जिनका निधन हो गया है और कुछ दूसरे जिले या राज्य में स्थानांतरित हो गये हैं. डीसी ने 18 अप्रैल को 110, 22 अप्रैल को 17 व 25 अप्रैल को 32 शस्त्रों का लाइसेंस रद्द किया है.

सेवानिवृत्त शिक्षक अवधेश्वर का निधन

बोकारो। कसमार प्रखंड के बगदा निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक और आयुर्वेद के जानकार अवधेश्वर प्रसाद वर्मा (89 वर्ष) का निधन हो गया. शुक्रवार की दोपहर गांव के श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया. अवधेश्वर प्रसाद वर्मा की शिक्षक के रूप में पहली पदस्थापना मध्य विद्यालय बरलंगा में हुई थी. उसके बाद जरीडीह प्रखंड के टेंगीकुदर में लंबे समय तक रहे. वह 1995 में मध्य विद्यालय पतकी से सेवानिवृत्त हुए थे. वह सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे. गांव में दुर्गा पूजा कमेटी के लंबे समय तक अध्यक्ष भी रहे थे. दुर्गा मंदिर के पुनर्निर्माण में भी अहम भूमिका निभायी थी. वह अपने पीछे तीन पुत्र व तीन पुत्रियों को भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं. बड़े पुत्र श्याम कुमार वर्मा एलआईसी के अधिकारी, मंझले पुत्र डॉ. मुकेश कुमार वर्मा चिकित्सक व छोटे पुत्र आनंद कुमार वर्मा सीआरपीएफ में पदस्थापित हैं. उनके निधन पर गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने शोक व्यक्त किया.

झुमरा पहाड़ में सुरक्षाबलों ने मारा छापा, मिला ठिकाना

संवाददाता। बोकारो

प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के कमांडर बिरसेन उर्फ चंचल व उसके साथियों के झुमरा पहाड़ी क्षेत्र में भ्रमणशील होने की सूचना प्राप्त होने पर सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर व जिला पुलिस बल को सम्मलित कर एक संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया. छापेमारी के क्रम में थाना प्रभारी ललपनिया व झारखंड जगुआर एजी-15 की सर्च टीम लालगढ टोला, लईयोगढ़ा पार कर रही थी कि जंगल की तरफ से एक फायर हुआ. जिसका सर्च टीम के द्वारा पीछा किया गया, लेकिन जंगल का फायदा उठाकर गोली चलाने वाला भाग गया. सर्च टीम के द्वारा तलाशी में एक भरथुआ बंदूक पाया गया. वहीं अभियान के क्रम में सहायक समादेष्टा सीआरपीएफ व प्रभारी रहावन ओपी की टीम के द्वारा झुमरा पहाड के जंगल में नक्सलियों के छिपने का ठिकाना का पता लगाया गया. जहां रहने, खाना बनाने, मोर्चा आदि पाया गया. जिसे सर्च टीम के द्वारा विनष्ट कर दिया गया. इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है. वहीं नक्सलियों के विरूद्ध छापेमारी की जा रही है.

ऊपरघाट में जंगल से मिला वार्ड सदस्य का शव, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता। बोकारो थर्मल

उग्रवाद प्रभावित ऊपरघाट के पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के बोरवापानी जंगल से पुलिस ने शुक्रवार की सुबह वार्ड सदस्य नजरूल अंसारी (46 वर्ष) का शव बरामद किया. शव जिस स्थान पर शव मिला, वह मृतक के घर से करीब एक किमी दूर जंगल में है. पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्ट्या यह हत्या का मामला प्रतीत होता है. किसी ने नजरूल की हत्याकर शव को जंगल में महुआ पेड़ के नीचे फेंक दिया. घटनास्थल के बगल में ही उसकी बाइक भी मिली है. बताया गया कि महुआ चुनने गई महिलाओं ने पेड़ के नीचे वार्ड सदस्य का शव देखा. महिलाओं ने गांव आकर इसकी सूचना लोगों को दी. इसके बाद पेंक-नारायणपुर थाना को सूचना दी गई. थाना प्रभारी अनिल लिंडा ने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है. संदेह के आधार पर मालिक नाम के एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है. ज्ञात हो कि नजरूल अंसारी लगातार तीसरी बार वार्ड सदस्य निर्वाचित हुए थे. घर में पत्नी, दो पुत्रियां फरीजा खातून, अमीषा खातून व एक पुत्र युजेफा है.

नजरूल अंसारी

- घटनास्थल के बगल में ही उसकी बाइक भी मिली
- महुआ चुनने गई महिलाओं ने पेड़ के नीचे शव देखा

छोटी बेटी अमीषा खातून का निकाह अगले माह होने वाला था.

अपराध की योजना बना रहे दो कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। साबिहगंज

जिरवाबाड़ी थाना की पुलिस ने नीरापाड़ा जंगल में छापेमारी कर अपराध की योजना बना रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. उनके पास से देसी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद की गई है. यह जानकारी एसडीपीओ ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता में दी. उन्होंने बताया कि एसपी कुमार गौरव को कुछ बदमाशों के पहाड़ की तलहट्टी में छुपकर वारदात की साजिश रचने की गुप्त सूचना मिली थी. इसके बाद पुलिस की टीम गठित जंगल में छापेमारी कर दो बदमाशों को हथियार व गोली के साथ दबोच लिया. पकड़े गए बदमाशों में बड़ा जिरवाबाड़ी चानन निवासी बबलू मंडल और उसका सहयोगी पप्पू मंडल शामिल है. दोनों बदमाशों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है. बबलू मंडल सकलैया बम कांड व जिरवाबाड़ी चानन में राजा मंडल को गोली मारकर जख्मी करने सहित अन्य कांडों में आरोपी है. पुलिस को उसकी तलाश थी. उसके खिलाफ बोरियो थाना में कई मामले दर्ज हैं.

विदाई समारोह पीडीजे राजेश कुमार के सम्मान में शुक्रवार को विदाई समारोह किया गया

अधिकारियों के कार्यों का असेसमेंट बार से होता है: पीडीजे

संवाददाता। गोड्डा

जिला व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार वैश्य के सम्मान में शुक्रवार को विदाई समारोह आयोजित किया गया. बार भवन में आयोजित न्यायिक पदाधिकारियों के स्थानांतरण होने पर उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में उन्होंने लोगों को संबोधित किया. कहा कि नौकरी के क्षेत्र में आने पर जब पहली पोस्टिंग जिस एरिया में होती है तो उस क्षेत्र और वहां के लोगो को जल्दी भूल पाना आसान नहीं होता है. नौकरी के दरम्यान जब आप सेवानिवृत होते है तो वह जगह भी दिल में बैठ जाता है. न्यायिक पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं से भरे हॉल में जिला जज ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के कार्यों का पैमाना बार के द्वारा ही तय होता है. न्यायिक पदाधिकारी अपने कार्यों के निष्पादन में लगे रहते हैं. इस दौरान कई तरह की बाते हो जाती हैं. हो सकता है किसी आदेश से किसी अधिवक्ता को कोई तकलीफ हो जाती हो मगर कुल मिलाकर अधिकारियों के कार्यों का असेसमेंट बार से ही होता है. इस मामले में गोड्डा बार काफी सुलझा हुआ और अच्छा बार है. इस मौके पर गोड्डा न्यायालय से विदाई होकर जाने वालो में अवर न्यायाधीश प्रथम दयाराम प्रभारी न्यायाधीश सह न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी दिव्यम चौधरी, कृति बरनवाल व किशोर कुमार को संघ के महासचिव योगेश चन्द्र झा एवं अध्यक्ष सुशील झा ने बुके देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर अपने संबोधन में महासचिव झा ने कहा कि अच्छे पदाधिकारी की टीम थी जो अब जा रहे हैं. हालांकि चार जा रहे हैं लेकिन आठ नए अधिकारी भी आ रहे हैं. जानेवाले पदाधिकारी ने अपने बेहतर कार्यों से बहुत कम समय में ही हम अधिवक्ताओं के दिल में जगह बना लिया. उम्मीद है आगे ये तरक्की पाकर दोबारा जिला जज बनकर गोड्डा आने का मौका मिलेगा. इस अवसर पर तमाम न्यायिक पदाधिकारीगण और अधिवक्ता मौजूद थे.

झामुमो प्रखंड कमेटी की बैठक

संवाददाता। गांडेय

गांडेय विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. चुनाव आयोग द्वारा नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. शुक्रवार को झामुमो प्रखंड कमेटी गांडेय की बैठक पर्वतपुर पंचायत के देवपुर बरगद पेड़ के पास हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष चांदमल मरांडी ने किया. जबकि संचालक प्रखंड सचिव भैरो वर्मा ने किया. गांडेय उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन 28 मई को नामांकन पत्र दाखिल करेगी. जिसकी तैयारी को लेकर गांडेय प्रखंड के सभी पंचायतों के प्रभारियों के साथ बैठक कर नामांकन में गांडेय प्रखंड से हजारों की संख्या में पहुंचने पर विचार विमर्श किया गया. कार्यक्रम में मुख्यातिथि पहुंचे जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि नामांकन में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं के साथ महिला पुरुष ढोल नगाड़ा गाजे बाजे के साथ गिरिडीह सभा स्थल पहुचेंगे. उसके बाद प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया जायेगा. कहा कि झामुमो प्रत्याशी 28 से 30 मई तक लगातार गांडेय विधान सभा में क्षेत्र भ्रमणकर जनसंपर्क किया जायेगा. मौके पर हीरालाल मुर्मू, महा लाल सोरेन व बबली मरांडी ने भी अपने विचार व्यक्त किए. बैठक में प्रखंड अध्यक्ष चांदमल मरांडी, सचिव भैरो वर्मा, आंदोलकारी हलधर राय, बैजनाथ राणा, बबली मरांडी, राजेश सिंह, मो नसीम, अरुण पाठक, रवि वर्मा, प्रमोद रवानी, हीरालाल टुडू, बैजनाथ मुर्मू, प्रकाश पंडित मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

बीडीओ और सीओ ने बूथों का किया निरीक्षण

केरेडारी। लोकसभा चुनाव को लेकर बीडीओ अमित कुमार व सीओ रामरतन बर्णवाल लगातार प्रयास कर रहे हैं. इन्हीं तैयारियों के निरीक्षण हेतु शुक्रवार को बीडीओ व सीओ ने गोपदा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय पगार, सामुदायिक भवन भदईखाप सहित कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. इन्होंने इन मतदान केंद्रों में मौजूद मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया. सीओ व बीडीओ लोकतंत्र के महापर्व में आगामी 20 मई को होने वाले मतदान में मतदाताओं से बढ़-चढ़ कर भाग लेने का भी आग्रह किया है.

हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार हुए

हजारीबाग। कटकमसांडी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में तीन आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. पकड़े जाने वालों में आरोपी अनिल राम, धर्मेंद्र राम और प्रियांशु राम, शामिल हैं. इस संबंध में पुलिस ने बताया कि 27 अप्रैल को कटकन सैंडी के खैर जंगल से एक अज्ञात शव पुलिस ने बरामद किया था. इसके बाद मृतक की पहचान हुई और परिजनों के बयान पर 72/24 के तहत कटकमसांडी थाने में मामला दर्ज किया गया था.

मवेशी लदा वाहन जब्त, दो गिरफ्तार

हजारीबाग। चौपारण पुलिस प्रतिबंधित पशु तस्करी रोकने के लिए लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है. मामले में कई तस्कर गिरफ्तार भी हुए हैं. इसी क्रम में शुक्रवार को चोरदाहा चेकपोस्ट पर 16 भैंस का बच्चा लदा पिकउप वाहन को जब्त किया गया. मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. इस संबंध में बरही डीएसपी सुरजीत कुमार और चौपारण थाना प्रभारी दीपक सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गयी.

कार्यालय में स्वच्छता का ध्यान रखें डाककर्मी

हजारीबाग। डाक विभाग की ओर से कॉलेज मोड़ उप डाकघर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता एक्शन प्लान 2024 की कार्य योजना को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में ब्रजेश कुमार पासवान, सहायक डाक अधीक्षक, हजारीबाग ने सेंट्रल सब डिवीजन के उप डाकघर व शाखा डाकघर के डाकपाल, बीपीएम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी अपने कार्यालय में नियमित रूप से साफ-सफाई रखें. वहीं ग्राहकों के लिये स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था रखें.

सात से नौ मई तक विश्वविद्यालय का होगा नैक के लिए भौतिक मूल्यांकन, कुलपति सुमन ने कहा-

सर्वोत्तम ग्रेड प्राप्त कर विभावि को गौरवान्वित करें

संवाददाता। हजारीबाग

विश्वविद्यालय को नैक द्वारा मूल्यांकन में अच्छे ग्रेड प्राप्त हो यह विश्वविद्यालय की गरिमा का विषय है. इसके लिए हम सब एक परिवार के रूप में मिलकर काम करें. इस दरम्यान कोई भी छुट्टी न लें. उक्त बातें विनोबा भावे विश्वविद्यालय की कुलपति सुमन कैथरीन किसपोट्टा ने कहीं. वे शुक्रवार को नैक मूल्यांकन से पूर्व विश्वविद्यालय की तैयारी की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रही थी. बैठक का आयोजन आर्यभट्ट सभागार में किया गया था. उन्होंने आग्रह किया कि आप सभी सकारात्मक बने रहें एवं अपना सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय को दें. उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह स्वयं सभी विभागों का दौरा कर तैयारी की समीक्षा करेंगी. बैठक में ओंबड्समैन के लिए एक कार्यालय निर्धारित करना, नैक के साथ बैठक के लिए पूर्ववर्ती छात्रों एवं अभिभावकों के दल का निर्धारण करना, स्वास्थ्य केंद्र को सुचारु रूप से व्यवस्थित करना, विश्वविद्यालय कैंटीन को यथाशीघ्र चालू करना, परिसर में लगे सभी प्रकार के बोर्ड को दुरुस्त करना, निर्बाध बिजली एवं जल आपूर्ति सुनिश्चित करना, पूरे परिसर को स्वच्छ बनाए रखना आदि विषयों पर सहमति बनी.

वाई-फाई की समस्या को दूर करने का सुझाव : विश्वविद्यालय के वित्त परामर्शी सुनील कुमार सिंह ने वाई-फाई से संबंधित समस्या को दूर करने का सुझाव दिया. उन्होंने यह भी कहा कि अब समय कम है. जरूरी संचिकाओं के संबंध में अधिकारियों से सीधा संपर्क करें. बैठक में अवकाश प्राप्त प्रोफेसर (डॉ) पी महतो, डॉ चंद्रशेखर सिंह, छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ) मिथिलेश कुमार सिंह, आइक्यूएसी के निदेशक डॉ सादिक रज्जाक, डॉ सुकल्याण मोइत्रा, डॉ राखो हरि, डॉ वीरेंद्र कुमार गुप्त, डॉ विनोद रंजन, डॉ जॉनी रुफिन तिर्की आदि लोगों ने विचार रखें.

टैगोर कला भवन के जीर्णोद्धार का दिया आदेश

बैठक का संचालन करते हुए नैक कोषांग के समन्वयक डॉ गंगानंद सिंह ने सदन को जानकारी दी की सभी विभागों ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार कर लिया है. उन्होंने सभी विभागों को 14 बिंदुओं पर संचिका एवं पिछले 7 वर्षों का वार्षिक प्रतिवेदन 27 अप्रैल तक तैयार रखने का आग्रह किया. बैठक में नैक मूल्यांकन से संबंधित विभिन्न उपसमितियों के संयोजकों ने अपनी-अपनी समितियों की तैयारी से सदन को अवगत कराया. बैठक में इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. विकास कुमार ने रविंद्र नाथ टैगोर कला भवन की जीर्ण-शीर्ण स्थिति की तरफ कुलपति का ध्यान आकृष्ट किया एवं यथाशीघ्र उसके जीर्णोद्धार की मांग की. कुलपति ने तत्काल कुलसचिव को निर्देश दिया की सीसीडीसी को उक्त कार्य को संपन्न करने का आदेश दिया जाए

दहेज हत्या के आरोपी सास ससुर को सात वर्ष कारावास

- अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय की अदालत ने सुनाई सजा
- मृत महिला के पति को पूर्व में ही सुनाई जा चुकी है सजा

संवाददाता। कोडरमा

दहेज के लिए हत्या किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अजय कुमार सिंह की अदालत ने गुरुवार को आरोपी ससुर सरयू यादव, सास सुनीता देवी पति को 304 (बी) आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए 7 वर्ष कारावास की सजा सुनाई. वहीं 201/34 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए 3 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनायी. साथ ही 5000 जुर्माना लगाया. जुर्माना की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. मृतक महिला के पति को पूर्व में सजा सुनाई जा चुकी है. सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी. मामला वर्ष 2022 का है.मृतका के पिता कोलेश्वर यादव ने सतगावा थाने में मामला दर्ज कराया था, जिसके मुताबिक उसकी पुत्री ममता देवी की शादी वर्ष 2018 में सतगामा निवासी बबलू यादव, पिता सरयू यादव के साथ हुई थी. उसे दो पुत्री हुई. बाद में ससुराल वाले दहेज के रूप में एक बोलेरो गाड़ी मांगने लगे और देने में असमर्थता जताने पर, मेरी पुत्री को प्रताड़ित करने लगे. पंचायती भी हुई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ.

योजनाएं पूरी होंगी या अधूरी रहेंगी नेताजी की जीत-हार पर निर्भर

कहीं पेयजल का संकट, तो कहीं शौचालय के लिए आफत

संवाददाता। हजारीबाग

ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों नल जल योजना और शौचालय अहम मुद्दा बना हुआ है. जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे ग्रामीण जनप्रतिनिधियों से नल जल योजना एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए शौचालय को लेकर कठिन सवाल पूछ रहे हैं. बताते चलें कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत केंद्र सरकार प्रत्येक घर में शौचालय बनाने की योजना चला रही है. इसके लिए सरकार सहयोग राशि 12000 रुपये देती है, लेकिन इस योजना का लाभ कुछ ही लोगों को मिल पाया है.

वहीं सरकार की दूसरी महात्वाकांक्षी योजना नल जल थी, जिसके तहत प्रत्येक घर में स्वच्छ जल पहुंचाना जाना है. लेकिन तीन वर्ष बाद भी यह योजना धरातल पर नहीं उतर पायी है. जिले के इचाक, कटकमसांडी, पदमा चर्च सहित कई प्रखंडों के ग्रामीण पिछले तीन वर्षों से पानी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उन्हें आज तक एक बूंद पानी नल जल योजना के माध्यम से नहीं मिला है. वहीं बात करें आज भी कई प्रखंडों में 60 प्रतिशत से अधिक शौचालय अधूरे हैं. किसी में पानी नहीं है तो किसी में दरवाजा नदारद है.

कोडरमा व हजारीबाग लोस क्षेत्र में पानी के लिए हाहाकार : इस संबंध में अनिल कुमार ने बताया कि कोडरमा लोकसभा एवं हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के कई गांव में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है. ग्रामीण दूसरे के कुएं से पानी लाते हैं, जबकि नल योजना के तहत ढांचा तो बनाया गया है लेकिन योजना पूरी नहीं हुई है. चुनाव खत्म होने का इंतजार ठेकेदार और अधिकारी कर रहे हैं. चुनाव में हार होगी तो काम बंद करवा दिया जायेगा और ढांचा खड़ा रह जाएगा. इसके बाद अगले चुनाव में फिर से पानी देने की बात कही जाएगी.

नल जल योजना को तैयार नहीं कर पाया ठेकेदार : सुनीता देवी

इस संबंध में इचाक प्रखंड की सुनीता देवी ने बताया कि ठेकेदार द्वारा नल जल योजना के तहत कहीं ढांचा बनाया गया है तो कहीं बोरिंग की गयी है, लेकिन वह आज तक योजना तैयार नहीं कर पाया है. इसके लिये सरकार दोषी है या ठेकेदार? अगर ठेकेदारी दोषी है तो उस पर कार्रवाई आज तक क्यों नहीं हुई?

कागज पर शौचालय बना फरार हो गया ठेकेदार : ललिता देवी

इस संबंध में कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के इचाक बोंगांव निवासी ललिता देवी ने बताया कि शौचालय के लिये सरकार की ओर से 12000 रुपये सहयोग राशि देने का प्रावधान था, लेकिन अधिकारी ने उक्त राशि नहीं दी. कमीशन के लालच में ठेकेदार को काम करने का आदेश दे दिया, लेकिन ठेकेदार शौचालय केवल कागज पर पूरा कर फरार हो गया.

ठेकेदार चुनाव हरवा न दें इसलिये चुप रहते हैं जनप्रतिनिधि | इस संबंध में डॉ. आरसी प्रसाद ने बताया कि जिस समय शौचालय और नल जल योजना पर काम हो रहा था उस वक्त जनप्रतिनिधि ने चुप्पी साध ली थी. उन्हें डर था कि ठेकेदार कहीं चुनाव हरवा न दे और कमीशन में कहीं कटौती न कर दे. उस वक्त अगर वह आवाज उठाते तो नल जल योजना 2022 में ही पूरी हो जाती.

भीषण गर्मी पड़ते ही सूखने लगे पानी के स्रोत, लोगों में हाहाकार

खास बातें

- केरेडारी प्रखंड में नल जल योजना फेल होती दिख रही
- इक्का-दुक्का कुएं पर महिलाओं की लग रही लंबी कतार

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों चल रही प्रचंड लू ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है. जेठ की दुपहरी अभी बाकी है, जबकि बैशाख महीना अभी शुरू ही हुआ है, लेकिन सूर्य देवता अभी से ही रौद्र रूप में तप रहे हैं. प्रखंड क्षेत्र में भीषण गर्मी की वजह से तापमान इन दिनों लगातार 40 डिग्री पार कर रहा है. आवश्यक सेवा में कार्यरत कर्मियों को छोड़ दें तो सुबह 9 बजे के बाद ही लोग घरों में दुबक जाने को विवश हैं. वहीं दूसरी ओर बाजार में इन दिनों शीतल पेय, नींबू पानी, अमझोरा, सत्तू, आमरस, गन्ने का रस व मौसमी फल खीरा, ककड़ी, तरबूज व आम की बिक्री जोरों पर है. लोग लू से बचने के लिए इन पदार्थों का उपयोग कर रहे हैं. वहीं प्रखंड क्षेत्र में भीषण गर्मी की वजह से पेयजल की समस्या भी उत्पन्न हो गई है. अधिकतर कुएं भी सूख चुके हैं. जहां इक्का दुक्का कुएं में पानी है वहां महिलाओं की लंबी कतार लग जाती है. नल जल कार्यक्रम भी तकरीबन फेल होता दिख रहा है.

'पानी व शीतल पेय पदार्थों का सेवन करते रहें'

प्रखंड सीएचसी में कार्यरत डॉ. सुधीर रंजन बताते हैं कि लू से बचने के लिए शरीर में पानी की कमी हो सकती है और डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं. इसलिए लगातार पानी व शीतल पेय पदार्थों का सेवन करते रहें. खाली पेट धूप में बिलकुल भी न निकले व अगर निकलना आवश्यक हो तो सर पर गमछा का प्रयोग करें और धूप से बचें. ग्लूकोज व अमझोरा का सेवन जरूर करें. फिलहाल प्रखंडवासियों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है.

ट्रेलर ने महिला को रौंदा, हुई मौत

संवाददाता। चौपारण

आक्रोशित लोगों ने की सड़क जाम

कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही व एनएचएआई की अनदेखी के कारण प्रखंड में जीटी रोड के चौड़ीकरण का कार्य कई वर्षों बाद भी पूर्ण नहीं हो सका है. जीटी रोड को कई जगह वनवे करके छोड़ दिया गया है. जिससे आए दिन लोग जाने अनजाने में मौत के मुंह में समा रहे हैं. शुक्रवार को भी कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही की वजह से पैदल चल रही एक महिला की मौत ट्रेलर का धक्का लगने से हो गयी. मृतक युवती की पहचान ग्राम महुदी निवासी दिनेश चौधरी की पत्नी रेखा देवी (30) के रूप में हुई है. इधर, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने जीटी रोड पर टायर जला कर यातायात पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया, जिससे गाड़ियों की लंबी कतार लग गई और लंबा जाम लग गया. आक्रोशित लोग खबर लिखे जाने तक एनएचएआई, कंस्ट्रक्शन कंपनी व ट्रेलर मालिक से 50 लाख मुआवजे की मांग कर रहे थे. लोगों ने बताया कि कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही के कारण जीटी रोड में आए दिन सड़क दुर्घटना हो रही है. इधर खबर लिखे जाने तक प्रशासन लोगों को समझा बुझाकर जाम हटाने का प्रयास कर रहा था.

पक्षकारों से भाग लेकर मामलों के निष्पादन में सहयोग करने की अपील

हजारीबाग सिविल कोर्ट में विशेष लोक अदालत का आयोजन आज

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर हजारीबाग सिविल कोर्ट परिसर में शनिवार को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा. 21 अप्रैल से 26 अप्रैल तक एक प्री-लोक अदालत का अभियान चलाया गया था, जिसमें पक्षकारों के बीच बातचीत कर मामलों में सुलह कराया गया. यह अभियान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्य प्रकाश सिन्हा की देखरेख में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले चलाया जा रहा था. इस प्री-लोक अदालत की बैठक में चेक अनादरण एवं विद्युत अधिनियम से संबंधित मामलों के निष्पादन के लिए पक्षकारों के बीच बातचीत की गई. कई मामले निपटाए गए. मामलों के निष्पादन हेतु एक विशेष लोक अदालत का आयोजन शनिवार को सुबह 8 बजे से व्यवहार न्यायालय हजारीबाग में किया जाएगा. यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौरव खुराना ने दी.

चेक बाउंस और बिजली मामले का होगा निपटारा : बातचीत के क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक संख्या में चेक अनादरण और विद्युत अधिनियम से मामलों का निष्पादन करना था. ताकि लोगों तक सस्ता एवं सुलभ न्याय प्राप्त हो सके. साथ ही पक्षकारों के बहुमूल्य समय की बचत हो सके. उन्होंने संबंधित पक्षकारों से अपील भी की है कि लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेकर अपने-अपने लंबित मामलों का निष्पादन कराने में सहयोग करें. इस विशेष लोक अदालत के जरिए अपने-अपने मामलों का निष्पादन करा लें. जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने पक्षकारों को सुविधा प्रदान करने के लिए इस लोक अदालत में चेक बाउंस और बिजली से संबंधित मामलों के अतिरिक्त अन्य मामलों का निष्पादन भी सुलह के आधार पर होगा.

रामगढ़ पुलिस ने 18 वर्ष से फरार वारंटी साव को गिरफ्तार कर भेजा जेल

रामगढ़। 18 वर्षों से फरार चल रहे वारंटी प्रदीप साव को रामगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रियासत में भेज दिया है. बता दें कि लोकसभा चुनाव के निष्पक्ष आयोजन को लेकर आरोपियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सतत अभियान चलाया जा रहा है. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक बिमल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मांडू थाना क्षेत्र में दर्ज कांड संख्या 175/2006 के अभियुक्त प्रदीप साव 18 वर्षों से फरार चल रहा है. वारंटी प्रदीप साव, पिता स्व. दिनेश्वर साहू वर्तमान में कुजू की एक फैक्ट्री में काम करता है. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने बेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी सदानंद कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया. छापेमारी टीम ने कुज्जु स्थित एक फैक्ट्री से प्रदीप साव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

इंडिया गठबंधन की बैठक में लिये गये कई निर्णय, हर वार्ड के बूथ में जीत का संकल्प

'10 साल में भाजपा ने कोई काम नहीं किया'

संवाददाता। झुमरीतिलैया

16 सदस्यीय कमेटी का गठन

इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी गतिविधि तेज कर दी है. एकतरफ भाकपा माले उम्मीदवार कॉमरेड विनोद सिंह लगातार विभिन्न विधानसभा में जनसंवाद के जरिये जनता से मिलकर समर्थन मांग रहे है. वहीं इंडिया गठबंधन सांगठनिक मजबूती के साथ चुनावी तैयारी में जुटी हुई है. झुमरीतिलैया नगर परिषद क्षेत्र में इंडिया गठबंधन की मजबूती और हर बूथ तक जनता से सीधे संवाद स्थापित करने को लेकर रणनीति जमीन पर उतारने में जुटी है. इसी मद्देनजर इंडिया गठबंधन की नगर परिषद क्षेत्र में विशुनपुर रोड स्थित राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव के आवास पर बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता इंडिया गठबंधन के जिला संयोजक सह राजद जिलाध्यक्ष रामधन यादव ने की. जबकि संचालन प्रेम पांडेय ने किया. बैठक में अरुण सिंह, पवन भगत, आनंद चंद्रवंशी,रविन्द्र भारती, राजेन्द्र पासवान, नागेंद्र दास, धीरज यादव, उत्तम दासपाल, छवि विश्वाश, अशोक रजक, मो मुस्ताक, नीरज कुमार, टुकलाल यादव, अमित कुमार, उपेंद्र सिंह, जैकी यादव आदि मौजूद थे.

बैठक में दल राजद, जेएमएम, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, सीपीआई, सीपीएम के अलावे मजदूर संगठन और प्रगतिशील संगठन के नेता शामिल हुए. इंडिया गठबंधन के संयोजक रामधन यादव ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव संविधान बनाम भाजपा के बीच लड़ाई है. उन्होंने कहा कि भाजपा 10 साल से सत्ता में है, लेकिन कोडरमा की जनता की भलाई का कोई काम नहीं हुआ. इंडिया गठबंधन एकता के बल पर शहरी क्षेत्र में भी भाजपा को हर बूथ पर हराएगी. बैठक को कांग्रेस नेता मनोज सहाय पिंकू, मजदूर नेता प्रेम प्रकाश, आप के दामोदर यादव, बसपा नेता प्रकाश अंबेडकर, जेएमएम नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा, माले नेता संदीप, राजद नेता घनश्याम तुरी, दलित एक्टिविस्ट इंद्रदेव राम ने संबोधित किया.

इंडिया गठबंधन का नगर परिषद क्षेत्र झुमरीतिलैया में 16 सदस्यीय कोर कमेटी का गठन किया गया. इनमें प्रेम प्रकाश, घनश्याम तुरी, विजय रजक, प्रेम पांडेय, दीपक विश्वकर्मा, चरणजीत सिंह, मनोज सहाय पिंकू, संतोष यादव, प्रकाश अंबेडकर, मोहन यादव, संदीप कुमार, उदय दृवेदी, इंद्रदेव राम, दामोदर यादव, सुदर्शन विश्वकर्मा, शम्भू पासवान के नाम शामिल हैं.

राजग प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने गोला प्रखंड में किया जनसंवाद, कहा-

जनता फिर मोदी सरकार बनाने को तैयार

संवाददाता। रामगढ़

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवार मनीष जायसवाल ने शुक्रवार को गोला प्रखंड क्षेत्र के दौरे के क्रम में विभिन्न जगहों पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि लगातार पिछले करीब 55 दिनों से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र का गांव- गांव जा रहा हूं. सैकड़ों गांवों में जनसंपर्क और जनसंवाद किया है. हर क्षेत्र में लोगों में एनडीए और भाजपा विशेषकर मोदी सरकार को लेकर एक अलग तरीके का उत्साह देख रहा हूं. मोदी सरकार ने राष्ट्रवाद, विकास, सुरक्षा और सुशासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर देश और देशवासियों का मान- सम्मान बढ़ाया है. उन्होंने कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में एनडीए के पक्ष में है प्रचंड लहर और रुझान है. क्षेत्र की जनता तीसरी बार मोदी सरकार बनाने को तैयार है. कहा कि सबका साथ- सबका विकास की मोदी की गारंटी को स्वीकार करें और तीसरी बार देशहित और जनहित में मोदी सरकार बनाएं.

खरीदकर खाया खीरा, कैरम पर आजमाया हाथ

जायसवाल गोला प्रखंड स्थित हेसापोडा पंचायत के ग्राम कोराम्बे बाज़ारटांड़ पहुंचे तो यहां उनकी नज़र बाज़ार में बिक रहे खीरा पर गयी. गर्मी में स्फूर्ति और ऊर्जा बरकरार रखने के लिए उन्होंने यहां से खीरा खरीद कर खाया. इसके बाद यहां एक पेड़ के छांव में कैरम बोर्ड खेल रहे कुछ युवाओं संग उन्होंने हाथ भी आजमाया.

मौके पर ये लोग रहे मौजूद : मौके पर विशेष रूप से रामगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, आजसू जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी, जिला परिषद सदस्य जलेश्वर महतो, गोला भाजपा मंडल अध्यक्ष बब्लू साव, आजसू के प्रखंड अध्यक्ष अंगद महतो, भाजपा नेता रणंजय कुमार उर्फ़ कुंटु, रंजन सिंह फौजी, प्रो.संजय सिंह, विजय ओझा, सरदार अनमोल सिंह, वसुध तिवारी, विजय जायसवाल आदि उपस्थित रहे.

11 पंचायतों के 18 गांवों में किया जनसंपर्क

जायसवाल ने शुक्रवार को रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड क्षेत्र की 11 पंचायतों के 18 गांवों में जनसंपर्क और जनसंवाद किया. जायसवाल ने दौरे की शुरुआत रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गोला प्रखंड स्थित हुप्पु पंचायत स्थित ग्राम तोयर के स्व. दशरथ महतो चौक से किया. यहां उनका स्थानीय भाजपा एवं आजसू के कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया.

कांग्रेस प्रत्याशी जेपी पटेल ने पतरातू प्रखंड क्षेत्र में किया जनसंपर्क, कहा

संविधान को बचाने के लिए हाथ का साथ दें

संवाददाता। हजारीबाग

कार्यकर्ताओं में दिखा जोश

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार जय प्रकाश भाई पटेल ने चुनावी जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है. उन्होंने गुरुवार को पतरातू प्रखंड क्षेत्र में 15 से ऊपर पंचायतों का भ्रमण कर सैकड़ों ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया. उन्होंने इस दौरान कहा कि भाजपा आज पलटी मार चुकी है. भ्रष्टाचार और महंगाई को मुद्दा बना कर सरकार में आई थी, परंतु आज देश में अनेकों मुद्दों ने जन्म ले लिया है.

पटेल ने भाजपा उम्मीदवार पर भी जमकर निशाना साधा. उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि व्यवसाई सिर्फ पूंजी बनाने का काम करते हैं. आज सभी तरह के व्यवसाय में अपना सिक्का जमा रहे हैं. यह देश भी व्यवसायों को बेचा जा रहा है. देश को बचाने की जरूरत है. उन्होंने कांग्रेस सरकार का वक्त याद करते हुए कहा कि किसी जमाने में महंगाई, रोजगार आदि ही मुद्दा हुआ करती थी, परंतु आज मोदी कार्यकाल में संविधान को बचाना भी मुद्दा बन गया है. यह देश बाबा साहेब के संविधान से चलता आया है, मगर केंद्र की भाजपा सरकार संविधान को अपने फायदे अनुसार बदल देना चाहती है. आरक्षण और मौलिक अधिकारों पर आज खतरा मंडरा रहा है. विपक्ष को एजेंसियों का दुरुपयोग कर कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है, देश ने ऐसा दौर कभी नहीं देखा. उन्होंने अन्य मुद्दों पर भी अपनी बात बेबाकी के साथ रख कर कांग्रेस के पक्ष में वोट करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा आज लोकतंत्र और संविधान को बचाने का मौका मिला है, इसका उपयोग करिए और बीस मई को हाथ पर बटन दबाइए.

पतरातू प्रखंड क्षेत्र में दौरा करने के दौरान अलग-अलग गावों में जेपी भाई पटेल का फूल मालाओं और ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया. पटेल ने भी गले लग सभी का अभिवादन किया. साथ ही बुजुर्गों के पांव छू आशीर्वाद लिया. जनसंपर्क के दौरान जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान, जय प्रकाश सिंह ऊर्फ ननकी, प्रखंड अध्यक्ष सुजीत पटेल, योगेंद्र सिंह, दीपक उरांव, देवकी महतो, आरीफ अंसारी, संतोष साव, अंजू देवी, बालेसर बेदिया,अमर यादव, मो. सैफुल्लाह, प्रियंका कुमारी, प्रेम दादा प्रिया, विनोद कुमार केसरी, ओमप्रकाश गिरी, गोविंद बेदीया, शाहिद आदि उपस्थित थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आठवें चंद्रमा नीच का है. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. दुष्टजनों से बचकर रहें. दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. लाल फूल माता दुर्गा को अर्पण करें. मंदिर में मिठाई का दान करें.

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ रहेगा. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है. प्रसन्नता रहेगी. इतर का दान करें.

मिथुन मौसमी बीमारियों से बचें. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. वाणी पर नियंत्रण रखें. चिंता तथा तनाव बने रहेंगे. नौकरी में कार्यभार रहेगा. आपके कार्य के प्रभाव से व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क शिक्षा में लापरवाही नुकसान देगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नया कार्य करने का मन बनेगा. निवेश शुभ रहेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. अच्छे सच्चे मित्र मिलेंगे.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. चोट व रोग से बाधा की आशंका है.

कन्या कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं. कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी. किसी विवाद में विजय प्राप्त हो सकती है. व्यापार में नए काम मिल सकते हैं. किसी नए कार्य का चिंता रहेगी. दुष्टजनों से बचकर रहें.

तुला मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी रखें. शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. चिंता रहेगी.

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी. विवाद का हल हो सकता है. जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु समय शुभ है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी. किसी से विवाद की आशंका है. मानहानि हो सकती है, सावधान रहें.

मकर दिन खुशनुमा होगा. किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा.

कुंभ किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है. भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. लापरवाही न करें. किसी दुःखद समाचार मिलने की आशंका है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

मीन कोई यात्रा का योग है.धर्म मे मन लगेगा. शारीरिक कष्ट की आशंका है. प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी. कारोबार अच्छा चलेगा. अपने इष्ट देवता का पूजन करें.

सरफराज अहमद का भतीजा गांडेय से लड़ेगा उपचुनाव

गिरिडीह । सोरेन परिवार के बाद अब गिरिडीह में सरफराज अहमद के परिवार में भी फूट देखने को मिल रहा है. झामुमो ने कल्पना सोरेन को जैसे ही गांडेय विधानसभा उपचुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया, वैसे ही सरफराज अहमद के भतीजे और झामुमो के गिरीडीह जिला युवा उपाध्यक्ष फरदीन इम्तियाज ने गांडेय विधानसभा से चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. वह निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरेंगे. इससे पहले जेएमएम ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन को गांडेय उपचुनाव में अपना उम्मीदवार घोषित किया था.

पेज एक का शेष

दूसरे चरण में 61%...

पीएम मोदी ने जताया आभार : पीएम नरेंद्र मोदी ने मतदान समाप्त होने के बाद एक्स पर लिखा, दूसरा चरण बहुत अच्छा रहा. देशभर में मतदान करने वालों का आभार. राजग को मिला बेजोड़ समर्थन विपक्ष को और अधिक निराश करने जा रहा है. मतदाता राजग का सुशासन चाहते हैं. युवा और महिला मतदाता राजग को मजबूत समर्थन दे रहे हैं. इस बीच,

निर्वाचन आयोग ने जानकारी दी कि सोशल मीडिया मंच पर कथित रूप से एक वीडियो पोस्ट करने एवं धर्म के आधार पर वोट मांगने को लेकर भाजपा के सांसद तथा बेंगलुरु दक्षिण से पार्टी प्रत्याशी तेजस्वी सूर्या के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

इनके भाग्य ईवीएम में बंद : दूसरे चरण के प्रमुख उम्मीदवारों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, शशि थरूर, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर, अभिनेता अरुण गोविल, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश, कर्नाटक के पूर्व सीएम कुमारस्वामी, हेमा मालिनी, ओम बिरला, निर्दलीय पप्पू यादव और गजेंद्र सिंह शेखावत आदि.

क्या चतरा सीट से भाजपा लगा पायेगी जीत की हैट्रिक

संवाददाता। आशीष टैगोर

चतरा संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है. इससे पहले वर्ष 2014 और 2019 चतरा संसदीय क्षेत्र में सुनील सिंह लगातार ने दो भाजपा को जीत दिला चुके हैं. लेकिन दो बार के सीटिंग एमपी सुनील सिंह को तीसरी बार टिकट नहीं दिया. उनके स्थान पर भाजपा नेतृत्व ने कालीचरण सिंह पर दांवा खेला है. लेकिन क्या कालीचरण सिंह चतरा सीट से भाजपा को जीत की हैट्रिक दिला पायेगें, यह तो आगामी चार जून को पता चल पायेगा. लेकिन इतना तो तय है कि भाजपा के लिए चतरा सीट को बचाना कम चुनौतीपूर्ण नहीं है. जब से कालीचरण सिंह को भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है, तब से उनका विरोध किया जा रहा है. हालांकि बाद में विरोध का स्वर धीरे धीरे मध्यम अवश्य पड़ गया है.

धरना पर बैठ गये थे राजधनी यादव

खास बातें

- 1996 में चतरा में खुला था भाजपा का खाता
- एक बार दूसरे व एक बार तीसरे स्थान पर रही थी

कालीचरण सिंह को चतरा से टिकट देने के विरोध में वरीय भाजपाई राजधनी प्रसाद यादव तो प्रदेश कार्यालय में धरना पर बैठ गये थे. उनका कहना था कि ऐन मौके पर उनका नंबर काट कर एक ऐसे व्यक्ति को दे दिया गया जो हाल ही में दूसरे दल से भाजपा में आये थे. दूसरी ओर भाजपा का एक बड़ा कुनबा भी दबी दुबान से कालीचरण सिंह का विरोध कर रहा है और अंदर ही अंदर खिचड़ी पका रहा है. वहीं क्षेत्र का पिछड़ा, ओबीसी और वैश्य समुदाय के लोग भी चतरा से किसी पिछड़ा वर्ग का प्रत्याशी नहीं बनाने पर खफा है. पिछड़ा और वैश्व समुदाय को भाजपा का वोट बैंक कहा जाता है. बताया जाता है कि वैश्य समुदाय किसी कदावर नेता को निर्दलीय लड़ाने के मूड में है. ऐसे में यहां भाजपा के वोट कई भागों में बंट सकता है और यह भाजपा के लिए नुकसानदेय होगा.

केएन त्रिपाठी ने कालीचरण सिंह को बताया बाहरी प्रत्याशी

दूसरी ओर इंडी गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह को बाहरी प्रत्याशी बता कर एक नया शगूफा छोड़ा है. पिछले दिनों एक कार्यक्रम में त्रिपाठी ने खुद को चतरा लोकसभा क्षेत्र का खतियानी और कालीचरण सिंह को बाहरी कहा था. उन्होंने कहा कि था कालीचरण सिंह मास्टरी करने बिहार से चतरा आये थे. जबकि उनके पूर्वजों के लोगो के पास 1532 का खतियान है और लातेहार जिला के मनिका प्रखंड के रांकी ग्राम के खतियानी रैयत हैं. राजा मेदिनीराय ने उनके पूर्वजों को वहां पांच गांव दिये और पुजारी नियुक्त किया था.

1996 में खुला था भाजपा का खाता

चतरा लोकसभा सीट से भाजपा ने चार बार जीत हासिल की है. सबसे पहले वर्ष 1996 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का चतरा से खुला था. भाजपा के धीरेंद्र अग्रवाल ने जनता दल के कृष्णा नंदन प्रसाद को हराया था. वर्ष 1998 के मध्यावधि चुनाव में भी भाजपा के धीरेंद्र अग्रवाल ने राजद के नागमणि को हराया था. इसके बाद साल 2014 और 2019 भाजपा के सुनील सिंह ने भाजपा को चतरा से जीत दिलायी थी. इससे पहले 1991 के लोकसभा के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी इंदर सिंह नामधारी तीसरे स्थान पर और 1996 भाजपा के धीरेंद्र अग्रवाल को दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा था.

केएन त्रिपाठी 30 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे शामिल होने का आह्वान

तरहसी/पलामू। चतरा से कांग्रेस उम्मीदवार केएन त्रिपाठी का नामांकन 30 अप्रैल को होगा. इसमें लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रखंड मुख्यालय में के एन त्रिपाठी ने बैठक की. बैठक की अध्यक्षता खुर्शीद आलम व संचालन पूर्व प्रमुख अमुक प्रियदर्शी ने किया. अमुक प्रियदर्शी ने कहा कि पार्टी हर एक स्तर पर मजबूत है और अब हमें गांव की ओर चलने की जरूरत है. प्रखंड के अध्यक्ष अब गांव की ओर जाकर लोगों को समझाएं और पार्टी के आने वाले एजेंडा के बारे में बताएं कि लोकल प्रत्याशी जो आप लोग लंबे समय से मांग कर रहे थे. के एन त्रिपाठी 1532 ई. के खतियानी हैं, जो चतरा लोकसभा से चुनाव लड़ रहे हैं. मौके पर चतरा लोकसभा से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने कहा कि गरीब बेरोजगार को रोजगार देने संबंधित एजेंडा तैयार किया गया है और पार्टी हर एक बूथ स्तर पर एक कमेटी का गठन करेगी, जो बेरोजगारों को चिन्हित कर बताएगी.

कांग्रेस कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है

एसटी-एससी, ओबीसी का हक छीनना कांग्रेस का हिडेन एजेंडा : अमित मंडल

संवाददाता। रांची

भाजपा विधायक और प्रदेश प्रवक्ता अमित मंडल ने कहा है कि एसटी, एससी और ओबीसी का हक छीन कर मुसलमानों को देना कांग्रेस और इंडी गठबंधन का हिडेन एजेंडा है. कांग्रेस कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है, जबकि पीएम मोदी कहते हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का है. कांग्रेस और भाजपा में यही बड़ा अंतर है. भाजपा हमेशा से सबका साथ-सबका विकास की पक्षधर रही है, जबकि कांग्रेस का इतिहास हमेशा तुष्टिकरण की घटिया और घिनौनी राजनीति से भरा रहा है. कांग्रेस को पिछड़े, दलित और आदिवासियों से नफरत है. उनके घोषणा पत्र में भी तुष्टीकरण स्पष्ट दिखाई दे रहा है. मंडल भाजपा के मीडिया सेंटर में मीडिया से बात कर रहे थे.

मनमोहन सिंह के बयान से खास वर्ग के प्रति कांग्रेस के प्रेम पता चलता है : मंडल ने कहा कि 6 दिसंबर 2006 को तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह ने कहा था कि 'अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुस्लिम अल्पसंख्यकों को विकास के लाभों में समान रूप से हिस्सा लेने का अधिकार मिले. संसाधनों पर पहला अधिकार उनका होना चाहिए. हमें ऐसी योजनाएं बनानी होंगी.'मंडल ने कहा कि इससे एक खास वर्ग के प्रति कांग्रेस के अगाध प्रेम को समझा जा सकता है. मनमोहन सिंह ने यह बयान गलती से नहीं दिया था, बल्कि जानबूझ कर दिया था, क्योंकि 13 अप्रैल 2009 को फिर से मनमोहन सिंह ने मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस में एक प्रश्न का जवाब देते हुए अपने बयान को सही ठहराया था.

एसटी-एससी, ओबीसी के अधिकारों पर डाका डालना कांग्रेस की पुरानी आदत

विधायक मंडल ने कहा कि कांग्रेस की एसटी, एससी और ओबीसी के अधिकारों पर डाका डालने की आदत बहुत पुरानी है. यहां तक कि बाबासाहब भीमराव अंबेडकर ने भी 27 अक्टूबर 1951 को कहा था कि "पिछले 20 वर्षों में पंडित नेहरू ने दो हजार भाषण दिए हैं, लेकिन उन्होंने एक बार भी अनुसूचित जाति के कल्याण के बारे में बात नहीं की है. इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कांग्रेस पार्टी को हमारे लोगों के प्रति कितनी सहानुभूति है. पंडित नेहरू हमेशा मुसलमानों के पक्ष में रहते हैं. हम नहीं चाहते कि मुसलमानों की उपेक्षा की जाए, लेकिन यह जरूर चाहते हैं कि मुसलमानों को अन्य समुदायों की कीमत पर अनुचित लाभ नहीं उठाना चाहिए.

स्क्रूटनी में चार लोकसभा सीटों से 18 प्रत्याशियों के नामांकन रद्द

संवाददाता। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव के पहले चरण को लेकर दाखिल नामांकन पत्रों की शुक्रवार को स्क्रूटनी हुई. इसमें चार लोकसभा सीटों से 18 प्रत्याशियों का पर्चा रद्द कर दिया गया. खूंटी लोकसभा से नौ, लोहरदगा से दो, सिंहभूम से सात प्रत्याशियों का नामांकन रद्द हुआ. पलामू से किसी भी प्रत्याशी का नामांकन रद्द नहीं हुआ. नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी के बाद फिलहाल मैदान में 47 प्रत्याशी बच गये हैं. हालांकि, नाम वापसी की अंतिम तिथि 29 अप्रैल है. इसके बाद कोई भी उम्मीदवार अपना नाम वापस नहीं ले सकता है. वहीं, अगर दाखिल किये गये नामांकन की बात करें, तो सिंहभूम लोकसभा सीट से 21, लोहरदगा से 17, खूंटी से 16 और पलामू से 11 लोगों ने पर्चा दाखिल किया था.

लोहरदगा लोकसभा सीट से बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रत्याशी ललित उरांव व निर्दलीय प्रत्याशी

एतवा उरांव का नामांकन रद्द किया गया. वहीं खूंटी से अबुआ झारखंड पार्टी के सोमा मुंडा, भागीदारी पार्टी के जयपाल मुंडा, अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के समड़ोम गुड़िया, अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के सामुएल पूर्ति, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया के थॉमस डांग, झारखंड पार्टी के प्यारा मुंडू, लोकहित अधिकार पार्टी के काशीनाथ संगा, निर्दलीय उम्मीदवार सुबोध पूर्ति और अहलाद का नामांकन रद्द कर दिया गया.

बताया गया कि उम्मीदवारों का पर्चा अलग -अलग कारणों से रद्द हुआ है. इस संबंध में खूंटी के डीसी ने बताया कि कई उम्मीदवारों के प्रस्तावकों की संख्या कम थी, तो कुछ के एफिडेविट में कमियां पायी गयीं. वहीं लोहरदगा लोकसभा सीट की बात करें, तो गुमला के डीसी कर्ण सत्यार्थी ने इस संबंध में मीडिया को विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने कहा कि भरे गये नामांकन प्रपत्र में दो उम्मीदवारों की जानकारियां आधी-अधूरी थीं, इस वजह से उनका पर्चा अस्वीकृत किया गया. हालांकि इस सीट से कुल 18 लोगों ने नामांकन प्रपत्र खरीद था. लेकिन एक प्रत्याशी ईकुस धान नामांकन नहीं कर पाये.

खास बातें

- फिलहाल 47 उम्मीदवार मैदान में, नाम वापसी की अंतिम तिथि 29 अप्रैल
- पलामू से सभी 11 प्रत्याशियों का नामांकन पूरी तरह से सही पाया गया

चतरा: चतरा लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पांकी के विधायक डॉ एसपीबी मेहता सहित अन्य नेताओं के साथ.

सिंहभूम संसदीय सीट से सात नामांकन रद्द, 14 वैध

किरीबुरु। सिंहभूम संसदीय सीट के प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी में सात परचा को रदद कर दिया गया। 14 नामांकन पत्र वैध पाये गये । वहीं 29 अप्रैल तक नाम वापसी के बाद प्रत्याशियों के बीच चुनाव चिन्ह का वितरण किया जायेगा. वैध पाये गये नामांकन पत्रों में भाजपा से गीतो कोड़ा.झामुमो से जोबा मांझी, बसपा सेपरदेशीलाल मुंडा, झामुमो (उलगुलान) से कृष्णा मार्डी, झापा से चित्रसेन सिंकू, सोशलिस्ट युनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कॉम्युनिस्ट) सेपानमनि सिंह,राइट टू रिकॉल पार्टी से बीर सिंह देवगम, बेडकरराइट पार्टी ऑफ इंडिया से विश्व विजय मार्डी, पीपल्स पार्टी ऑफ़ इंडिया (डेमोक्रेटिक) सेसुधा रानी बेसरा, वहीं निर्दलीय प्रत्याशी के रूप मेंआशा कुमारी रूण्डा, दामोदर सिंह हांसदा, दुर्गा लाल मुर्मू,माधव चंद्र कुंकल,संग्राम माडी के नाम शामिल है. वहीं नाम वापसी की अंतिम तिथि- 29 अप्रैल को अपराह्न 3बजे तक. प्रतीक चिन्ह- 29 अप्रैल को अपराह्न 3 बजे से आवंटित किया जायेगा. स्क्रूटनी में अयोग्य पाए गए अभ्यर्थी में जोन मिरन मुंडा निर्दलीय ,पार्वती किस्कु निर्दलीय ,सुभद्रा बिरुवा निर्दलीय ,हरि उरांव कलिंगा सेना ,अमित सिंकू निर्दलीय ,सुभद्रा सिंकू लोकहित अधिकार पार्टी,तुराम बाकिरा निर्दलीय के नाम शामिल है.

राजद की बैठक में पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय

पलामू में राजद प्रत्याशी ममता भुइयां को मिलेगा जनता का साथ : कैलाश

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश राजद के पदाधिकारियों की बैठक शुक्रवार को राजद कार्यालय में हुई. बैठक में महागठबंधन की राजद प्रत्याशी ममता भुइयां को चुनाव में विजयी बनाने की रणनीति तैयार की गयी. बैठक में राजद नेताओं ने कहा कि भाजपा पिछले 10 वर्षों से लगातार खोखले वादे कर रही है. न तो बेरोजगार युवाओं को रोजगार दे पा रही है और न महंगाई पर ही काबू पा रही है. राजद कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर केंद्र की भाजपा सरकार की नाकामियों से लोगों को अवगत करना के अपील की गयी.

राजद के प्मरदेश महासचिव कैलाश यादव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री की झूठी गारंटी को जनता

गंभीरता से नहीं ले रही है, देशवासियों को भाजपा पर भरोसा नहीं है, क्योंकि 10 वर्षो के कार्यकाल में भाजपा ने केवल बड़े-बड़े वादे किये, झूठे सपने दिखाये. भाजपा की जनविरोधी नीतियों के कारण आजाद भारत के इतिहास में पिछले 45 वर्षो में पहली बार देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी है. युवा वर्ग अपनी डिग्रियां लेकर भटक रहा है, कहीं भी उन्हें नौकरी नही मिल रही है और न रोजगार का कोई वैकल्पिक साधन मिल रहा है.

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की नाकामियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राजद के लोग पंचायत स्तर पर लोगों को जागरूक करेंगे. पलामू में महागठबंधन से राजद प्रत्याशी को जनता का अपार जनसमर्थन मिल रहा है. निश्चित तौर पर राजद प्रत्याशी ममता भुइयां को जनता का साथ मिलेगा. मौके पर महासचिव आबिद अली, सचिव रामकुमार यादव, श्रमिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुधीर गोप,अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के महासचिव शब्बर फातमी, सचिव शालिग्राम पांडेय, फूलमनी देवी, सनिया बारला आदि मौजूद थे.

फंड की कमी से कार्यकर्ताओं के वाहनों की रफ्तार धीमी

संवाददाता ।किरीबुरु

सिंहभूम संसदीय सीट पर 13 मई को होने वाली मतदान से पूर्व एनडीए सह भाजपा प्रत्याशी सांसद गीता कोड़ा एवं इंडिया सह झामुमो प्रत्याशी पूर्व मंत्री जोबा माझी के समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर वाकयुद्ध व पुराने संपादित वीडिओ को शेयर कर एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप करने का सिलसिला निरंतर जारी है. इस सीट पर मुख्य व कांटे का मुकाबला गीता कोड़ा एवं जोबा माझी के बीच हीं है.चुनाव से पूर्व तक अलग-अलग सोंच व विचारधारा रखने वाले ये कार्यकर्ता आपस में बैठते, घूमते व अन्य मुद्दों पर चर्चा करते रहते थे. लेकिन आज एक-दूसरे प्रत्याशी के खिलाफ तमाम पुराने व नये वीडियो जिससे विपक्षी प्रत्याशी या पार्टी का चिरहरण कर उनकी छवि को धूमिल कर चुनाव में वोटों का नुकसान पहुंचाया जा सकता है वह किया जा रहा है. दूसरी तरफ दोनों प्रत्याशियों के कार्यकर्ताओं में सक्रियता अर्थात चुनाव प्रचार से जुड़ी तेजी का कार्य सारंडा क्षेत्रों में अभी कम देखने को मिल रही है. इसका मुख्य वजह पार्टियों द्वारा फंड नहीं भेजा जाना है. फंड के अभाव में कार्यकर्ताओं के वाहनों की रफ्तार धीमी है. फंड नहीं भेजे जाने का मुख्य वजह स्क्रूटनी अभी तक नहीं होना है. 26 अप्रैल को स्क्रूटनी के बाद यह फंड संभवतः कार्यकर्ताओं के पास आना प्रारम्भ हो जिससे चुनाव प्रचार में तेजी आने की संभावना है. हर तरफ चर्चा आम है कि इस बार का मुकाबला काफी कांटे का होगा.

खास बातें

- सोशल मीडिया पर जारी है आरोप -प्रत्यारोप का दौर
- स्क्रूटनी के बाद चुनाव प्रचार में तेजी आने की संभावना

राजनीति बरवाडीह में लगातार भाजपा नेताओं के निधन से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं दुख

भाजपा के कई नेता असमय हो चुके हैं दिवगंत,पार्टी को हुई है क्षति

मयंक विश्वकर्मा ।बरवाडीह(लातेहार)

हाल के वर्षों में बरवाडीह में भाजपा के कई नेता असमय ही दिवगंत हो गये हैं. उनके दिवगंत होने से पार्टी में एक रिक्तता आ गयी है. भाजपाई से संगठन के लिए अपूरणीय क्षति मान रहे हैं. दो दिन पूर्व भाजपा के मंडल महामंत्री प्रदीप सिंह की असमय मौत हो गयी. तीन वर्ष पूर्व बरवाडीह में भाजपा मंडल अध्यक्ष व जुझारू कार्यकर्ता जयवर्द्धन सिंह की भी हत्या कर दी गई थी. जयवर्द्धन सिंह की मौत के बाद बरवाडीह भाजपा कमेटी का स्तंभ ढह गया था. उसे जयवर्द्धन सिंह के काफी करीबी और सहयोगी रहे प्रदीप सिंह ने उसी मुकाम पर खड़ा कर दिया था.

बरवाडीह भाजपा ने खोए कई दिग्गज नेता : पूर्व वन एवं पर्यावरण मंत्री यमुना सिंह को मनिका विधानसभा क्षेत्र से भाजपा पार्टी से लगातार जीत दिलवाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता तार बाबू के गुजर जाने के बाद से बरवाडीह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सरस्वती शिशु मंदिर और अभाविप जैसे भाजपा के सहयोगी संगठन तो पूर्व में ही लड़खड़ा चुके थे. विजय बहादुर सिंह, मानिक चंद्र अग्रवाल, अमरेंद्र नारायण नाथ उर्फ खोखा दादा, जयवर्द्धन सिंह व प्रदीप सिंह जैसे पुराने व समर्पित कार्यकर्ता गुजर गये. जिसके बाद बृजकिशोर प्रसाद व द्वारिका प्रसाद जैसे अनुभवी कार्यकर्ताओं के अपने निजी कारणों से पार्टी से दूरी बनाने के बाद बरवाडीह भाजपा की पूरी कमान अब भाजपा यूथ कमेटी पर ही टिकी हुई दिखती है. ये अपने मकसद पर कितना कामयाब हो पाते हैं, यह तो आगामी चुनावों के नतीजे ही बता सकते हैं.

खास बातें

- तीन वर्ष पूर्व बरवाडीह भाजपा मंडल अध्यक्ष का हुआ था निधन
- तीन दिन पूर्व भाजपा के मंडल महामंत्री का हुआ था निधन

प्रदीप सिंह ने भाकपा माले से की थी राजनीतिक शुरुआत

भाकपा माले से अपनी राजनीतिक जीवन का शुभारंभ करने वाले प्रदीप सिंह ने गांव से शहर तक एक मजबूती से एक लीडर के रूप में अपनी पहचान बनाई थी. बाद में नक्सलियों के गढ़ रहे बरवाडीह जैसे क्षेत्र में विषम परिस्थिति में भी प्रदीप सिंह ने भाजपा की राजनीति कर पार्टी को दो बार मनिका विधानसभा में जीत दिलवाने में अहम भूमिका अदा की थी.

अज्ञात कार भीड़ में घुसी एक की मौत, चार घायल

गुमला। रायडीह में गुरुवार देर रात मटकोड़ की रस्म के बाद नाचते गाते घर लौट रहे भीड़ में एक अज्ञात कार ने चार लोगों को रौंदते हुए पार हो गया. कार की चपेट में आने से ढोल बजा रहे छटकू नायक (60) की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. मृतक सिलम पाकरटोली का रहने वाला था. घायलों में इसके टीम के दो सदस्य महावीर महली और नंदा महली शामिल हैं, जबकि शादी समारोह में भाग लेने आयी महिला नवागढ़ पतराटोली निवासी सुहाना देवी भी घायल हो गयी. दुर्घटना के बाद चालक कार लेकर भागने में सफल रहा. घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया गया है.

आशीष मिश्रा गिरोह के तीन गुर्गे हथियार के साथ धराये

- हत्या, रंगदारी और लूट मामले में सभी थे शामिल

संवाददाता। देवघर

पुलिस ने हत्या, रंगदारी और लूट मामले में शामिल तीन अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने शुक्रवार को टाउन मोहल्ला में कार्रवाई की. इस दौरान कुख्यात अपराधी आशीष मिश्रा गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अपराधियों में बउआ सिंह, मुन्ना सिंह और धर्मेंद्र सिंह शामिल है. पकड़े गये अपराधियों के पास से देसी पिस्टल और छह जिंदा कारतूस जब्त किया गया है. ये सभी अपराधी दुकानदार और ठेकेदारों को डरा धमका कर रंगदारी मांग रहा था. तीनों अपराधकर्मियों का कई थानों में हत्या, रंगदारी एवं लूट के मामले दर्ज हैं. कुख्यात आशीष मिश्रा गिरोह के सक्रिय सदस्य बाबा सिंह 24 अप्रैल को ही एक मामले में जेल से छूटकर बाहर आया था. बाहर आने के बाद अपना वर्चस्व फिर से कायम करने के उद्देश्य से इस तरह का अपराधिक घटनाओं का कार्य कर रहा था.

यह कैसा नरेटिव !

भारतीय लोकतंत्र की वैश्विक साख रही है. दुनिया की बड़ी से बड़ी शक्ति भी भारत की लोकतांत्रिक नैतिकता, संवैधानिक गरिमा और मानवीय मूल्यों के प्रति आदर करती रही है. लेकिन इस साल दुनिया के जिन 64 देशों में चुनाव हो रहे हैं या हो चुके हैं, हर जगह लोकतंत्र एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है. इसमें भारत भी एक है. भारत के लोकतंत्र को ले कर देश के भीतर और बाहर जिस तरह की चिंता व्यक्त की जा रही है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और न ही हल्के में लिया जा सकता है. भारत में संवैधानिक संस्थानों की निष्पक्षता की कड़ी परीक्षा हो रही है. खास कर चुनाव आयोग की. एक ऐसा चुनाव आयोग जिसके दो सदस्यों को जल्दबाजी में जिस तरह नियुक्त किया गया, उससे कई सवाल उठे. इसके साथ चुनावी प्रचार में जिस तरह खुल कर सांपद्रायिक कार्ड खेला जा रहा है, वह भी गंभीर चिंता की बात है. प्रधानमंत्री मछली, मुसलमान से होते हुए अब मंगलसूत्र पर आ गए हैं. सवाल है कि प्रधानमंत्री के इन बयानों से देश में जिस तरह के नफरत का माहौल बन रहा है, उसका दूरगामी असर क्या होगा. एक जमाना था जब जवाहर लाल नेहरू प्रचार अभियान के तहत लोक शिक्षण पर जोर देते थे. यहां तक कि वे अपनी पार्टी के लिए वोट देने की अपील तक नहीं करते थे. तब देश में हर हाल में चुनाव में जीत हासिल करना मकसद नहीं था. उस दौर में कारपोरेट ताकतें प्रभावी भी नहीं थीं और सत्ता उन्हें नियंत्रित करती थी. आज के महौल में ऐसा नहीं कहा जा सकता कि प्रत्येक दल के लिए चुनावी समतल जमीन मुहैया करायी गयी है. मीडिया का एक बड़ा हिस्सा एक तरफा नरेटिव बनाने में लगा है और देश में सार्थक संवाद का माहौल है ही नहीं. सवाल है कि आखिर भाजपा ने पहले दौर के चुनाव के बाद जिस तरह का नरेटिव प्रस्तुत किया है उसकी हकीकत की जांच करने की जरूरत है. अर्बन नक्सल, माओवादी और कम्युनिस्ट- इन तीन शब्दों से भयाक्रांत करने की रणनीति भाजपा ने अपनाई है. बताने की कोशिश यह है कि ये तीनों शब्द जिस विचारधारा या एजेंडे से जुड़े हैं, उसकी नुमाइंदगी अब कांग्रेस- और प्रकारांतर में इंडिया गठबंधन कर रहा है. लेकिन यह वास्तविकता से कोसो दूर का मामला है. चुनावों में निकष पर लोकतंत्र, संविधान और समावेशी भारत की अवधारणा है. होना तो यह चाहिए कि प्रधानमंत्री के नाते नरेंद्र मोदी चाहें, तो ऐसे विमर्श की शुरुआत कर सकते हैं, जिससे देश के लोग अपना सही रास्ता चुनने के लिए बौद्धिक रूप से सशक्त हों. मगर उन्होंने इसके जरिए भयाक्रांत करने की रणनीति अपनाई है. क्यों? क्या इसलिए कि उनके और उनकी पार्टी के पास कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं है? मछली,मुसलमान और मुगलसूत्र भी इसी नरेटिव का हिस्सा है. दरअसल यही त्रासदी है कि चुनावों में राजनीतिक-आर्थिक मुद्दों के बजाय भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले सवालों को सत्ता पक्ष ने आगे किया है. मतदाताओं की जागरूकता ही इस देश के लोकतंत्र, संविधान और मानवीय गरिमा की रक्षा कर सकती है.

> सवाल है कि आखिर भाजपा ने पहले दौर के चुनाव के बाद जिस तरह का नरेटिव प्रस्तुत किया है उसकी हकीकत की जांच करने की जरूरत है. अर्बन नक्सल, माओवादी और कम्युनिस्ट- इन तीन शब्दों से भयाक्रांत करने की रणनीति भाजपा ने अपनाई है.

सुभाषित

विद्वत्वं च नृपत्वं च नैव तुल्यं कदाचन् ।
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान सर्वत्र पूज्यते ॥

राजत्व प्राप्ति और विद्वत्व प्राप्ति की किंचित मात्र भी तुलना नहीं हो सकती, क्योंकि राजा की पूजा केवल उसके अपने देश में ही होती है, जबकि विद्वान की पूजा सर्वत्र (पूरे विश्व में) होती है, क्योंकि विद्वान को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है.

सुन रहे हैं बाबा अंबेडकर!

कुछ ही दिनों पहले देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि हमारे पास चुनाव लड़ने लायक पैसे नहीं हैं. इसी झारखंड में कड़िया मुंडा जैसे सामाजिक और राजनीतिक नायक हैं, जो कहा करते थे कि कुछ हजार रुपये में वे चुनाव निकाल लिया करते थे. अब संसदीय चुनाव के लिए 95 लाख रुपये तक खर्च करने की हद तय कर दी गई है. जनबल हो न हो, धनबल जरूरी है. बाहुबल की महिमा अपरम्पार है ही. सुन रहे हैं न बाबा अम्बेडकर, यह सूरत हो गई है आपके इंडिया दैट इज भारत की!

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

वह भी कोई जमाना था, जब महात्मा गांधी थे, अंबेडकर थे, राजेंद्र बाबू थे, पं. नेहरू थे, श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे और ऐसे ही अनेक लोग थे. अब? उन्होंने जो राह दिखायी थी, उस पर जैसे-तैसे चलते हुए हम 18वें चुनाव के दौर से गुजर रहे हैं, तब एक बार पीछे मुड़कर देखने का समय तो है ही. हम कहां से कहां पहुंच गये! उनका दौर सिद्धांत, विश्वास और मर्यादा का था. हम दलबदल, हॉर्स ट्रेडिंग और सर्वथा अविश्वास के दौर वाले हैं. 19 अप्रैल को जब पहले चरण का मतदान हुआ तो नगालैंड के छह जिलों के चार लाख से अधिक मतदाताओं में से एक ने भी वोट नहीं डाला. यहां तक कि इन जिलों के 20 विधायक भी अपने-अपने घरों में जमे रहे. 16 जिलों वाले इस राज्य में 60 विधानसभा सीटें हैं और केवल एक लोकसभा क्षेत्र. जिन छह जिलों में वोट नहीं पड़े, उनमें तीस फीसद आबादी रहती है. फ्रंटियर नगालैंड बनाने की मांग को लेकर ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स आर्गेनाइजेशन की धमकियों के कारण चुनाव महापर्व की यह दशा रही. हम गजब भयमुक्त स्टेट के वाशिंदे हैं. उसी दिन मणिपुर में वोटिंग के दौरान वोट भी पड़े और तांडव भी हुआ. एक दूसरी तस्वीर याद करिए. दो महीने पहले फरवरी में चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में क्या-क्या नहीं हुआ था? सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद पूरी तस्वीर बदल गई. जिसे पराजित दिखाया गया था, वही विजयी हुआ. 22 अप्रैल को सूरत में एक और सूरत नजर आई. बसपा प्रत्याशी सहित आठ उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिए, कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद हो गया और बचा एकमात्र भाजपा प्रत्याशी बिना चुनाव के विजयी रहा. कांग्रेस प्रत्याशी के प्रस्तावकों के दस्तखत फर्जी थे तो इस धोखाधड़ी के लिए केस क्यों नहीं किया गया? ऐसा कहीं होता है कि एक साथ आठ-आठ प्रत्याशी अपने पर्चे वापस ले लें! सुन रहे हैं बाबा अंबेडकर, अपने संविधान और अपने देश की दशा-दिशा!

कहानी झारखंड की.14 सीटों पर चुनाव में तीन बड़े दलों भाजपा, झामुमो और कांग्रेस ने अपने नौ विधायकों को उतारा है. झामुमो के चमरा लिंडा यानी राज्य के दसवें विधायक 24 अप्रैल को बागी बनकर लोहरदगा के मैदान में कूद पड़े. इन दलों के संचालक डींगें हांकते नहीं थकते कि हम बूथ-बूथ तक फैले हैं. रोना यह कि सक्षम कार्यकर्ताओं के अभाव में दलबदलुओं और केस-मुकदमों से लदे-फदे लोगों पर भी दांव खेलना पड़ रहा है. दोनों गठबंधनों के अबतक के 27 उम्मीदवारों में आधे भी ऐसे नहीं, जिन पर दलबदलू का ठप्पा न लगा हो. इनमें कम से कम एक दलबदलू उम्मीदवार हॉर्स ट्रेडिंग के मुकदमे के दौर से गुजर रहा है. केस-मुकदमों के बोझ से दबे, कुछ मामलों में सजायाफ्ता होने पर भी अन्य जनाब चौड़े हैं.

कुछ ही दिनों पहले देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि हमारे पास चुनाव लड़ने लायक पैसे नहीं हैं. इसी झारखंड में कड़िया मुंडा जैसे सामाजिक और राजनीतिक नायक हैं, जो कहा करते थे कि कुछ हजार रुपये में वे चुनाव निकाल लिया करते थे. अब संसदीय चुनाव के लिए 95 लाख रुपये तक खर्च करने की हद तय कर दी गई है. जनबल हो न हो, धनबल जरूरी है. बाहुबल की महिमा अपरम्पार है ही. सुन रहे हैं न बाबा अंबेडकर, यह सूरत हो गई है आपके इंडिया दैट इज भारत की!

इसी हफ्ते एक राजनेता ने बड़े गर्व से कहा कि पहले भारत को गरीबों का देश कहा जाता था. अब नहीं कहा जाता न! 140 करोड़ आबादी में 81.5 करोड़ जन मुफ्त के पांच किलो अनाज पर खुशहाल (!) जीवन गुजार रहे हैं. हमारी संवदेनशील, धर्मात्मा, दयालु सरकार ने अगले पांच वर्षों तक उन्हें यह खुशहाली बख्शने का ऐलान कर रखा है. हम गरीब से कब अमीर हो गये, पता ही न चला. सियासी दलों पर जिस प्रकार चुनावी चंदे की बरसात हुई और जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया, उसको देखते हुए कह सकते हैं कि हम वाकई अमीर हो गये. आखिरकार वे दल हमारे ही हैं, हमसे ही हैं और हमारे लिए ही हैं. उन पर अमीरी तारी है तो मान लिया जाना चाहिए कि हम अमीर हो गये. सुन रहे हैं न बाबा अंबेडकर!

इस अहम चुनाव के अभी पांच चरण बाकी हैं. महंगाई, बेरोजगारी, जन सुविधाओं से दूर इस चुनाव के पहले चरण के बाद ही सभी पक्षकारों के लीडरान कैसे-कैसे वचन उवाचने लगे थे, बाबा अंबेडकर की आत्मा ने जरूर सुना होगा और माथा पीट लिया होगा. उसने तो कुछ अरसा पहले शायद उसी दिन दीवार पर सिर दे मारा होगा, जब कहा गया था: अजित दादा जेल में चक्की पिसिंग-पिसिंग और अगले दो-चार दिनों में उसी अजित दादा को वित्त मंत्री बना दिया गया. अपने सियासी पार्टियों की स्थिति, को बड़-छोट कहत अपराधू वाली बन गई है. है न, बाबा अंबेडकर!

पुनश्च : हैट्रिक लगा चुके भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गोड्डा सीट से कांग्रेस द्वारा भाजपा और जेवीएम से घूम-टहल कर आये प्रदीप यादव को प्रत्याशी बनाये जाने पर लहालोट होकर 22 अप्रैल को कहा, प्रचार बंद, अब चाय, नाश्ता और क्रिकेट. काश, हर प्रत्याशी ऐसा ही करता! रघुकुल रीति का जाप करनेवाले निशिकांत अपने वचन पर अडिग तो रहेंगे ही. उम्मीद की जानी चाहिए, वे यह मिसाल कायम करके दम लेंगे. चुनाव खर्च के वैध 90-95 लाख रुपये बच जाएंगे. बाबूलाल मरांडी और जेपी नड्डा इसे नोट कर लें कृपया.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

वर्जनाओं के निहितार्थ

एक राजा को पागलपन की हद तक आम खाने का शौक था. इस शौक की अतिशय आसक्ति के कारण उन्हे, पाचन विकार की दुर्लभ व्याधि हो गई. वैद्य ने राजा को यह कहते हुए, आम खाने की सख्त मनाही कर दी कि "आम आपके जीवन के लिए विष के समान है." राजा का मनोवांछित आम, उसकी जिन्दगी का शत्रु बन गया. एक बार राजा और मंत्री वन भ्रमण के लिए गए. काफी घूम लेने के बाद, गर्मी और थकान से चूर राजा को एक छायादार स्थान दिखा तो राजा ने वहां आराम के लिए लेटने की तैयारी की. मंत्री ने देखा, यह तो आम्रकुंज है, यहां राजा के लिए ठहरना या बैठना उचित नहीं. मंत्री ने राजा से कहा, "महाराज! उठिए, यह स्थान भयकारी और जीवनहारी है, अन्यत्र चलिए." इस पर राजा का जवाब था, "मंत्री जी! वैद्यों ने आम खाने की मनाही की है, छाया में बैठने से कौन-सा नुकसान होने वाला है? आप भी बैठिए." मंत्री बैठ गया. राजा जब आमों को लालसा भरी दृष्टि से देखने लगा तो मंत्री ने फिर निवेदन किया, "महाराज! आमों की ओर मत देखिए." राजा ने तनिक नाराजगी से कहा, "आम की छाया में मत बैठो, आम की ओर मत देखो, यह भी कोई बात हुई? निषेध तो मात्र खाने का है" कहते हुए पास पडे आम को हाथ में लेकर सूंघने लगा. मंत्री ने कहा, "अन्नदाता! आम को न छूएं, कृपया इसे मत सूंघिए, अनर्थ हो जाएगा. चलिए उठिए, कहीं और चलते है." "क्या समझदार होकर अतार्किक सी बात कर रहे हो, छूने, सूंघने से आम पेट में नहीं चला जाएगा." कहते हुए राजा आम से खेलने लगे. खेल खेल में ही राजा नें आम का बीट तोड़ा और उसे चखने लगे. मंत्री भयभीत होते हुए बोला, "महाराज! यह क्या कर रहे हैं?" अपने में ही मग्न राजा बोला, "अरे थोड़ा चख ही तो रहा हूं. थोड़ा तो विष भी दवा का काम करता है." लेकिन राजा संयम न रख सका और पूरा आम चूस लिया. खाते ही पेट के रसायनों में विकार हुआ और विषबाधा हो गई. धरापति वहीं धराशायी हो गया. वर्जनाएं, अनाचार तथा अनैतिकताओं से जीवन को बचाकर, मूल्यों को स्वस्थ रखने के उद्देश्य से होती हैं. इसीलिए वर्जनाओं का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है. जो लोग बिना दूर दृष्टि के सीधे ही वर्जनाओं के प्रतिकार का मानस रखते हैं, क्षणिक तृष्णाओं के वश होकर, स्वछंदता से जोखिम उठाने को तो तत्पर हो जाते हैं, लेकिन दूसरी तरफ अनैतिक व्यक्तित्व के प्रकट होने से भयभीत भी रहते हैं. इस तरह वे ही अक्सर द्वंद्व में दुविधाग्रस्त हो जाते है. दुविधा, विवशता और निर्णय निर्बलता के फलस्वरूप ही मानसिक कुंठा पनपती है. दृढ-प्रतिज्ञ को आत्मसंयम से कोई परेशानी नहीं होती.

एआई के प्रसार से बढ़ा जैविक हथियारों का खतरा

• विज्ञान

मुकुल व्यास

दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जोर बढ़ रहा है. कृत्रिम बुद्धि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जड़ें फैला रही है. हालांकि स्वास्थ्य, विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में इसके नवीनतम प्रवेश ने उत्साह के साथ-साथ कुछ चिंता भी पैदा की है. क्या एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन किसी दिन जैविक हथियारों की तरह खतरा पैदा कर सकते हैं? यह उन शोधकर्ताओं के मन में सवाल है, जो अब प्रोटीन डिजाइन प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों की वकालत कर रहे हैं. पूरी तरह से नए प्रोटीन का मंथन करने में सक्षम एआई टूल किसी साइंस फिक्शन फिल्म की तरह लगते हैं, लेकिन यह आज एक वास्तविकता है. वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर सहित कई वैज्ञानिक विशिष्ट कार्यों के लिए प्रोटीन डिजाइन करने के लिए एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं. एआई के प्रोटीन डिजाइन का उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने से लेकर दवाओं की लक्षित डिलीवरी के लिए किया जा रहा है. इसके उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं. हालांकि, संभावित खतरे भी बहुत चिंताजनक हैं. इन चिंताओं को दूर करने के लिए बेकर और अन्य शोधकर्ताओं ने प्रोटीन डिजाइन में एआई के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की है. उनका लक्ष्य सरल है. वे इस शक्तिशाली टूल को गलत हाथों में पड़ने या गलत तरीके से दुरुपयोग होने से रोकना चाहते हैं. बेकर का ग्रुप अपने प्रयास में अकेला नहीं है. दुनियाभर के विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हो रहे हैं कि जैव प्रौद्योगिकी में एआई के उपयोग के साथ समुचित सुरक्षा उपाय होने चाहिए. इस तरह के स्वैच्छिक दिशानिर्देश सही दिशा में स्वागतयोग्य कदम हैं. हालांकि, कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए अधिक ठोस उपायों की आवश्यकता है. अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के वैश्विक स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ मार्क डायबुल ने इन स्वैच्छिक प्रयासों के साथ-साथ सरकारी हस्तक्षेप के महत्व पर भी जोर दिया है. उनका कहना है कि जब सार्वजनिक सुरक्षा के मामलों की बात आती है, तो अनुपालन और जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए एक नियामक ढांचा आवश्यक हो जाता है. हमें सरकारी कार्रवाई और नियमों की ज़रूरत है. केवल स्वैच्छिक मार्गदर्शन से काम नहीं चलेगा. जैविक युद्ध में एआई के संभावित खतरों की तरफ इशारा करने वाली हालिया रिपोर्टों से भी इस मुद्दे पर तत्काल विचार करना जरूरी हो गया है. अल्फाफोल्ड जैसे एआई प्रोग्राम के साथ प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी करना आसान हो गया है. चिंता की बात यह है कि ये प्रौद्योगिकियां अनजाने में खतरनाक रोगजनकों या विषाक्त पदार्थों के निर्माण की सुविधा प्रदान कर सकती हैं. एआई से डिजाइन किए गए प्रोटीन के संभावित लाभ बहुत अधिक हैं. अगर वे गलत हाथों में पड़ जाएं तो जोखिम भी बहुत हैं. यही कारण है कि बेकर और उनके सहयोगियों की पहल सक्रिय उपायों पर जोर देती है. लेकिन बेकर का कहना है कि एआई क्षेत्र के विनियमन के लिए सरकारी कानून बहुत कड़े नहीं होने चाहिए. कड़े नियम उन दवाओं, टीकों और सामग्रियों के विकास को सीमित कर सकते हैं, जो एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन से उत्पन्न हो सकती हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि एआई-जनित खतरों से बचाव के लिए ऐसे एआई मॉडल होने चाहिए जो समय पर इन खतरों का पता लगा सकें. एआई का उपयोग लंबे समय से दवा की खोज के लिए किया जाता रहा है. इसके जरिए सबसे कम विषाक्तता वाले चिकित्सीय अणु की खोज की जाती है. जब वैज्ञानिकों की एक टीम ने विषाक्तता को बढ़ाने के लिए निर्धारित मानदंड को उलट दिया, तो एल्गोरिदम ने न केवल वीएक्स (अस्तित्व में सबसे शक्तिशाली जहरों में से एक) उत्पन्न किया, बल्कि नए विषाक्त पदार्थों को भी उत्पन्न किया, जिनके अधिक विषाक्त होने की भविष्यवाणी की गई थी. विषाक्तता के अलावा, एआई वायरस की संचरण क्षमता को भी बढ़ा सकती है और यह अक्सर महामारी फैलाने वाले वायरसों पर शोध करने वाली प्रयोगशालाओं में किया जाता है. जरा इबोला वायरस के रोगियों की मृत्यु दर के साथ कोविड-19 की संक्रामकता की कल्पना कीजिए. स्पष्ट हो जाएगा कि जैविक हथियारों की मारक क्षमता कितनी भयावह हो सकती है. एआई का उपयोग महामारी के प्रसार का अनुकरण करने के लिए भी किया जा सकता है जो क्वारंटीन के उपायों को लागू करने और परीक्षण संसाधनों को सुनिश्चित करने में उपयोगी हो सकता है.

> वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर सहित कई वैज्ञानिक विशिष्ट कार्यों के लिए प्रोटीन डिजाइन करने के लिए एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं. एआई के प्रोटीन डिजाइन का उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने से लेकर दवाओं की लक्षित डिलीवरी के लिए किया जा रहा है. इसके उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं. हालांकि, संभावित खतरे भी बहुत चिंताजनक हैं.

युवा श्रम शक्ति को चाहिए यथोचित काम

• रोजगार

रवींद्र पटवाल

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने भी भारत के जनसांख्यकीय लाभांश के 2036 तक कायम रहने की बात कही है. उसके अनुसार 2021 तक भारत के पास 27% युवा आबादी थी, जो 2036 तक घटकर 21% रह जाने वाली है. अगर भारत को भी चीन की तरह अपने जनसांख्यकीय लाभांश का लाभ उठाना है तो उसे हर कीमत पर देश में उपलब्ध युवा श्रम शक्ति को यथोचित काम उपलब्ध कराने पर अपनी उर्जा लगानी चाहिए. क्योंकि 2050 तक आते-आते भारत भी बूढ़ों के देश की दिशा में अग्रसर हो जायेगा, जिसमें अपेक्षाकृत कम युवाओं के कंधों पर एक बड़ी आबादी का बोझ होगा. आईएलओ ने भी अपरेंटिसशिप की वकालत करते हुए भारत के युवाओं को जल्द से जल्द श्रम बाजार में शामिल करने का सुझाव दिया है. हालांकि एनडीए शासन में भी 1961 के बाद 2019 में अपरेंटिसशिप कानून में आवश्यक सुधार लाकर इसे ज्यादा प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाए गये हैं. इसके तहत हर औद्योगिक या व्यावसायिक संस्थान, जिसमें 30 या अधिक संख्या में श्रम शक्ति कार्यरत है, को हर वित्तीय वर्ष के दौरान 2.5% से लेकर 15% अपरेंटिसशिप को लागू करना होगा. इसमें से 5 प्रतिशत फ्रेशर्स और कौशल प्रमाणपत्र हासिल करने वाले युवाओं को भर्ती करना होगा. इसके अलावा केंद्र सरकार की ओर से शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किये गये कार्यक्रम, नेशनल अपरेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम (एनएपीएस) और नेशनल अपरेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम (एनएटीएस) के तहत फ्रेश बीटेक स्नातकों, डिप्लोमाधारकों और सामान्य स्नातकों के लिए अपरेंटिसशिप कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी. लेकिन मोदी सरकार के तहत इस कानून को लागू करने को लेकर कोई ठोस योजना नहीं बनाई जा सकी. पिछले महीने केंद्र सरकार की नींद तब खुली, जब कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान अपनी गारंटियों में अपरेंटिसशिप कानून के माध्यम से हर शिक्षित युवा को एक वर्ष तक रोजगार की गारंटी देने का वादा किया. केंद्र सरकार ने तत्काल 2019 कानून का हवाला देते हुए अपरेंटिसशिप पोर्टल पर पंजीकृत करीब 1.80 लाख कंपनियों को नोटिस भेजकर अपरेंटिसशिप कानून के तहत अपने-अपने कोटे के तहत युवाओं को शामिल करने का निर्देश दिया है. बिजनेस स्टैण्डर्ड अख़बार के मुताबिक इनमें से मात्र 20,000 कंपनियां ही इस नियम का पूरी तरह से पालन कर रही हैं, जबकि 44,000 आधे-अधूरे तरीके से पालन कर रही हैं.

> कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र की ड्राफ्टिंग कमेटी के एक प्रमुख सदस्य और आल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती के अनुसार, अगर देश में उनकी सरकार बनती है तो 25 वर्ष या उससे कम उम्र के हर युवा डिप्लोमा या समकक्ष को उनकी सरकार अपरेंटिसशिप कानून के तहत एक वर्ष के लिए रोजगार की गारंटी मुहैया कराएगी.

अपरेंटिसशिप एक्ट की धारा 30 के तहत यदि किसी कंपनी के द्वारा नियम का पालन नहीं किया जाता है तो पहले 3 माह तक उसे प्रति अपरेंटिस पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जायेगा, जो तीन माह बाद बढ़कर प्रतिमाह 1,000 रुपये वसूला जायेगा. इस कानून के तहत स्नातक स्तर वाले अपरेंटिस कर्मी को 9,000 प्रतिमाह और स्कूली स्तर तक पढ़ाई करने वाले प्रशिक्षु के लिए 5,000 रूपये प्रतिमाह का प्रावधान किया गया था. कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र की ड्राफ्टिंग कमेटी के एक प्रमुख सदस्य और आल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती के अनुसार, अगर देश में उनकी सरकार बनती है तो 25 वर्ष या उससे कम उम्र के हर युवा डिप्लोमा या समकक्ष को उनकी सरकार अपरेंटिसशिप कानून के तहत एक वर्ष के लिए रोजगार की गारंटी मुहैया कराएगी, और इसके बदले में उन्हें एक साल में एक लाख रूपये का मेहनताना दिया जायेगा. इस बारे में उन्होंने बड़े पैमाने पर उद्योगों और उद्योग संगठनों सहित एमएसएमई से वार्ता की है, जो अपेक्षाकृत कम खर्च में प्रशिक्षु युवा स्कीम को अपने लिए फायदेमंद मान रहे हैं. उनका अनुमान है कि करीब 10 लाख कंपनियों को इसके तहत लाया जा सकता है और शुरू में 30 से 40 लाख युवाओं की ओर से इस स्कीम तहत रोजगार की मांग को आसानी से पूरा किया जा सकता है. सरकार और सेवा प्रदाता के बीच में अपरेंटिसशिप करने वाले युवाओं का खर्च साझा कर सरकार, सेवा प्रदाता और देश के युवा सभी के लिए यह स्कीम लाभदायक होने जा रही है.निश्चित रूप से कांग्रेस की यह पहल स्वागत योग्य है. इसके माध्यम से न सिर्फ देश के करोड़ों युवाओं को निराशा की गर्त में जाने से बचाया जा सकता है, बल्कि कुशल श्रम शक्ति के अभाव में जिन देशी और विदेशी कंपनियों को अभी तक भारत में निवेश को लेकर अनिच्छुकता बनी हुई थी, वे भी सकारात्मक रुख अख्तियार कर सकते हैं.

मीडिया में अन्यत्र

सेहत का सुरक्षा कवच

भारत जैसे देश में जहां सेवानिवृत्त लोगों व बुजुर्गों के लिये पश्चिमी देशों की तरह चिकित्सा सुविधाओं का कवच नहीं है, वहां लोगों की अंतिम उम्मीद खुद खरीदी गई बीमा पॉलिसियों पर टिक जाती है. लेकिन बीमा कंपनियों के निरंकुश व्यवहार और उपचार के बाद बिलों के भुगतान में किंतु-परंतु के चलते वृद्धों को यह भरोसा नहीं होता कि बीमा कंपनियां उनके उपचार का पूरा पैसा उपलब्ध करा देंगी. बहरहाल, स्वास्थ्य सेवा तंत्र को अधिक समावेशी और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले व्यक्तियों के लिये 65 वर्ष की आयु सीमा को हटा दिया है. हाल ही में एक अधिसूचना में बीमा नियामक ने बीमाकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि वे सभी आयु समूहों के लिये उपयोगी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पेश करें. अकसर देखा गया है कि बीमा कंपनियां व एजेंट अधिक उम्र वाले लोगों को तब जीवन रक्षक पॉलिसी देने से मना कर देते हैं जब उनको इसकी जरूरत होती है. इतनी ही नहीं कंपनी के हित में बनायी गई पुरानी नीतियों के आधार पर कई दावों को खारिज कर दिया जाता है. बीमा नियामक द्वारा बीमा कंपनियों को पहले से निर्धारित स्थितियों के आधार पर दावों को खारिज करने से रोका गया है. बीमा नियामक ने कहा है कि बीमाकर्ता अब कैंसर, हृदय रोग व गुर्दे के काम न करने पर, एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से इनकार नहीं कर सकते. निश्चित रूप से यह तार्किक स्थिति है कि सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सिमटने, शरीर द्वारा साथ न देने व अपनों का साथ छूटने से लाचार व्यक्ति को उपचार के लिये अब चिकित्सा बीमा कवच मिल सकेगा. निस्संदेह, इस तरह के कई गंभीर रोगों से ग्रस्त लोग चिकित्सा बीमा न मिल पाने की स्थिति में गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं. कोरोना संकट के दौरान कई परिवारों के गरीबी के दुश्चक्र में फंसने के मामले सामने आए हैं.निश्चित रूप से बीमा नियामक की यह पहल वक्त की जरूरत के हिसाब से एक कल्याणकारी व्यवस्था की तरफ बढ़ा कदम है. यदि बुजुर्गों को बीमा सुविधा मिलने लगेगी तो वे अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के झटकों को झेलने के लिये पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकते हैं. निश्चित रूप से यह सुविधा उस देश के लिये बदलावकारी हो सकती है जहां कि युवा आबादी बुजुर्ग आबादी की दिशा में बढ़ रही है. **(द ट्रिब्यून)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

फजीलत/फजीहत

काम एक ही है, लेकिन करनेवालों को परिणाम अलग-अलग मिलते हैं. किसी की फजीहत हो जाती है तो किसी को फजीलत की पगड़ी मिल जाती है. यह तो अपनी-अपनी किस्मत की बात है. एक ही काम करने पर अब चाहे जो भी हो, काम तो करना ही होगा. यहां हमारा जिन दो शब्दों से पाला पड़ रहा है, वे हैं फजीलत और फजीहत. इन दोनों शब्दों पर विचार करेंगे, इनसे परिचित होंगे, अब फजीलत और फजीहत से परिचित होते हैं. ये दोनों शब्द अरबी मूल के संज्ञा स्त्रीलिंग हैं. रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार फजीलत का मतलब है बड़ाई, बड़प्पन, बुजुर्गी, प्रधानता, उत्कृष्टता, प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, गौरव, नेकी, भलाई, कमाल खैर, ज्ञान, मदरसा की उच्च शिक्षा की उपाधि. हिंदी शब्द सागर इस शब्द का मतलब बताते हुए इससे बने एक मुहावरे से भी परिचित कराया है. वह मुहवरा है फजीलत की पगड़ी. इसका मतलब है विद्वत्ता सूचक पदक या चिह्न. इस मुहावरे का प्रयोग इस प्रकार किया जाता है-जिन्हें इस हुनर में फजीलत की पगड़ी हासिल है, वे क्या नहीं कर सकते. शब्द सागर से मिली जानकारी के अनुसार मुसलमानों में यह चाल हैकि जब कोई पूर्ण विद्वान होता है और विद्वानों की सभा में अपनी विद्वत्ता को प्रमाणित करता है, तब सबविद्वान या प्रधान उसके सिर पर पगड़ी बांधते हैं, जिसे फजीलत की पगड़ी कहा जाता है. इस पगड़ी को बांधकर वह जिस सभा में जाता है, लोग उसका आदर और प्रतिष्ठा करते हैं. फजीहत प्रचलित शब्द है. हर कोई जानता है कि फजीहत का मतलब दुर्दशा, दुर्गति, अपमान, बदनामी है. आप अगर कोई गलत काम करेंगे तो उसका परिणाम अंततः फजीहत दिलानेवाला ही होगा. बुरे लोगों की संगति भी फजीहत का कारण बनती है. इसी प्रकार अगर किसी बुरी आदत के शिकार हो गये हैं तो आपकी किस्मत में फजीहत ही होगी. गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है-तुलसी परिहरि हरिहरहिं पांवर पूजहिं भूत. अंत फजीहत होहिंगे गनिका के से पूत.

डरिए मत, धड़ल्ले से झूठ बोलिए!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेंद्र वर्मा

एक फिल्मी गाने में यह सलाह दी गई है कि झूठ नहीं बोलना चाहिए और काले कौए से डरना चाहिए, क्योंकि अगर आप झूठ बोलेंगे, तो कौआ आपको काट लेगा. पता नहीं कि कौआ कब से सत्यवादी हो गया, जो झूठ बोलने पर आपको बख्शेगा नहीं और इस 'जघन्य' अपराध के लिए आपको सज़ा देगा. अगर सचमुच ऐसा होता तो कौवों की तो सचमुच बन ही आती और वे हर समय किसी न किसी को काटते ही रहते. क्या कोई कभी बिना झूठ बोले रह सकता है? दुनिया का सारा व्यापार तो झूठ पर ही आधारित है. हर कोई अच्छी तरह समझता है कि सत्य बोलने में कितनी दुश्वारियां हैं. बिना झूठ का सहारा लिए आदमी दो कदम भी चल नहीं सकता. झूठ ही वह लाठी है कि जिसके सहारे वह चल पाता है. यदि दुनिया में झूठ न बोला जाए तो सारे काम ही रुक जाएं. अगर एक पत्नी अपने पति से कहे कि मैं तो आपके चरणों की दासी हूं तो पति को चौकन्ना हो जाने की ज़रूरत है. पर भोला पति बड़ा प्रसन्न हो जाता है. फूल के कुप्पा हो जाता है. उसे पता ही नहीं चलता कि पत्नी अब चौबीस घंटे यह सिद्ध करने में लग जाएगी कि असल में तुम ही चरण-दास हो. ऐसी भला कौन सी पत्नी होगी, जो अपने पति को अक्लमंद मानती हो. वह उसे सदैव मंद-अक्ल ही मानती है और ऐसा मानना उसका जन्म-सिद्ध अधिकार होता है. इसी प्रकार पति बेचारे को भी अपनी पत्नी की प्रशंसा करते हुए उसे बार बार यह बताना पड़ता है कि वह (पत्नी) अत्यंत सुन्दर है. मजा यह है कि दोनों ही अक्लमंदी और सुन्दरता के मुगालाते में रहते हैं और उनका रिश्ता बड़े इत्मीनान से गुज़रता रहता है. विद्वानों के द्वारा झूठ बोलने की जो सलाह दी गई है, उसमें सदियों का अनुभव है. अगर हर समय सत्य ही बोला जाए तो दुनिया एकदम उजाड़ हो जाएगी. इस दुनिया में मानवी-संबंधों को बनाए रखने में और उसे रहने लायक बनाने में झूठ का बहुत बड़ा हाथ है. क्या आप सोचते हैं कि राजनीति बिना झूठ बोले चल सकती है? क्या आप सोच सकते हैं कि बिना झूठे वादे किए नेता लोग नेता बने रह सकते हैं? क्या आप सोच सकते हैं कि पति-पत्नी के बीच बिना झूठ का सहारा लिए सौहार्द कायम रह सकता है? सच्चाई यही है कि हमारी दुनिया झूठ पर ही कायम है. पर एक सूत्र याद रखें. झूठ बोलें तो अपने झूठ पर कायम रहें. जो अपने झूठ पर कायम रहता है, दुनिया उसी को सच्चा मानती है. डरिये मत. धड़ल्ले से झूठ बोलिए. कोई कौआ आपको काटने आने वाला नहीं है.

हस्ताक्षर

फिल्मों के चश्में से यदि देखें तो भारत में लोकतंत्र गौण दिखता है. नायकों को महिमामंडित करती फिल्में समूह की शक्ति प्रदर्शित करने वाले आम चुनाव को हासिए पर रखती हैं. प्रजातांत्रिक व्यवस्था को असफल दिखाना फिल्मों में आम है. आइए, चुनावी मौसम में फिल्मों में लोकतंत्र की स्थिति पर डालें एक नजर

संसदीय लोकतंत्र पर भरोसा जगाती फिल्में

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

हरेक वर्ष बनने वाली लगभग 800 फिल्मों को संदर्भ माना जाय तो यह विश्वास करना कठिन हो सकता है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है. और यदि है भी तो यहां लोकतंत्र सही सलामत चल रहा है. हरेक पांच वर्षों में हो रहे आम चुनाव और उसके बाद होने वाले शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन को जरूर सारा विश्व हसरत और आश्चर्य की निगाह से देखता हो, भारतीय फिल्में आम तौर पर इसके प्रति निरपेक्ष ही रही है. मात्र मनोरंजन को समर्पित भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की यह निरपेक्षता उतनी चिंतित नहीं करती, क्योंकि हमें पता है मानवीय सरोकारों से हमेशा एक सुरक्षित दूरी बनाए रखने की इसने कोशिश की है.

चिंता तब होती है जब भारतीय लोकतंत्र को चित्रित करने, व्याख्यापित करने के लिए अपनी समझ के झरोखे खोलने की यह कोशिश करती है, लेकिन एक भरे-पूरे पूर्वाग्रह के साथ, और अंततः एक गलत निष्कर्ष पर पहुंचते, पहुंचाते हुए फिर अपनी समझ के द्वार बंद कर लेती है. वास्तव में हिन्दी सिनेमा की रूचि नायक को गढ़ने में होती है, उसे पता है कि भारतीय समाज

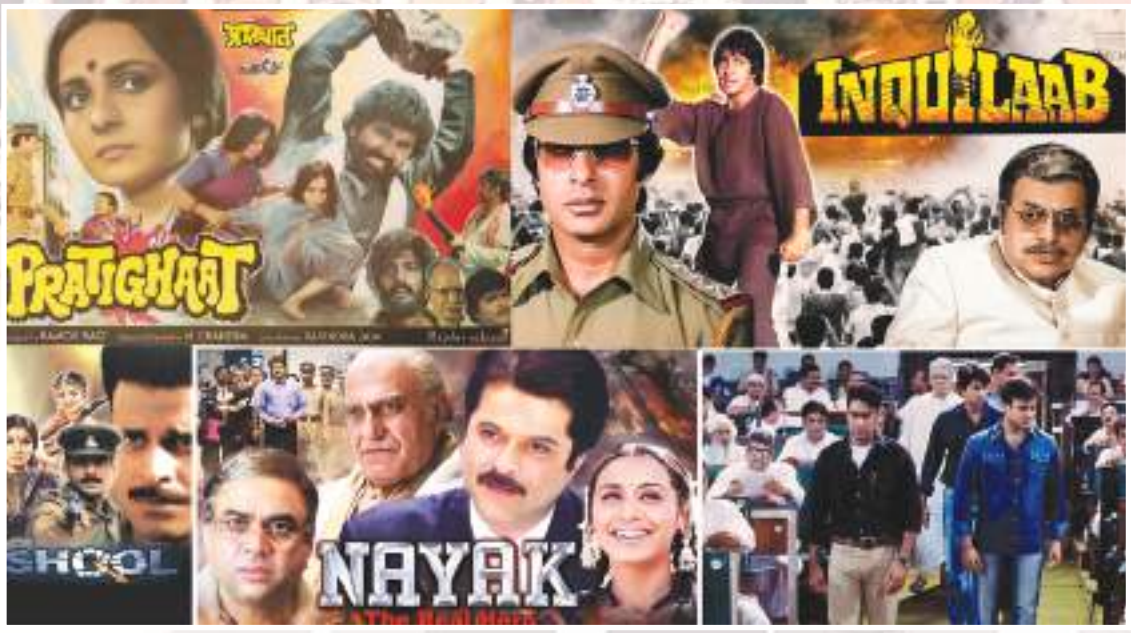

को भी अपनी ताकत से अधिक विश्वास अपने नायक में है. आश्चर्य नहीं कि समूह की शक्ति दिखाने वाले आम चुनाव जैसे अवसर सिनेमा में गौण हो जाते हैं, और उद्धारक के रूप में किसी महामानव की सृष्टि अहम् हो जाती है. चाहे वह 'इन्कलाब' हो या 'शूल' या फिर 'प्रतिघात'. ऐसी अधिकांश फिल्मों में प्रजातांत्रिक व्यवस्था असफल दिखती है.

एन. चन्द्रा की 'प्रतिघात' अपने विद्रोही तेवर के कारण काफी प्रशंसित रही थी. एक व्यक्ति के डर से कांपते शहर में मुकाबले के लिए एक स्त्री आगे आती है. स्त्री को सड़क पर नंगा कर बेइज्जत किया जाता है. लेकिन वह हिम्मत नहीं हारती और आम चुनाव में उस बाहुबली के मुकाबले खड़ी होती है. आम जन की सहमति के बावजूद गुंडे के बाहुबल के सामने वह चुनाव हार जाती है. और तब अंतिम दृश्य में जीत के अवसर पर जुटी आम सभा में वह गुंडे का गरदन धड़ से उड़ा देती है. सही-गलत के फैसले की एक प्रक्रिया होती है. किसी का सर अलग कर देना कभी किसी समाधान की ओर नहीं ले जा सकता.

'नायक' में एक भ्रष्ट मुख्यमंत्री अपने इंटरव्यू ले रहे पत्रकार को एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बनने को आमंत्रित करता है. एक ही दिन में नायक राज्य की अर्थव्यवस्था से लेकर लड़कियों के साथ छेड़खानियां तक के मामला निपटा देता है. 'नायक' लोकतंत्र की आदर्श व्यवस्था को चित्रित करता है, हालांकि तर्क के आधार पर फिल्म हास्यास्पद हो जाती है, लेकिन संतोष इतना ही होता है कि फिल्म बदलाव के रास्ते की तलाश प्रजातंत्र से ही निकालने की कोशिश करती है.

वास्तव में प्रजातंत्र और चुनाव जैसे उसके साधनों के प्रति सिनेमा की यह कैजुअल अभिव्यक्ति कहीं न कहीं हमारी अनमयस्कता को भी अभिव्यक्ति करती है. प्रजातंत्र के प्रति सवाल, अविश्वास हमारे मन में हैं, जिसकी पुष्टि भारत के वोट प्रतिशत भी करते रहे है, तो सिनेमा भी उसी को आकार देने की कोशिश करती है.

यहां पर मणि रत्नम की 'युवा' का स्मरण स्वाभाविक है. माइकेल अपनी राजनीतिक सक्रियता के लिए कॉलेज से निकाल दिया जाता है, लेकिन वह अपने निर्णय पर पश्चाताप नहीं करता. वह युवाओं को सक्रिय राजनीति में आने का आहवान करता है. राजनीतिक गुण्डागर्दी से आतंकित उसके साथी कहते हैं, यह हमारी दुनिया नहीं है, यहां हम कुछ नहीं कर सकते. माइकेल कहता है, यदि इस राजनीति से अपने हिस्से की एक वर्गफुट जगह भी हम साफ-सुथरी बना सके तो संतोष कर सकते हैं. माइकल और उसके साथी चुनाव लड़ते हैं, चुनाव जीत भी जाते हैं, लेकिन उनके लिए जीत महत्वपूर्ण नहीं क्योंकि एक साथी जब मजाक में उन्हें हार की सूचना देता है तो वे उसी सहजता से स्वीकार करते है, कोई बात नहीं, और काम करेंगे हम लोग, लोगों से मिलेंगे, उन्हें वास्तविकता समझायेंगे. संसदीय लोकतंत्र पर युवाओं का अटूट विश्वास संतोष देता है.

यह सच है कि संसदीय राजनीति में हस्तक्षेप आसान नहीं, लेकिन हस्तक्षेप की गुंजाइश तो है. राजनीति की जो धाराएं सिनेमा प्रतिष्ठित करना चाह रही है, वहां से शायद गुंजाइश भी न हो, किसी हस्तक्षेप की.

वायरल किस और 99 का फेर

ऋचा चड्ढा इन दिनों चर्चा में हैं. संजय लीला भंसाली के ड्रीम प्रोजेक्ट 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में तवायफ का रोल किया है. पिछले वर्ष अली फजल के साथ शादी रचाने वाली ऋचा ने इस साल प्रेग्नेंसी की खुशखबरी दी. आइए, ऋचा की हीरामंडी और प्रेग्नेंसी से जुड़ी खबरों पर डालें एक नजर...

बेबी बंप पर लुटा प्यार

हाल ही में हीरामंडी सीरीज का प्रीमियर रखा गया, जिसमें बॉलीवुड से तमाम सितारे पहुंचे. इस मौके पर सीरीज के कास्ट और क्रू के अलावा आलिया भट्ट, अनन्या पांडे, रेखा और सलमान खान जैसे तमाम सिलेब्रिटीज़ पहुंचे थे. इसी इवेंट का एक बेहद क्यूट वीडियो सामने आया है जिसमें प्रेग्नेंट ऋचा चड्ढा के साथ रेखा बातचीत करती नजर आ रही हैं. अचानक रेखा के दिल में प्यार उमड़ा और वे ऋचा के बेबी बम्प को किय करती नजर आईं. किस वाला यह वीडियो इनदिनों इंटरनेट पर वायरल है.

अब डर यह

ऋचा चड्ढा को संजय लीला भंसाली के ड्रीम प्रोजेक्ट 'हीरामंडी : द डायमंड' में रोल करने के बाद डर सताने लगा है. उन्होंने 'हीरामंडी' में लज्जो नाम की तवायफ का रोल किया है. एक इंटरव्यू में ऋचा ने कहा कि अब डर इस बात का सता रहा है कि इस रोल की वजह से आगे टाइपकास्ट तो नहीं हो जाएंगी. इस सीरीज के बाद शायद ऐसे ही रोल ऑफर होने लगे.

शूट में 99 का फेर

ऋचा ने भंसाली के सेट पर एक परफेक्ट शॉट देने में लगे प्रयासों की भी चर्चा की. कहा कि कैसे एक लास्ट मिनट बदलाव की वजह से उन्हें रिहर्सल करने का टाइम नहीं मिला और शूट के उस दिन उन्होंने 99 रीटेक देने पड़े. डायरेक्टर संजय लीला भंसाली को इंडस्ट्री के सबसे इंटेंस फिल्ममेकर्स में गिना जाता है. उनके साथ काम कर चुके रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जैसे एक्टर्स बताते रहे हैं कि वो एक-एक शॉट के लिए कितनी मेहनत करवाते हैं. अब ऋचा ने इस बाबत अपने अनुभ शेयर करते हुए कहा कि हमने एक अलग कोरियोग्राफी तैयार की थी और शूट वाले दिन वो (भंसाली) बोले- 'ये कैंसिल करके अब तुम ये कर दो...' और मुझे बहुत मुश्किल हुई.' उन्होंने बताया कि इस पूरे दौरान कोरियोग्राफर तो उनके साथ ही थीं, मगर उनके लिए ये काम फिर भी बहुत ज्यादा मुश्किल था. ऋचा ने आगे कहा, 'क्योंकि जब आप एक तरह से प्रैक्टिस शुरू कर देते हो, तो आपका शरीर इसे याद कर लेता है. जब आप गाना सुनते हैं तो आपको लगता है कि हां अब मुझे ये करना है. और फिर ये (कोरियोग्राफी बदलना) बहुत चैलेंजिंग हो जाता है.' 99 रीटेक जिंदगी का इकलौता अनुभव है. फिर पैकअप के समय भंसाली ने यह भी सुनाया कि अब मैं एक्स्ट्रा टाइम के पैसे नहीं दूंगा.

मंगलसूत्र का यह फसाना फिल्मी है

स्त्रियों का सुहाग-सौभाग्य प्रतीक मंगलसूत्र इन दिनों चर्चा में है. राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी जारी है. ऐसे में मंगलसूत्र के कई फिल्मी फसाने भी याद आ रहे. ये फसाने यकीनन मौजूदा चर्चा से अलग और कहीं अधिक रोचक हैं. आइए मंगलसूत्र के ऐसे ही कुछ रोचक फसानों से हों रू-ब-रू

अब तक कुंआरे हैं मंगलसूत्र लेकर भागने वाले मनीष मल्होत्रा

यह किस्सा कुछ-कुछ होता है फिल्म की शूटिंग के वक्त का है और इसे साझा किया था करण जौहर ने. इस फिल्म में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग मनीष मल्होत्रा ने की थी. बकौल करण जौहर, "रानी मुखर्जी के साथ में एक सीन शूट करना था और इस सीन में उनका मंगलसूत्र पहने हुए दिखाया जाना था. लेकिन मनीष मंगलसूत्र लाना भूल गए थे. मंगलसूत्र उसे सीन के लिए बहुत ही ज्यादा आवश्यक था और मनीष मल्होत्रा को यह भी पता था कि मुझे इसके बारे में अगर पता चलता है तो मैं बहुत गुस्सा करूंगा."

घबराए मनीष मल्होत्रा ने सोचा कि आखिर कैसे इस मंगल सूत्र को मैं हासिल करूं. तभी उनके मन में कुछ कौंधा और वे वैनिटी वैन पहुंचे जहां पर रानी मुखर्जी की मां आराम कर रही थीं. मनीष मल्होत्रा जल्दबाजी में थे, सो बिना कुछ कहे सुने रानी की मां का मंगलसूत्र करीब छीनते हुए उतारा और सेट पर ले गए. लेकिन जब सीन खत्म हुआ तो रानी मुखर्जी की मां का ड्रामा फुल फार्म में नजर आया. वे बहुत ज्यादा नाराज थीं और चिल्लाते हुए सबके सामने वह कह रही थीं कि मनीष ने उनसे सुहाग की निशानी छीनी है. इस सब के बाद काफी ज्यादा बवाल मच गया था. सेट पर सभी स्तब्ध से खड़े थे. लेकिन बाद में सभी को पता चला कि रानी मुखर्जी ने जो मंगलसूत्र पहना हुआ है वह उनकी मां का ही था. बता दें कि मनीष मल्होत्रा आज 57 वर्ष की आयु में भी कुवांरे ही हैं.

सिर्फ मंगलसूत्र की कमी रह गई है

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार अपनी रौबीली आवाज और दमदार डायलॉग्स के साथ-साथ अपने अक्खड़, बेबाक और मुंहफट अंदाज के लिए भी पहचाने जाते थे. उनकी तुनकमिज़ाजी भी गजब की थी. कभी गोविंदा की शर्ट को फाड़कर रुमाल बनाना तो कभी धर्मेंद्र को बंदर कह देना. कई बार अच्छी से अच्छी फिल्म राजकुमार ठुकरा देते थे, महज इसलिए कि उन्हें डायरेक्टर का चेहरा पसंद नहीं आता या डायरेक्टर के बालों से तेज की महक आती थी. यह सब उनका अंदाज था. एक बार उनके इसी अंदाज की चपेट में आ गए थे संगीतकार और गायक बप्पी लाहरी. उनके मजाक से बप्पी तो एकबारगी से सकपका से गए थे. संगीत निर्देशक और गायक बप्पी लहरी का सोने के गहनों से अगल ही लगाव था. मोटे मोटे चेन, ब्रेसलेट व अन्य गहने उनके शरीर पर लदे रहते थे. एक पार्टी में बप्पी की मुलाक़ात राजकुमार से हुई थी. अपनी आदत के मुताबिक बप्पी को ढेर सारे सोने के गहनों से लदा देख राजकुमार ने कहा, वाह, शानदार, एक से एक गहने पहने हो, सिर्फ मंगलसूत्र की कमी रह गई है, वो भी पहन लेते. राजकुमार के इस मजाक को सुन कर बप्पी काफी झेप से गए और हंसी में ही उनकी बात को उड़ा दिया था.

सारा के दिल के करीब यह मंगलसूत्र

सारा अली खान ने फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' में विक्की कौशल के साथ नजर आई थीं. इस फिल्म में सारा ने सौम्या का रोल अदा किया था. सारा अली खान ने इस फिल्म से दो चीजों को बतौर निशानी संभालकर रखा है. यह दो सामान दरअसल, सारा के किरदार सौम्या का मंगलसूत्र और एक नीले रंग की साड़ी है. दरअसल सारा अली खान अपनी हर फिल्म के किरदार की एक निशानी जरूर रखती हैं. इसी परंपरा को निभाते हुए उन्होंने अपनी इस फिल्म से मंगलसूत्र और नीली साड़ी को चुना है.

जब रेखा ने छीन लिया मंगलसूत्र

अरुणा ईरानी और रेखा, दोनों अच्छी मित्र के रूप में जानी जाती थीं. फिल्म 'मंगलसूत्र' (1981) में दोनों साथ काम कर रही थीं. लेकिन, एक दिन अचानक अरुणा को इस फिल्म से निकाल दिया गया. इस फिल्म में रेखा लीड रोल अदा कर रही थीं वहीं अरुणा पहली पत्नी का रोल अदा कर रही थी जिसकी मृत्यु हो चुकी है और मरने के बाद वह भूत बन गई है. एक बातचीत के दौरान खुद अरुणा ईरानी ने इस बात का जिक्र किया कि रेखा उनकी बहुत अच्छी दोस्त थीं, फिर भी उन्होंने फिल्म से उन्हें निकलवा दिया. अरुणा ने आगे बताया कि जब उन्होंने मेकर्स से इसकी वजह पूछी तो उन्होंने कहा, 'सच बताऊं तो रेखा जी नहीं चाहतीं कि आप इस फिल्म में काम करें.'

कुछ समय बाद अरुणा ईरानी जब एक अन्य फिल्म के सेट पर रेखा से मिलीं तो उन्होंने इस बारे में सवाल किया. इस पर रेखा ने यह बात कुबूल की कि उन्होंने अरुणा को फिल्म से बाहर निकलवाया. रेखा ने इसके पीछे की वजह बताते हुए अरुणा ईरानी से कहा था, 'देखो अरुणा वो फिल्म ऐसी थी कि अगर उसमें जरा भी परफॉर्मेंस बदल जाती तो मैं एक विलन के रूप में नजर आती, इसलिए मैं नहीं चाहती थी कि तुम इस फिल्म में काम करो.' अरुणा ईरानी ने रेखा से कहा कि 'तुम मुझे फोन कर सकती थीं, इस बारे में बात कर सकती थीं.' इस पर रेखा ने अरुणा से माफी मांगी थी.

पलाश के गले में से किसका मंगलसूत्र!

'माएरी' गाने से फ़ेमस हुए बैंड यूफोरिया ने कई खूबसूरत गाने दिए हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर कायम हैं और गुनगुनाए जाते हैं. इस बैंड के लीड सिंगर पलाश सेन अपनी मां के मंगलसूत्र को पहनते हैं. किसी इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद इसका भावुक कर देने वाला खुलासा किया. कहा कि यह मेरी मां का मंगलसूत्र है, पापा के जाने के बाद उन्होंने इसे पहनना छोड़ दिया तो, इसे अब मैं पहनता हूं. और चूंकि मेरी शादी हो चुकी है, तो यह सही भी है. शादी के इन चिन्हों को यदि कोई पुरुष पहनता है, तो इसमें कोई गलती नहीं है.

ऐश्वर्या ने बदल लिया मंगलसूत्र!

शादी के वक्त अभिषेक ने ऐश्वर्या को 45 लाख का मंगलसूत्र पहनाया था. हीरों से जड़े पेंडेंट वाला ये मंगलसूत्र बेहद ख़ास था. ऐश्वर्या राय के मंगलसूत्र को पहली बार उस वक्त नोटिस किया गया जब वो शादी के कुछ दिन बाद पूरे परिवार के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर पूजा करने गईं. उस वक्त ऐश्वर्या ने सोने की दो लेयर वाले लंबे मंगलसूत्र को पहना था. ऐश्वर्या अक्सर इसे पहने नज़र आती थीं. पर अब जो मंगलसूत्र उनके गले में नजर आता है, वह कुछ अलग है.

दरअसल शादी के चार साल बाद ऐश्वर्या ने इस मंगलसूत्र के डिजाइन में कुछ बदलाव करवा दिए. डबल लेयर के मंगलसूत्र को उन्होंने सिंगल लेयर में बदल दिया. और लंबाई को भी छोटा करवा दिया. हालांकि इसका पेंडेंट अब भी वही था. कहा जाता है कि वर्ष 2011 में बिटिया अराध्या के जन्म के बाद ऐश्वर्या ने भारी गहने पहनना बंद कर दिया था ताकि बेटी को कोई असुविधा नहीं हो. इसीलिए उन्होंने मंगलसूत्र के डिजाइन में बदलाव किया.

ब्रेसलेट से बवाल

वीरे दी वेडिंग फिल्म के प्रमोशन के दौरान सोनम कपूर को कलाई में ब्रेसलेट की तरह मंगलसूत्र पहने देखा गया. इस बात पर तब खूब बवाल मचा था और इसे भारतीय संस्कृति का अपमान बताया गया था.

द जी क्यू थ्री मोस्ट इंफ्लूएंशियल यंग इंडियंस अवार्ड

हसीनाओं का हॉट-बोल्ड अंदाज

द जी क्यू थ्री मोस्ट इंफ्लूएंशियल यंग इंडियंस अवार्ड का आयोजन पिछले दिनों मुंबई में किया गया. इस इवेंट में बड़ी संख्या में बॉलीवुड स्टार्स ने शिरकत की और सभी के लुक सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. इवेंट में हीरोइनों ने तो जैसे बोल्डनेस का कॉम्पीटिशन सा छेड़ दिया. सभी हीरोइनों जीक्यू अवॉर्स में एक से बढ़कर एक हॉट, बोल्ड और सेक्सी लुक में दिखाई दे रही थीं.

मलाइका अरोड़ा पीले रंग के बॉडी फीट डीप नेक आउटफिट में अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती दिखीं तो भूमि काफी रिस्क आउटफिट्स कैरी किए नजर आईं. मीरा राजपूत ऑरेंज स्किन फिट गाउन में थीं जिसमें क्लीवेज दर्शाती डीप वी नेक थी. ड्रेस साइड कट के साथ साइड से भी काफी रिवीलिंग थी. खुशी कपूर बार्बी अवतार में दिखीं तो ईशा गुप्ता ब्लैक सी थ्रू जॉर्जट ड्रेस में कातिल अदाओं से तीर छोड़ती नजर आईं.

भूमि पेडनेकर इवेंट में बेहद रिस्की कपड़ों में नजर आई. उन्होंने वाइट कलर की ड्रेप स्कर्ट कैरी थी. इस स्क्वायर लोअर बैक प्लेट वाली पिलर ड्रेप स्कर्ट को वर्टिब्रा ब्रालेट के साथ जोड़ा गया था.बेस्पोक इटालियन नापा की बनाई हाई सीमलेस बैक कॉलर वाली क्रॉप्ड लेदर की ब्लेजर भी कैरी की थी. यह बोल्ड अवतार जोर का झटका देने वाला था.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

विश्व कप : दीपिका सेफा में

भारतीय तीरंदाजों के चार पदक पक्के

एजेंसी। शंघाई

मां बनने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दीपिका कुमारी ने कोरिया की जियोन हुनयंग को हराकर तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि कंपाउंड तीरंदाजों ने भारत का चौथा पदक पक्का कर दिया. विश्व रैंकिंग में 142वें स्थान पर खिसकी तीन बार की ओलंपियन दीपिका ने जियोन को 6.4 (27.28, 27.27, 29.28, 29.27, 28.28) से हराया. सेमीफाइनल में उनका सामना कोरिया की ही सुहियोन से होगा. इससे पहले ज्योति सुरेखा वेन्नम व अभिषेक वर्मा की कंपाउंड मिश्रित टीम ने फाइनल में जगह बनाई. दुनिया की दूसरे नंबर की टीम ने पांच ही अंक गंवाते हुए मैक्सिको की आंद्रिया बेसेरा और लोट मैक्सिमो मेंडेज ओर्टिज को 155.151 से हराया. अब उनका सामना एस्तोनिया से होगा. एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति पदक की हैट्रिक की दौड़ में है. भारतीय तीरंदाज चार टीम स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंच गए और कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में ज्योति तथा प्रियांश सेमीफाइनल में पहुंच कर पदक की दौड़ में हैं. भारतीय टीम पुरुष, महिला, मिश्रित और पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंची है. ज्योति और वर्मा को पहले दौर में बाय मिला था.फिर उन्होंने 160 में से 160 अंक बनाकर आस्ट्रेलिया की ग्राहम और ब्रेंडन को आठ अंक से हराया. लक्जेमबर्ग की मारिया श्कोल्ना और जिलेस सेवर्ट को 155.151 से मात दी. भारतीय रिकर्व मिश्रित टीम अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया के लिम और किम वूजिन ने 6.0 से हराया. अब वे कांस्य पदक के लिए मैक्सिको से खेलेंगे. रिकर्व में तरुणदीप राय क्वार्टर फाइनल में आंद्रेस तेमिनो से 3.7 से हार गए.

टी20 विश्व कप में भारत के लिए सूर्या व बुमराह अहम होंगे : युवराज

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के पूर्व स्टार युवराज सिंह ने आगामी टी20 विश्व कप में टीम की संभावनाओं के लिए विस्फोटक सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे किसी भी समय मैच का रुख बदलने की काबिलियत रखते हैं. 2007 में टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज ने कहा कि टीम को दूसरी बार यह ट्राफी दिलाने के लिए सूर्यकुमार को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और बुमराह को भी अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करनी होगी. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने युवराज के हवाले से कहा, सूर्यकुमार यादव भारत के लिए अहम खिलाड़ी हैं. उन्होंने कहा, सूर्यकुमार जिस तरह से खेलते हैं, वह सिर्फ 15 गेंद में मैच का रुख बदल सकते हैं. भारत को यह टी20 विश्व कप जीतना है, तो वह निश्चित रूप से काफी अहम खिलाड़ी होंगे. युवराज ने कहा, मुझे लगता है गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह भी काफी महत्वपूर्ण होंगे. मैं टीम में एक लेग स्पिनर भी देखना चाहूंगा, जैसे युजवेंद्र चहल क्योंकि वह इस समय काफी अच्छी गेंदबाजी कर रहा है. उन्होंने कहा, लेकिन बल्लेबाज के तौर सूर्यकुमार यादव अहम खिलाड़ी होंगे. भारत के लिए पहली पसंद के विकेटकीपर के विकल्प पर युवराज ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अनुभवी दिनेश कार्तिक शानदार फॉर्म में हैं लेकिन अगर वह अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं होते हैं तो इस 38 साल के खिलाड़ी को टीम में चुनने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि युवा ऋषभ पंत और संजू सैमसन काफी अच्छा खेल रहे हैं. युवराज ने कहा, कार्तिक अच्छी बल्लेबाजी भी कर रहा है लेकिन पिछली दफा (2022) जब उन्होंने उसे चुना था तो उसे टी20 विश्व कप में खेलने का मौका नहीं मिला था. उन्होंने कहा, अगर आपकी अंतिम एकादश में कार्तिक नहीं है तो मुझे लगता है कि उससे चुनने का भी कोई मतलब नहीं है. ऋषभ पंत, संजू सैमसन दोनों ही शानदार फॉर्म हैं और निश्चित रूप से वे काफी युवा भी हैं.

रोहित और विराट सबसे अहम खिलाड़ी

युवराज जानते हैं कि भारत के लिए टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा और विराट कोहली महत्वपूर्ण हैं और उन्होंने इन दोनों के लिए क्रिकेट से संन्यास की तारीख का अंदाजा लगाने से इनकार कर दिया. सुझाव दिया कि रोहित और कोहली को टी20 विश्व कप के बाद टी20 क्रिकेट छोड़ने पर विचार करना चाहिए और अन्य प्रारूपों पर ध्यान लगाना चाहिए. युवराज ने कहा, जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, तो लोग उम्र के बारे में बात करना शुरू कर देते हैं. उन्होंने कहा, ये खिलाड़ी भारत के लिए बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं और वे जब चाहें तब संन्यास लेने के हकदार हैं. मैं टी20 प्रारूप में अधिक युवा खिलाड़ियों को देखना चाहूंगा. युवराज ने कहा कि वह चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज शिवम दुबे को उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण टीम में देखना चाहते हैं. उन्होंने कहा, मैं टीम में शिवम दुबे को देखना चाहूंगा. वह भारतीय टीम से अंदर बाहर होता रहा है लेकिन इस आईपीएल में वह बहुत शानदार बल्लेबाजी कर रहा है और वह गेम चेंजर हो सकता है.

जीत से उत्साहित दिल्ली का सामना खराब फार्म से जूझ रही मुंबई से

हार्दिक की टीम के लिए एक हार भी पड़ेगी महंगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

ऋषभ पंत के शानदार फॉर्म और बेहतरीन कप्तानी से आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग में खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस से खेलेगी, तो उसका लक्ष्य जीत की लय को कायम रखने का होगा. दिल्ली कैपिटल्स ने टूर्नामेंट में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए कई मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की तो कई में शर्मनाक हार भी झेली. पिछले चार मैचों में से तीन जीत कर हालांकि वह अंकतालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई और मुंबई को हराने पर प्लेआफ का उसका दावा पुख्ता हो जाएगा. दूसरी ओर खराब शुरूआत के बाद मुंबई ने अगले चार में से तीन मैच जीते लेकिन पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स से नौ विकेट से हार गई. अंकतालिका में आठवें स्थान पर काबिज मुंबई के लिए अब एक हार भी भारी पड़ सकती है. दिल्ली के लिए सबसे सकारात्मक बात कप्तान ऋषभ पंत का फॉर्म रही है, जो मैच दर मैच निखरते जा रहे हैं. विकेट के पीछे उनका प्रदर्शन लाजवाब रहा है और बल्लेबाजी में खुलकर खेल रहे हैं. गुजरात टाइटंस के खिलाफ बुधवार को उन्होंने मैच जिताने वाली नाबाद पारी खेली. संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक और ईशान किशन से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद टी20 विश्व कप की टीम में उनका जगह बनाना तय लग रहा है. जैक फ्रेसर मैकगुर्क के रूप में दिल्ली को शीर्षक्रम का अच्छा बल्लेबाज मिला है, लेकिन सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है क्योंकि इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में उनकी जिम्मेदारी सिर्फ बल्लेबाजी की है. पिछले मैच में डेविड वॉर्नर की जगह खेलने वाले शाई होप कोई कमाल नहीं कर सके लिहाजा आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज की टीम में वापसी हो सकती है. ट्रिस्टन स्टब्स प्रभावी रहे हैं जबकि गुजरात के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आने वाले अक्षर पटेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया है. कुलदीप यादव और अक्षर ने स्पिन गेंदबाजी का कमाल दिखाया है लेकिन दिल्ली के तेज गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा. तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया ने 14 के आसपास के इकॉनॉमी रेट से रन दिये हैं. खलील अहमद, मुकेश कुमार और ईशांत शर्मा भी प्रभावी नहीं रहे हैं. मुंबई इंडियंस ने इस सत्र में पहली जीत दिल्ली के खिलाफ ही दर्ज की थी और कप्तान हार्दिक पंड्या उसे दोहराना चाहेंगे. रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि टिम डेविड, ईशान किशन और हार्दिक बड़ी पारियां नहीं खेल सके हैं. गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ट्रंपकार्ड रहे हैं, जिन्होंने छह के करीब की औसत से 13 विकेट लिये हैं . दक्षिण अफ्रीका के गेराल्ड कोएत्जी ने 10.10 की इकॉनॉमी रेट से 12 विकेट लिये हैं.

टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड.

दिल्ली कैपिटल्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश ढुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्टवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा, शाई होप.

राहुल की निगाहें हार का बदला लेने पर रहेंगी

भाषा। लखनऊ

फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स आईपीएल के मैच में शनिवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ उतरेगी, तो उसका फोकस जीत की लय कायम रखने पर होगा, जबकि लखनऊ की नजरें पिछली हार का बदला चुकता करने पर लगी होंगी. पूर्व चैम्पियन रॉयल्स ने इस सत्र में आठ मैचों में सात जीत दर्ज की है और उसे हराना लखनऊ के लिए टेढी खीर होगी.

दूसरी ओर लखनऊ आठ मैचों में पांच जीत के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है. गुजरात टाइटंस के खिलाफ एकमात्र हार के अलावा रॉयल्स ने इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और पिछले तीन मैच लगातार जीते हैं. रियान पराग उसकी बल्लेबाजी की रीढ साबित हुए हैं, जो आठ मैचों में 318 रन बना चुके हैं. यशस्वी जायसवाल के फॉर्म में लौटने से रॉयल्स की बल्लेबाजी मजबूत हुई है.

मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में जीत के लिए 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल ने 60 गेंद में नाबाद 104 रन बनाये थे, जिसकी बदौलत टीम ने नौ विकेट से जीत दर्ज की. जायसवाल और जोस बटलर मिलकर शीर्षक्रम पर किसी भी आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं. कप्तान संजू सैमसन भी अभी तक 314 रन बना चुके हैं, जबकि वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायेर भी बल्ले से आतिशबाजी करने में माहिर हैं.

हर वो बल्ला मेरे पास है जिससे शतक जड़ा : पोंटिंग

भाषा। नयी दिल्ली

दो बार के विश्व कप विजेता आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने हर वो बल्ला संभाल कर रखा है जिससे उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ा है और उस पर विरोधी टीम का नाम तथा अपना स्कोर भी उन्होंने लिख रखा है. दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच पोंटिंग अपने दौर के बेहतरीन बल्लेबाजों में से थे. उन्होंने युवा क्रिकेटरों को किट देने की डीपी वर्ल्ड बियोंड बाउंड्रीज पहल के मौके पर यह बात कही. क्रिकेट को 2012 में अलविदा कहने वाले पोंटिंग ने 71 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाये हैं जिनमें 41 टेस्ट शतक शामिल हैं. पोंटिंग ने कहा, आप विश्वास करें या नहीं लेकिन मेरे घर पर मेरा पहला बल्ला भी रखा है. इस पर स्टिकर्स लगे हैं. हमारे घर में करीब एक हजार बल्ले हैं. जिस भी बल्ले से मैने अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा था, वह मेरे पास है. इस पर मैने अपना स्कोर और विरोधी टीम का नाम भी लिखा है. उनकी यादगार पारियों में भारत के खिलाफ 2003 वनडे विश्व कप फाइनल में जड़े नाबाद 140 रन शामिल है. उस समय भारतीय टीम के कप्तान रहे सौरव गांगुली अब दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं और वह भी इस मौके पर मौजूद थे. गांगुली ने अपने पहले बल्ले के बारे में कहा, मैं 13 साल का था जब पहला बल्ला खरीदा.

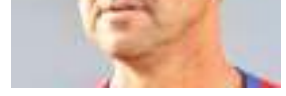

सेंथिल, आकांक्षा पीएसए क्वा. फा. में

नयी दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त वेलावन सेंथिलकुमार ने फ्रांस के मात्तेओ कोरूगे को सीधे गेम में हराकर 12000 डॉलर ईनामी राशि के बैच ओपन स्क्वाश पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. राष्ट्रीय चैम्पियन सेंथिल कुमार ने यह मुकाबला 11 . 4, 11 . 6, 11 . 7 से जीता. उन्हें पहले दौर में बाय मिला था अब उनका सामना चेक गणराज्य के याकूब सोलनिकी से होगा. वहीं राष्ट्रीय खेलों की महिला चैम्पियन आकांक्षा सालुंके ने अमेरिका के स्प्रिंगफील्ड में चल रहे 20000 डॉलर ईनामी राशि के पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई. उन्होंने ग्वाटेमाला की विनिफर बोनिला को 11 . 8, 11 . 2, 11 . 9 से हराया.

मुंबई प्रतिद्वंद्वी को रोकने में प्रभावी नहीं रही : डेविड

नयी दिल्ली। बल्लेबाज टिम डेविड को लगता है कि पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस प्रतिद्वंद्वी टीम को रोकने में असफल रही है. उसे इस पर ध्यान देना होगा. मुंबई आठ मैच में सिर्फ तीन में जीत हासिल कर पायी है जिससे आठवें स्थान पर है. पिछले मैच में जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी को छोड़ कर उसके लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा जिससे उसे राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा. डेविड ने दिल्ली कैपिट्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, जसप्रीत बुमराह जैसा खिलाड़ी हमारे लिए मुकाबलों में जीत दिला रहा है लेकिन हम प्रतिद्वंद्वी टीम की रफ्तार को रोकने में प्रभावी नहीं रहे हैं.

डुप्लेसी बोले- आरसीबी में अभी भी काफी दम है

हैदराबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान फाफ डु प्लेसी ने आईपीएल में लगातार छह हार का सिलसिला तोड़ने पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम में अभी भी काफी दम है. अंकतालिका में सबसे नीचे काबिज आरसीबी ने तीसरे नंबर वाली सनराइजर्स हैदराबाद को 35 रन से हराया. इस जीत के बाद आरसीबी ने नौ मैचों में लगातार दो जीत दर्ज की है, जबकि सात गंवाये हैं.

डु प्लेसी ने आरसीबी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, हमने पिछले दो मैचों में काफी मेहनत की है. हमने अपना सब कुछ दिया है. हमें अपने प्रदर्शन पर गर्व है और टीम में अभी काफी दम बाकी है. आरसीबी प्लेआफ की दौड़ से बाहर नहीं है, लेकिन उसे बाकी सभी मैच जीतने होंगे.

लक्ष्य का पीछा करने में सफलता चाहिए : विटोरी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी का मानना है कि उनकी टीम आईपीएल के इस सत्र में बड़े स्कोर बनाने में कामयाब रही है, लेकिन अब लक्ष्य का पीछा करने में सफलता हासिल करना जरूरी है. सनराइजर्स आठ में से पांच मैच जीतकर अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है. पांच में से चार मैचों में उसने पहले बल्लेबाजी करते हुए सफलता पाई. विटोरी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से 35 रन से मिली हार के बाद कहा , हम बड़े स्कोर बनाने में कामयाब रहे हैं लेकिन अब लक्ष्य का पीछा बेहतर ढंग से करना होगा. इस सत्र में तीन बार 250 से अधिक स्कोर बना चुकी टीम को आरसीबी के खिलाफ मध्यक्रम की नाकामी महंगी पड़ी. विटोरी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, पिछले चार मैचों में अच्छे प्रदर्शन के बाद यह हार निराशाजनक है. हमने अच्छा क्रिकेट खेला लेकिन हारने के बावजूद हम लक्ष्य का पीछा करने की ओर बढते दिख रहे थे.

मैड्रिड ओपन

रफेल नडाल दूसरे दौर में

भाषा। मैड्रिड

रफेल नडाल ने अमेरिकी युवा डारविन ब्लांच को हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया.इस साल एटीपी टूर पर दूसरा मैच खेल रहे नडाल ने अपने से 21 साल छोटे प्रतिद्वंद्वी पर 6 .1, 6 .0 से जीत दर्ज की. चौदह बार के फ्रेंच ओपन चैम्पियन नडाल की नजरें अगले महीने होने वाले इस ग्रैंडस्लैम में खिताबी जीत पर लगी है. पिछले साल कूल्हे का आपरेशन कराने वाले 22 साल के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ने कहा था कि 2024 टूर पर उनका आखिरी साल होगा. अन्य मुकाबलों में फेलिक्स आगर एलियास्सिमे ने योशिहितो निशिओका को 4 . 6, 6 . 1, 6 . 4 से हराया. वहीं लोरेंजो सोनेगो ने रिचर्ड गास्केट तो 6 . 2, 7 . 5 से मात दी. ब्राजील के थियागो मोंटेइरो ने डुसान लाजोविच को 6 . 4, 6 . 3 से हराया और अब वह स्टेफानोस सिटसिपास से खेलेंगे. महिला वर्ग में इगा स्वियातेक ने वांग शियू को 6 . 1, 6 . 4 से हराया. अमेरिका की कोको गाफ ने अरांतजा रूस को 6 . 0, 6 . 0 से मात दी. पूर्व नंबर एक नाओमी ओसाका को 15वीं वरीयता प्राप्त लियुडमिला सैमसोनोवा ने 6 . 2, 4 . 6, 7 . 5 से हराया.

बैडमिंटन

थॉमस और उबेर कप आज से : महिला टीम की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर रहेंगी

भारतीय पुरुष टीम की नजरें खिताब बरकरार रखने पर

एजेंसी। चेंगडू (चीन)

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम शनिवार से शुरू हो रहे थॉमस कप में एकल खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी, जबकि उबेर कप में पीवी सिंधू के बिना युवा महिला टीम की नजरें भी अपने अच्छे प्रदर्शन पर लगी होंगी.

दो साल पहले भारत ने पहली बार थॉमस कप जीत कर तहलका मचा दिया था. पुरुष वर्ग में यह टूर्नामेंट टीम विश्व चैम्पियनशिप की तरह है. अपेक्षाओं के दबाव के बिना भारत ने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को हराकर भारतीय बैडमिंटन के इतिहास का सुनहरा अध्याय लिखा. अब एक बार फिर उन पर इस प्रदर्शन को दोहराने का दबाव होगा. भारत को ग्रुप आफ डैथ मिला है, जिसमें कई बार की विजेता इंडोनेशिया, थाईलैंड और इंग्लैंड हैं. भारत को पहला मुकाबला थाईलैंड से खेलना है, जिसमें मौजूदा विश्व चैम्पियन कुंलावुत वितिदसर्न और युवा पी तीरारात्साकुल हैं. तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की टीम में जोनाथन क्रिस्टी और एंथोनी जिंटिंग जैसे सितारे हैं जो मार्च में आल इंग्लैंड फाइनल्स खेल चुके हैं. इनके अलावा मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान की सातवीं रैंकिंग वाली जोड़ी भी टीम में है. भारत के एच एस प्रणय ने कहा, यह वर्ष कठिन होगा. मौजूदा फॉर्म को देखते हुए अधिकांश टीमों में तीन मजबूत एकल खिलाड़ी और दो युगल खिलाड़ी हैं. दो साल पहले निर्णायक पांचवां एकल मुकाबला जीतने वाले प्रणय इस सत्र के पहले हाफ में फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद आये हैं. उन्होंने हालांकि हाल ही में चीन के लू गुआंग जू को हराकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिये हैं. लक्ष्य सेन फ्रेंच ओपन और आल इंग्लैंड में सेमीफाइनल तक पहुंचे. दो साल पहले सभी छह मैच जीतने वाले किदाम्बी श्रीकांत 2022 राष्ट्रमंडल खेल और 2023 एशियाई खेलों में टीम चैम्पियनशिप फाइनल हार गए थे.

निशानेबाजी: सिफत ट्रायल्स में जीती

भाषा। नयी दिल्ली

- ओलंपिक चयन ट्रायल में चार विरोधियों पर सिफत कौर ने लगातार दर्ज की है जीत

सिफत कौर सामरा ने शुक्रवार को यहां डा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) में चार ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए लगातार स्पर्धाओं में जीत हासिल की. ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर भी ओएसटी में विजेता दौर में प्रवेश किया. उन्होंने पुरुषों का थ्री पी टी2 फाइनल जीता. मौजूदा एशियाई खेलों की चैम्पियन, विश्व रिकॉर्ड धारी और पिछले कुछ समय से महिलाओं की थ्री पी में भारत की नंबर एक खिलाड़ी सिफत ने ओएसटी टी2 फाइनल में 465.1 का स्कोर बनाया. इस तरह उन्होंने दूसरे स्थान पर रही आशी चौकसी को 2.4 से पछाड़ा. अंजुम मौदगिल शूटऑफ के बाद तीसरे स्थान पर रहीं. सिफत ने बुधवार को महिलाओं की थ्री पी ओएसटी टी1 भी जीती थी. अब भोपाल में ओएसटी 3 और 4 अगले महीने होंगे. पुरुषों के थ्री पी ओएसटी टी2 फाइनल में ऐश्वर्य तोमर 463.6 अंक से विजेता रहे. यहां चल रहे ट्रायल्स के आठवें दिन पुरुषों और महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल टी2 क्वालिफिकेशन दौर में नैन्सी ने शानदार फॉर्म जारी रखी. उन्होंने 633.1 के स्कोर के साथ महिलाओं की एयर राइफल में शीर्ष स्थान हासिल किया. पुरुषों की स्पर्धा में संदीप सिंह 632.6 अंक से शीर्ष पर रहे. महिलाओं की एयर पिस्टल में रिद्म सांगवान 584 अंक के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं, जबकि सरबजोत सिंह 581 के साथ पुरुषों की एयर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर थे. सभी चार फाइनल शनिवार को होंगे.

ब्रीफ खबरें

स्कूल बस में लगी आग, पांच बच्चे झुलसे

छपरा । बनियापुर थाना क्षेत्र स्कूली बस में आग लग गई. इस घटना में पांच बच्चे झुलसकर गंभीर रूप से घायल हो गए. जिनका उपचार छपरा सदर अस्पताल में चल रहा है. जबकि बस पूरी तरह जल गई. अन्य बच्चों को सकुशल बस से निकाल लिया गया. घटना जिले के बनियापुर थाना अंतर्गत दाढीबाड़ी गांव के समीप की है. बताया जा रहा कि सहजीतपुर थाना अंतर्गत कोल्हुआ गांव स्थित न्यू गुरुकुल शिक्षा निकेतन का बस बच्चों को छोड़ने के लिए बनियापुर जा रहा था.

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

गोपालगंज । जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई. घटना माड़ीपुर गांव के पास हुई, जहां अज्ञात वाहन के धक्के से एक बाइक सवार 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई. मृतक की पहचान कुचायकोट थाना बथना कुटी स्थित नरहवा शुकुल गांव निवासी रामप्रसाद के बेटे मिथुन भारती के रूप में की गई. बताया जाता जाता है कि युवक बाइक पर सवार होकर अपने घर से ससुराल हथुआ थाना क्षेत्र के अंगोता गांव जा रहा था.

अपराधियों ने की ट्रैक्टर चालक की हत्या

औरंगाबाद । अपराधियों ने 33 वर्षीय ट्रैक्टर चालक की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी. साथ ही उसकी दोनों आंखों को भी फोड़ दिया. बाद में उसके शव को बिजुलिया ईटकोहवा खजुरबाना के समीप उत्तर कोयल नहर के माइनर में फेंक दिया. घटना सलैया थाना क्षेत्र की गुरुवार की रात की है. बतायी जाती है शुक्रवार सुबह युवक शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने मृतक की पहचान महेशपुर गांव निवासी सत्यनारायण चौधरी के पुत्र बिनोद चौधरी के रूप में की.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचार अभियान में महागठबंधन को निशाने पर लिया, बोले

कांग्रेस व राजद का मकसद हक छीनना है

मोदी गरजे

- दोनों पार्टियों ने जनता को दाने दाने के लिए तरसा दिया
- बिहार में नौकरी के बदले उसकी जमीन छीन ली गई
- कोई थोड़ा समर्थ है उसका अपहरण करवा लिया जाता था

संवाददाता । अररिया

पीएम सम्मान किसान निधि के 1600 करोड रुपए भेजे गए

पिछले 10 सालों में बिहार के लोगों को केंद्र सरकार की ओर से 50,000 करोड़ का लाभ सीधे आपके खाते में पहुंचा दिया गया. नरेंद्र मोदी ने कहा कि अररिया और सुपौल के बाद खातों में पीएम सम्मान किसान निधि के 1600 करोड रुपए भेजे गए. जिसमें कोई बिचौलिया नहीं, कोई चोरी नहीं. दोनों जिलों में गरीबों को तीन लाख पक्के घर दिए गए. माता बहन और बेटियों के जीवन को आसान बनाना ही एनडीए की प्राथमिकता है. घर में उन्हें शौचालय, नल से जल, मुफ़्त बिजली कनेक्शन, मुफ़्त गैस कनेक्शन और मुफ्त राशन दिए जा रहे हैं. पीएम मोदी ने कहा कि गरीब परिवारों को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख के मुक्त इलाज का का लाभ दिया गया. अब एक नई योजना लेकर केंद्र सरकार आपके पास आई है. अब हर गरीब और अमीर परिवार के 70 साल के बुजुर्ग को भी आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाएगा.

लोकसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा जारी है. इसी बीच शुक्रवार को पीएम प्रचार अभियान में अररिया पहुंचे. लोगों को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देश में राजनीति की दो मुख्य धाराएं बन गई हैं. एक धारा बीजेपी-एनडीए की है जिसका मकसद है देश के लोगों को समर्थ बनाना. इसके विपरीत एक ऐसी धारा है जो कांग्रेस और राजद की है, जिसका मकसद है देश के लोगों से उनका हक छीनना. उन्हें तरसाकर रखना और अपनी तिजोरी भरते रहना. कांग्रेस और राजद ने बिहार के लोगों को विकास के लिए तरसा कर रख दिया. इन दोनों पार्टियों ने बिहार की गरीब जनता को दाने दाने के लिए तरसा दिया.

पीएम ने कहा कि किसी के पास खेत खलिहान है तो नौकरी के बदले उसकी जमीन छीन ली. किसी के पास नौकरी है तो तनख्वाह छीन ली. किसी के पास गाड़ी है तो वह छीन ली. कोई थोड़ा भी समर्थ है उसका अपहरण करवा लिया. जंगलराज के दिनों का हाल था. यही कांग्रेस और राजद के शासन का तरीका है. नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए के साथियों ने बड़ी मेहनत करके बिहार को उस जंगलराज से बाहर निकाला. आज एनडीए की सरकार मिलकर प्रयास कर रही है कि हर लाभार्थी के दरवाजे पर पहुंचें और उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से जोड़े.

कांग्रेस राजद पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों ने आपका हक छीनने का काम किया. अब दलित, पिछड़ा और आदिवासियों का आरक्षण छीनने की साजिश चल रही है. बाबा साहेब अंबेडकर ने साफ कहा कि भारत में धर्म आधारित आरक्षण नहीं हो सकता. लेकिन कांग्रेस पूरे देश में धर्म आधारित आरक्षण के लिए पूरा जोर लगा रही है. आरक्षण का कर्नाटक मॉडल पूरे देश में लागू करना चाहती है. ओबीसी समाज को 27 परसेंट का जो आरक्षण दिया जाता है उसमें चोरी का खेल किया जा रहा है. उसमें से आरक्षण का हिस्सा काटकर धर्म के आधार पर मुसलमानों को देने की तैयारी चल रही है. अपने इस प्रयास में सुप्रीम कोर्ट और संविधान से बचने के लिए इंडी गठबंधन ने पर्दे पीछे खेल किया.

रातों-रात सभी मुसलमान को ओबीसी बना दिया गया और ओबीसी समाज के 27 परसेंट आरक्षण का बड़ा हिस्सा मुस्लिम धर्म के लोगों को दे दिया गया. पीएम मोदी ने कहा कि इससे नतीजा यह हुआ कि ओबीसी समाज का हिस्सा मुसलमानों के खाते में चला गया. ओबीसी के हक पर डाका डाला गया. राजद ने इसके खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला.

जब तक पीएम नरेंद्र मोदी हैं संविधान को खतरा नहीं: चिराग

संवाददाता । अररिया

अररिया में दौरान चुनावी सभा को जमुई सांसद चिराग पासवान ने भी संबोधित किया. जनता से वादा करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के सामने उन्होंने कसम भी खाई. चिराग पासवान ने कहा कि आज प्रधानमंत्री के इस मंच से, प्रधानमंत्री के सामने, प्रधानमंत्री के ही शब्दों को दोहराते हुए आप लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि जब तक हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं तब तक ना देश को संविधान से कोई खतरा है और ना आरक्षण को कोई खतरा है. आज इस मंच से मैं मेरे नेता, मेरे पिता रामविलास पासवान के संघर्षों की कसम खा कर आप लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि जब तक चिराग पासवान जीवित है तब तक ना आरक्षण पर ना संविधान पर कभी कोई खतरा था ना भविष्य में कोई खतरा आएगा. ये वादा करके जाता हूं. बता दें कि अररिया सीट बीजेपी के खाते में गई है. यहां से पार्टी ने प्रदीप कुमार सिंह को टिकट दिया है. चिराग पासवान ने विपक्ष पर निशाना साधा. कहा कि विपक्ष डराने की पॉलिटिक्स कर रहा है और मां बेटियों की खुलेआम बेइज्जती कर रहा है.

कहा कि विपक्ष आम लोगों को डराकर वोट लेने की कोशिश कर रहा है. लोगों में भ्रम फैलाया जा रहा है कि भाजपा संविधान बदल देगी. आरक्षण खत्म कर देगी. लेकिन ऐसा नहीं है. ये सबकुछ विपक्ष की डराने वाली पॉलिटिक्स है. कहा कि आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने वालों की गोद में बैठकर एनडीए पर संविधान को खतरे में बताया जा रहा है. वहीं मुंगेर लोकसभा सीट जदयू के पास है. जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह यहां से सांसद हैं. इस बार भी वही चुनाव लड़ रहे हैं. प्रधानमंत्री के चुनावी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पहुंचे थे. इसके अलावा एनडीए घटक दल के कई और नेताओं ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया.

बेतिया में सड़क हादसे में तीन बारातियों की हुई मौत

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

बेतिया में शादी समारोह से लौट रहे तीन बारातियों की सड़क हादसे में मौत हो गई. घटना गुरुवार की रात 11 बजे बेतिया-नवलपुर पथ में बाबू टोला गुरवलिया चौक की है. बताया कि रामगढ़वा से बारातियों को वापस लेकर लौट रही बोलेरो ने आगे जा रही ट्रक में पीछे से ठोकर मार दी. इस घटना में बोलेरो में सवार 11 लोगों में तीन की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी. जबकि छह लोग गंभीर रुप से घायल हो गए. घायलों में तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है. डॉक्टर ने उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना रेफर कर दिया है. इस घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं. मनुआपुल थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि गोलाघाट डुमरी निवासी दीनानाथ महतो के पुत्र की बारात गुरुवार की संध्या पूर्वी चंपारण के रामगढ़वा गयी थी. वहां से खाना खाकर गोलाघाट डुमरी निवासी उमा यादव के बोलेरो से बाराती वापस लौट रहे थे. गाड़ी उमा ही चला रहा था. बाबू टोला के समीप बोलेरो ने ट्रक में पीछे से ठोकर मार दी.

अटौर गांव में शादी समारोह में आतिशबाजी से घर में लगी आग, गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया

एक ही परिवार के छह लोगों की हुई मौत

संवाददाता । दरभंगा

अटौर गांव में एक शादी समारोह में पटाखे की चिंगारी से लगी आग में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई. इसमें पांच गायें भी झुलसकर मर गईं. घटना गुरुवार देर रात की है. मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं. पुलिस के मुताबिक, अंटोर गांव में देर रात शादी समारोह में आतिशबाजी की जा रही थी.

बताया जाता है कि इसी आतिशबाजी की चिंगारी से घर में आग लग गई. इस बीच घर में रखे रसोई गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया. देखते ही देखते आग पूरे घर में फैल गई. घर में बड़ी मात्रा में डीजल भी रखा हुआ था, जिससे आग और भड़क गई. इस घटना में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई. बहेड़ा के थाना प्रभारी चंद्रकांत ने बताया कि मृतकों में सुनील कुमार, लाली देवी और कंचन देवी सहित तीन

नाबालिग बच्चे हैं. पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि रात 11 बज कर करीब 15 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली. जिसके बाद थाना प्रभारी एवं अग्निशमन अधिकारी को भेजा गया.

काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका. उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए दरभंगा मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा गया है. घटना के बाद गांव में मातम पसरा है. ग्रामीणों ने बताया कि दरभंगा जिले के अलीनगर प्रखंड के बहेड़ा थाना क्षेत्र के अंटोर गांव में बीती रात छगन पासवान की बेटी की शादी थी. बारातियों के ठहरने और खाने का प्रबंध रामचंद्र के आवासीय परिसर में किया गया था. बारातियों ने वहां आतिशबाजी की. जिससे शामियाने में आग लग गई. आग से वहां रखे रसोई गैस के एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया.

होटल मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई

पटना । पटना जंक्शन से कुछ ही दूरी पर स्थित एक होटल में गुरुवार लगी आग में छह लोगों की मौत हो गई थी. इस मामले में कार्रवाई शुरू हो गई है. होटल मालिक के खिलाफ कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है. हादसे के पीछे की लापरवाही भी सामने आई है. पटना सदर अंचलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने कोतवाली थाने को एफआईआर के लिए आवेदन दिया है. इसमें उन्होंने होटल मालिक के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं. पाल होटल के साथ उसके बगल में स्थित अमृत होटल पर भी एफआईआर दर्ज कराई गई है. अंचलाधिकारी का कहना है कि बहुमंजिल होटलों में आने-जाने का एक ही रास्ता है जो काफी संकीर्ण पाया गया. होटल के कमरों में 30 से अधिक लोग फंसे थे.

रिटायर्ड सैनिक के पुत्र की अपहरण के बाद हत्या

बेगूसराय । भाजपा के सैनिक प्रकोष्ठ के सदस्य सह सेवानिवृत्ति सैनिक कौशल कुमार के बेटे अंगद कुमार की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई. घटना मटिहानी थाना क्षेत्र की है. मृतक अंगद साम्हों थाना क्षेत्र के साम्हो का रहने वाला है. जानकारी के मुताबिक अंगद 25 अप्रैल की शाम से लापता था. इसे लेकर अंगद के पिता कौशल कुमार द्वारा बेगूसराय एसपी सहित जिला प्रशासन को आवेदन देकर घटना से अवगत कराया गया था, जिसमें अपने बेटे की गुमशुदगी की बात बताई गई थी. लेकिन शुक्रवार की सुबह अंगद का शव चकोर घाट से मिला. शव बरामद होने के बाद परिजनों ने अपहरण के बाद हत्या की आशंका जाहिर की. परिजनों का आरोप है कि अपराधियों द्वारा पहले अंगद का अपहरण किया गया. फिर उसकी हत्या कर उसके शव को गंगा में फेंक दिया गया. परिजनों ने अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है.

कारोबार

मैनावी ने बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की

नयी दिल्ली । जापान स्थित मानव संसाधन समाधान प्रदाता मैनावी कॉरपोरेशन ने मानव संसाधन प्रौद्योगिकी मंच एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल कर ली है. कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस बदलाव के बाद बेंगलुरु स्थित एविग्न का लक्ष्य 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व उत्पन्न करना है. इस अधिग्रहण के साथ ही कैप्रिया, ल्यूमिस, एमएसडीएफ, एमिकस कैपिटल और पंकज बंसल सहित एविग्न के कुछ शुरुआती निवेशक कंपनी से बाहर हो गए. एविग्न के अन्नया सार्थक ने कहा कि मैनावी के पास कंपनी में महत्वपूर्ण बहुमत होगा.

बजाज फाइनेंस का शेयर 8 प्रतिशत गिरा

नयी दिल्ली । बजाज फाइनेंस के शेयर में शुक्रवार को करीब आठ प्रतिशत की गिरावट आई. बीएसई पर शेयर 7.64 प्रतिशत गिरकर 6,736.15 रुपये पर आ गया. एनएसई पर यह 7.60 प्रतिशत फिसलकर 6,740 रुपये पर रहा. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 21 प्रतिशत बढ़कर 3,825 करोड़ रुपये रहा. वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 3,158 करोड़ रुपये रहा था.

रिलायंस के वित्तीय प्रदर्शन को फिच ने सराहा

नयी दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में मजबूत प्रदर्शन के बाद वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी और फिच का विश्वास हासिल कर लिया है. एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स और फिच रेटिंग्स ने अलग-अलग बयान में कंपनी के वित्तिय प्रदर्शन के चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी मजबूत रहने की बात कही है. बयान के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की मजबूत कमाई पर अंकुश रहेगा क्योंकि कंपनी वृद्धि की महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ा रही है. हमें उम्मीद है कि कंपनी की ऋण से लेकर कर पूर्व आय अनुपात की रेटिंग (बीबीबी /स्थिर) के अनुरूप रहेगी.

इंडिगो ने 70 अतिरिक्त ए-350 विमानों की खरीद के लिए भी हस्ताक्षर किए

इंडिगो ने 30 विमान खरीदने के ऑर्डर दिये

भाषा । नयी दिल्ली

इंडिगो एयरलाइन

- 900 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती है इंडिगो
- 2027 से होगी वाइड-बॉडी एयरक्रॉफ्ट की डिलीवरी
- एयर इंडिया के साथ सीधे कॉम्पिटिशन में आएगी

इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड यानी इंडिगो अब कारोबार बढ़ाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है. इसके लिए फैसले ले रही है. इसी के तहत कंपनी ने 30 एयरबस ए350-900 एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए ऑर्डर दिया है. इसके जरिए बजट एयरलाइन इंडिगो वाइड-बॉडी एयरक्रॉफ्ट सेगमेंट में एंट्री करेगी. कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी. इससे इंडिगो को अपने पंख फैलाने और अपने नेटवर्क का विस्तार करने में मदद मिलेगी. एयरलाइन ने बताया कि इन विमानों में रोल्स रॉयस के ट्रेंट एक्सडब्ल्यूबी इंजन लगे हैं.

इंडिगो को उम्मीद है कि इन वाइड-बॉडी एयरक्रॉफ्ट की डिलीवरी 2027 से शुरू हो जाएगी. इसके जरिए एयरलाइन को अपने नेटवर्क का विस्तार करने में मदद मिलेगी. ये विमान फ्यूल एफिशिएंट होते हैं. 30 विमानों की खरीद के अलावा, इंडिगो ने 70 अतिरिक्त ए350 विमानों की खरीद के अधिकार के लिए भी हस्ताक्षर किए हैं. नए विमानों से एयरलाइन अल्ट्रा-लॉन्ग-डिस्टेंस फ्लाइट ऑपरेट कर पाएगी. इससे यह एयर इंडिया के साथ सीधे कॉम्पिटिशन में आ जाएगी.

वर्तमान में इंडिगो के पास 350 से ज्यादा विमानों का बेड़ा है. अपने बेड़े के साथ इंडिगो रोजाना 1900 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती है. ये एयरलाइन 81 डोमेस्टिक डेस्टिनेशन और 32 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन को कवर करती है. भारत में सबसे ज्यादा 60% मार्केट शेयर इंडिगो के पास ही है, जो साल 2030 तक अपनी क्षमता को दोगुना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने नेटवर्क का विस्तार करना चाहती है. इंडिगो के शेयर ने इस साल अब तक में 28.25% का रिटर्न दिया है. वहीं, पिछले छह महीनों में शेयर 58.36% चढ़ चुका है. शेयर बाजार की बात करें तो इंडिगो का शेयर 2.08% की तेजी के साथ 3,820 रुपए के स्तर पर बंद हुआ है. क्यू3एफवाई24 यानी अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इंडिगो का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 110.7 % बढ़कर 2,998 करोड़ रहा. पिछले साल की समान तिमाही में इंडिगो ने 1,422.6 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था. क्यू3एफवाई24 में ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 30.26 % बढ़कर 19,452 करोड़ रुपए रहा. पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 14,933 करोड़ रुपए रहा था. कंपनी ने तीसरी तिमाही में टिकट बेचकर 17,157 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया. पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले इसमें करीब 30.30% की ग्रोथ हुई है.

बता दें कि पिछले साल जून 2023 में इंडिगो ने यूरोपीय विमान विनिर्माता एयरबस को 500 विमानों की आपूर्ति का ऑर्डर दिया था. यह एयरबस को किसी भी एयरलाइन की तरफ से दिया गया सबसे बड़ा विमान ऑर्डर था. एयरलाइन की ऑर्डरबुक में करीब 1,000 विमान हो चुके हैं जिनकी आपूर्ति अगले एक दशक में की जाएगी. यह ऑर्डर इसलिए भी अहम है क्योंकि सरकार की योजना विदेशी एयरलाइनों पर निर्भरता कम करने की है. कंपनी इसी को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रही है. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं अपने ग्राहकों को हर संभव अवसर दूं. हमें यह भी देखना कि हमारे घरेलू एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कदम कैसे बढ़ा रहे हैं.

बीओएम का मुनाफा 45 प्रतिशत बढ़ा

भाषा । नयी दिल्ली

बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,218 करोड़ रुपये रहा. पुणे स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता का एक साल पहले इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 840 करोड़ रुपये था. बीओएम ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 6,488 करोड़ रुपये हो गई. पिछले साल समान अवधि में यह 5,317 करोड़ रुपये थी. समीक्षाधीन अवधि में ब्याज आय बढ़कर 5,467 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 4,495 करोड़ रुपये थी. बैंक की 31 मार्च 2024 तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घटकर सकल अग्रिम का 1.88 प्रतिशत हो गई, जो मार्च 2023 के अंत तक 2.47 प्रतिशत थी. शुद्ध एनपीए भी 2024 के अंत में 0.25 प्रतिशत से घटकर अग्रिम का 0.20 प्रतिशत हो गया. इस बीच, बैंक के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ में से 1.40 रुपये प्रति शेयर या 10 रुपये अंकित मूल्य के 14 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश की है.

डेलॉयट ने जीडीपी वृद्धि 6.6% रहने का लगाया है अनुमान

भाषा । नयी दिल्ली

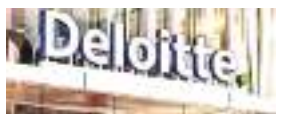

डेलॉयट इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है. निर्यात में तेजी और पूंजी प्रवाह इसमें मुख्य कारक रहेंगे. डेलॉयट ने भारत की आर्थिक परिदृश्य पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि मध्यम आय वर्ग की तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है. प्रीमियम लक्जरी उत्पादों व सेवाओं की मांग भी उत्पन्न हुई है. डेलॉयट ने पिछले वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 7.6 से 7.8 प्रतिशत के बीच कर दिया है. जनवरी में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि के 6.9 से 7.2 प्रतिशत की सीमा में रहने का अनुमान लगाया था. डेलॉयट ने तिमाही के आर्थिक परिदृश्य में कहा कि देश की जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 6.6 प्रतिशत और उसके अगले वर्ष 6.75 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है.

इंडिया अपॉर्च्युनिटी फंड कैप्रिया ने बंद कर दिया

नयी दिल्ली । कैप्रिया वेंचर्स ने मानव संसाधन प्रौद्योगिकी मंच एविग्न से बाहर होने पर कई गुना रिटर्न मिलने के बाद अपना 153 करोड़ रुपये का 'इंडिया अपॉर्च्युनिटी फंड' बंद कर दिया है. उद्यम पूंजी कंपनी ने एविग्न में अपनी हिस्सेदारी जापान स्थित मानव संसाधन समाधान प्रदाता मैनावी कॉरपोरेशन को बेच दी है. कंपनी ने एक बयान में कहा, कैप्रिया ने अपने 'इंडिया अपॉर्च्युनिटी फंड' के लिए 153 करोड़ रुपये (1.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की धनराशि सफलतापूर्वक जुटा ली है. यह एविग्न से निकलने पर संभव हो पाया.

रेमंड नवाज व उनके पति गौतम सिंघानिया ने पिछले साल नवंबर में तलाक की घोषणा की थी

रेमंड ग्रुप ने नवाज सिंघानिया को बाहर का रास्ता दिखाया

भाषा । नयी दिल्ली

बढ़ा विवाद

- 31 मार्च को ईजीएम में यह फैसला लिया गया था
- नवाज और गौतम में सेटलमेंट को लेकर विवाद है

एक समय रेमंड कंपनी अपने नाम और पहचान के लिए चर्चा में रहती थी, लेकिन आज विवादों की वजह से चर्चा में है. कुछ समय पहले पिता और पुत्र के बीच हुए झगड़े के बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन अब रेमंड ग्रुप के चीफ गौतम सिंघानिया और उनसे अलग हो चुकीं उनकी पत्नी नवाज मोदी-सिंघानिया के बीच विवाद बढ़ता ही जा रहा है. दरअसल रेमंड ग्रुप की तीन कंपनियों जेके इन्वेस्टर्स, रेमंड कंज्यूमर केयर और स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व ने नवाज मोदी-सिंघानिया को अपने बोर्ड से बाहर कर दिया है. इन कंपनियों ने बताया कि 31 मार्च को हुई ईजीएम में यह फैसला लिया गया. हालांकि ग्रुप की लिस्टेड कंपनी रेमंड नवाज को अपने बोर्ड से निकालने के लिए अब तक कोई प्रस्ताव लेकर नहीं आई है. लेकिन सूत्रों के मुताबिक उन्हें रेमंड के बोर्ड से निकाले जाने की आशंका है. नवाज मोदी-सिंघानिया और उनके पति गौतम सिंघानिया ने पिछले साल नवंबर में तलाक की घोषणा की थी. इसके बाद से ही उनके बीच सेटलमेंट को लेकर विवाद चल रहा है.

नवाज मोदी-सिंघानिया को जून 2015 में जेके इन्वेस्टर्स का डायरेक्टर बनाया गया था. उन्हें दिसंबर 2020 में रेमंड कंज्यूमर केयर और अक्टूबर, 2017 में स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व के बोर्ड में जगह मिली थी. जब उन्हें यह जानकारी मिली कि उन्हें स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व और रेमंड कंज्यूमर केयर के बोर्ड से हटा दिया गया है तो वह इन कंपनियों के बोर्ड में पेश हुईं. नवाज ने मुंबई में रेमंड के ऑफिस में जाने से पहले कहा कि जबसे मैंने सिंघानिया के कारनामों की पोल खोलनी शुरू की है तबसे मेरे साथ दुर्व्यवहार हो रहा है. पहले मेरे साथ मारपीट हुई. अब मुझे बाहर कर दिया गया है. जेके इन्वेस्टर्स और स्मार्ट एडवाइजरी के प्रवक्ता ने कहा कि ये दोनों क्लोजजी हेल्ड कंपनियां हैं. इन कंपनियों के शेयरहोल्डर्स ने कंपनियों को लिखा कि डायरेक्टर के रूप में वे नवाज का भरोसा खो चुके हैं. उन्होंने इन कंपनियों के बोर्ड से शेयरहोल्डर मीटिंग बुलाकर नवाज को बाहर करने की मांग की थी. इन कंपनियों के बोर्ड की 31 मार्च को मीटिंग हुई और गुरुवार को शेयरहोल्डर्स की मीटिंग हुई. उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए नवाज को इन कंपनियों के बोर्ड से हटा दिया गया है.

मैसेजेस के एन्क्रिप्शन तोड़ने को विवश किया गया, तो भारत छोड़ देंगे

भाषा । नयी दिल्ली

वॉट्सऐप ने दिल्ली हाई कोर्ट से कहा है कि यदि उसे मैसेजेस के एन्क्रिप्शन को तोड़ने के लिए विवश किया गया, तो वह भारत से बाहर निकल जायेगा. वॉट्सऐप द्वारा यह टिप्पणी तब की गयी जब हाईकोर्ट व्हाट्सएप और उसकी मूल कंपनी फेसबुक इंक, अब मेटा की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था. जिसमें सोशल मीडिया मध्यस्थों के लिए 2021 सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों को चुनौती दी गयी थी. भारत सरकार ने 2021 सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों के अंतर्गत यह कहा था कि सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अपने संदेशों के एन्क्रिप्शन को तोड़ना होगा और सरकारी विभाग जब चाहें किसी की भी बातचीत को पढ़ और सुन सकते हैं. बता दें कि भारतीय लोगों का डाटा भारत में सुरक्षित रखने का मुद्दा भी मेटा ने माना था और जियो में नौ फीसदी भागीदारी खरीदी थी. वॉट्सऐप ने तर्क देते हुए कहा कि इससे (एन्क्रिप्शन तोड़ने) यूजर्स की प्राइवेसी का उल्लंघन होता है. कहा कि नियम बिना किसी परामर्श के लागू किया गया है.

मालदा में चुनावी रैली करते हुए पीएम ने टीएमसी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा, कहा

घुसपैठियों को बंगाल में बसाना चाहती है टीएमसी: मोदी

एजेंसी। कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में आयोजित जनसभा में कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस का सफाया हो गया. अब दूसरे चरण में भी उनका यही हाल होगा. मोदी ने कहा कि यहां टीएमसी और कांग्रेस में तुष्टिकरण की प्रतियोगिता चल रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को लाकर बंगाल में बसाने का काम करती है. साथ ही इन घुसपैठियों को आपकी जमीन और खेत पर कब्जा करवाती है. प्रधानमंत्री ने कांग्रेस का नाम लेते हुए

कहा कि वह आपकी संपत्ति हड़पना चाहती है और टीएमसी इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रही है.

कांग्रेस के शहजादे विदेश से एक्स-रे मशीन लाये हैं : मोदी ने संपत्ति बंटवारे को लेकर भी कांग्रेस पर हल्ला बोला. विरासत टैक्स की चर्चा करते हुए रहा कि कांग्रेसियों ने महिलाओं का मंगलसूत्र, आदिवासियों के गहने, हर किसी की प्रॉपर्टी जांच कराने का ऐलान किया है. कांग्रेस के शहजादे विदेश से एक्स-रे मशीन लाये हैं. वे पूरे देश में एक्स-रे करेंगे. कांग्रेस का इरादा सभी का पैसा, सोना-चांदी, जमीन कब्जा करने का है. बता दें कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में मालदा उत्तर सीट से भाजपा के टिकट पर खगेन मुर्मू ने जीत का परचम लहराया था. हालांकि भाजपा मालदा दक्षिण सीट मामूली अंतर से हार गयी थी. इन दोनों सीटों पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा.

आरोप- टीएमसी का शासन घोटालों का पर्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल में लगभग 26,000 नौकरियां रद्द होने के मामले पर सत्तारूढ़ टीएमसी की आलोचना की. कहा, राज्य के युवाओं को पार्टी की 'कट और कमीशन' की संस्कृति के कारण नुकसान उठाना पड़ा है. टीएमसी के शासन में शिक्षक भर्ती घोटाले के कारण बंगाल में 26,000 लोगों की रोजी-रोटी चली गयी. मोदी ने ममता बनर्जी पर हमलावर होते हुए कहा कि टीएमसी के राज में बंगाल में हजारों करोड़ों के स्कैम चलते हैं. टीएमसी घोटाले करती है और भुगतना बंगाल की जनता को पड़ता है. पश्चिम बंगाल में तृणमूल के नेता केंद्र का धन लूट रहे हैं. आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस का शासन घोटालों का पर्याय है, बंगाल में लोगों को हर चीज के लिए कट मनी देना पड़ता है.

महाराष्ट्र के ठाणे में लोकसभा चुनाव को लेकर मानव शृंखला बना कर मतदाताओं को जागरूक कर रहे छात्र.

ब्रीफ खबरें

अमेरिका में पुलिस की गोली से भारतवंशी की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के सैन एंटोनियो में गंभीर हमला करने के भारतीय मूल के आरोपी की पुलिस कार्रवाई के दौरान गोली लगने से मौत हो गई. पुलिस अधिकारी सचिन साहू (42) को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे. इसी दौरान उसने अपने वाहन से दो अधिकारियों को टक्कर मार दी, जिसके बाद पुलिस अधिकारी टायलर टर्नर ने उस पर गोली चला दी. साहू मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था.

गोलीबारी मामले में दो आरोपी भेजे गये जेल

मुंबई। बांद्रा में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी के मामले में बीते गुरुवार को पंजाब से गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों को शुक्रवार को 30 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया. इससे पहले दोनों आरोपी सुभाष चंद्र (37) और अनुज थापन (32) को मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया. दोनों पर गोलीबारी करने वालों को कथित तौर पर हथियार और कारतूस मुहैया कराने का आरोप है.

बारामूला में दो आतंकी ढेर, दो सैनिक घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच दूसरे दिन भी जारी मुठभेड़ के दौरान शुक्रवार को दो आतंकवादी मारे गए, जबकि दो सैन्यकर्मी घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ उत्तरी कश्मीर में सोपोर इलाके के चेक मोहल्ला नौपोरा में गुरुवार को शुरू हुई थी. रात में शांति के बाद शुक्रवार को सुबह फिर से मुठभेड़ शुरू हुई. अधिकारियों ने बताया कि अब तक दो आतंकवादी मारे गए हैं.

खुद को पायलट बताने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से खुद को कथित तौर पर एक एयरलाइन कंपनी का पायलट बताने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. आईजीआई हवाई अड्डा की पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि आरोपी ने गुरुवार को सीआईएसएफ के कर्मियों के सामने उसने खुद को एक एयरलाइन कंपनी का पायलट बताते हुए एक फर्जी पहचान पत्र भी दिखाया था.

स्त्रीधन पर अहम फैसला, जानिए क्या-क्या आता है इसके दायरे में

स्त्रीधन पर पति या ससुरालवालों का कोई हक नहीं : सुप्रीम कोर्ट

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

देश में हो रहे आम चुनाव के बीच कुछ शब्द बार-बार सुनाई दे रहे हैं, जिनमें मंगलसूत्र और स्त्रीधन आम हैं. सुप्रीम कोर्ट ने स्त्रीधन को लेकर एक अहम फैसले में कहा है कि महिला का स्त्रीधन उसकी पूर्ण संपत्ति है, जिसे अपनी मर्जी से खर्च करने का उसे पूरा अधिकार है. इस स्त्री धन में पति कभी भी हिस्सेदार नहीं बन सकता, लेकिन संकट के समय पत्नी की रजामंदी से इसका इस्तेमाल कर सकता है.

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने स्त्रीधन को लेकर दायर एक वैवाहिक विवाद पर सुनवाई करते हुए कहा था कि महिला को अपने स्त्रीधन पर पूरा अधिकार है, जिसमें शादी से पहले, शादी के दौरान या बाद में मिलीं हुईं सभी चीजें शामिल हैं, जैसे कि माता-पिता, ससुराल वालों, रिश्तेदारों और दोस्तों से मिले उपहार, धन, गहने, जमीन और बर्तन आदि.

मांगने पर देने से मना करना कानूनन जुर्म : कई ऐसे भी मामले होते हैं, जहां मंगल सूत्र को छोड़ कर ज्यादातर स्त्रीधन महिला के ससुरालवाले रख लेते हैं, ये कहकर कि वे संभाल कर रखेंगे. ऐसी स्थिति में कानून उन्हें स्त्रीधन का ट्रस्टी मानता है. जब भी महिला उन चीजों को मांगती है, तो इसे देने से मना नहीं किया जा सकता. किसी स्थिति में अगर महिला का स्त्रीधन कोई अपने पास जबरन रख लेता है, तो महिलाओं को पूरा अधिकार है कि वे उस शख्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए आगे बढ़ सकें.

किस कानून के तहत है स्त्रीधन का अधिकार

हिंदू महिला का स्त्रीधन का हक हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 14 और हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 27 के तहत आता है. यह कानून शादी से पहले, शादी के समय या शादी के बाद महिला को स्त्रीधन अपने पास रखने का पूरा हक देता है. महिला चाहे तो स्त्रीधन को अपनी मर्जी से किसी को दे सकती है या बेच सकती है. इसके साथ ही घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की धारा 12 भी महिलाओं को ऐसे मामलों में स्त्रीधन का अधिकार देती है, जहां वे घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं. वे इन कानूनों की मदद से अपना हक वापस ले सकती हैं.

दहेज से कितना अलग है स्त्रीधन

स्त्रीधन और दहेज दो अलग-अलग चीजें हैं. दहेज मांग स्वरूप दिया या लिया जाता है, जबकि स्त्रीधन में प्रेमस्वरूप चीजें महिलाएं को दी जाती हैं. अगर स्त्रीधन को ससुराल पक्ष ने जबरन अपने कब्जे में रखा है, तो महिला इसके लिए क्लेम कर सकती है. अगर पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस लगा है, तो उसके साथ में स्त्रीधन को लेकर अलग से केस दर्ज कराया जा सकता है.

स्त्रीधन क्या है और दायरे में क्या-क्या आता है?

स्त्रीधन एक कानूनी टर्म है, जिसका जिक्र हिंदू धर्म में देखने को मिलता है. स्त्रीधन का अर्थ है महिला के हक का धन, संपत्ति, कागजात और अन्य वस्तुएं. एक आम धारणा ये है कि महिलाओं को शादी के दौरान जो चीजें उपहार स्वरूप मिलती हैं, उन्हें ही स्त्रीधन माना जाता है. लेकिन ऐसा नहीं है. स्त्रीधन में किसी महिला को बचपन से लेकर भी जो चीजें मिलती हैं, वह भी इसके दायरे में आती हैं. इनमें नकदी से लेकर सोना, हर तरह के तोहफे, संपत्तियां और बचत भी शामिल हैं. आसान शब्दों में कहें, तो जरूरी नहीं है कि शादी के दौरान या शादी के बाद मिले इस तरह के उपहारों को ही स्त्रीधन माना जाए. स्त्रीधन पर अविवाहित स्त्री का भी कानूनी अधिकार है. इसमें वे सारी चीजें आती हैं, जो किसी महिला को बचपन से लेकर मिलती रही हों. इसमें छोटे-मोटे तोहफे, सोना, कैश, सेविंग्स से लेकर तोहफे में मिली प्रॉपर्टी भी आती है.

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग से मुलाकात की

संवाद के रास्ते खुले रखने पर जोर

एजेंसी। बीजिंग

अमेरिका और चीन के बीच विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विवाद को दूर करने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य वरिष्ठ चीनी अधिकारियों के साथ मुलाकात की. उन्होंने गलतफहमी और गलत आकलनों के खतरों को लेकर चेतावनी भी दी. ब्लिंकन ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी और जन सुरक्षा मंत्री वांग शियाहोंग के साथ बातचीत के बाद राष्ट्रपति जिनपिंग से मुलाकात की.

दोनों देशों के बीच मतभेदों के बढ़ने के बावजूद हाल के महीनों में बातचीत के दौर में वृद्धि हुई है.

ब्लिंकन और वांग ने संवाद के रास्ते खुले रखने के महत्व को रेखांकित किया. लेकिन इस बात पर भी खेद जताया कि मतभेद अधिक गंभीर होते जा रहे हैं और वैश्विक सुरक्षा को खतरा पैदा कर रहे हैं. इस सप्ताह की शुरुआत में दोनों देशों के बीच गंभीर मतभेद तब उजागर हुए, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने विदेशी सहायता विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कई प्रावधान हैं, जो चीन अपने खिलाफ मानता है. दोनों देशों के नेताओं की टिप्पणी मतभेदों की एक लंबी सूची का संकेत देती है जिसमें ताइवान और दक्षिण चीन सागर, व्यापार और मानवाधिकार, रूस के लिए चीन का समर्थन और 'सिंथेटिक ओपिओइड प्रीकर्सर' का उत्पादन और निर्यात शामिल हैं. वांग ने करीब साढ़े पांच घंटे की बातचीत की शुरुआत में ब्लिंकन से कहा कि कुल मिला कर, चीन-अमेरिका के रिश्ते स्थिर होने लगे हैं. लेकिन रिश्ते में नकारात्मक कारक अभी भी बढ़ रहे हैं, जिनकी वजह से संबंधों को सभी प्रकार के व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है.

महाराष्ट्र के एक किसान का बेटा जेईई मेंस टॉपर

मुंबई। महाराष्ट्र के वाशिम जिले के एक किसान के बेटे नीलकृष्ण गजरे ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेंस में पूरे भारत में शीर्ष स्थान हासिल किया है. वाशिम के सुदूर गांव बेलखेड निवासी नीलकृष्ण ने परीक्षा की तैयारी के लिए कठोर परिश्रम करते हुए हर दिन लगभग 10 घंटे पढ़ाई की. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित जेईई मेंस के परिणाम गुरुवार को घोषित किए गए. नीलकृष्ण के पिता निर्मल गजरे ने कहा कि बेटे की सफलता पर खुशी जाहिर करने के लिए उनके पास शब्द ही नहीं हैं. उन्होंने बताया कि नीलकृष्ण ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अकोला के राजेश्वर कॉन्वेंट स्कूल और वाशिम के करंजा लाड के जेसी हाई स्कूल से की है.

सीआरपीएफ के डीआईजी को बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने यौन उत्पीड़न के आरोपी सीआरपीएफ के डीआईजी रैंक के एक पूर्व मुख्य खेल अधिकारी को बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सीआरपीएफ में काम करने वाली कुछ महिलाओं ने उन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे. आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्रालय द्वारा यूपीएससी की सिफारिश स्वीकार करने के बाद डीआईजी खजान सिंह को बर्खास्तगी का नोटिस भेजा गया है. सूत्रों ने कहा कि आरोपी अधिकारी से 15 दिनों के भीतर प्राप्त जवाब पर विचार करने के बाद इस संबंध में अंतिम आदेश जारी किए जाएंगे. वर्तमान में मुंबई में तैनात अधिकारी के खिलाफ बर्खास्तगी का नोटिस हाल ही में जारी किया गया था, जब सीआरपीएफ द्वारा की गई जांच में उन्हें यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी पाया गया था. सीआरपीएफ मुख्यालय ने आंतरिक समिति द्वारा तैयार की गई जांच रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया और उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए इसे यूपीएससी और गृह मंत्रालय को भेज दिया. यूपीएससी और गृह मंत्रालय ने खजान सिंह को बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.

नोटा को सबसे ज्यादा वोट, तो दोबारा चुनाव की मांग वाली याचिका पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने ईसी से मांगा जवाब

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी प्रत्याशी से ज्यादा वोट नोटा को मिलने पर दोबारा चुनाव की मांग वाली याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है. मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा की ओर से दाखिल की गई इस याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई की. बता दें कि फिलहाल ये व्यवस्था है कि प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा वोट पाने वाले को विजेता माना जाता है. याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इसी व्यवस्था के चलते सूरत से एक प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित किया गया है. हालांकि, यह समझना जरूरी है कि यह विषय विस्तृत सुनवाई का है. इस याचिका का असर सूरत सीट के नतीजे या मौजूदा लोकसभा चुनाव के किसी भी पहलू पर नहीं पड़ेगा. शिव खेड़ा की ओर से दायर इस याचिका में यह नियम बनाने की भी मांग की गई है कि नोटा से कम वोट पाने वाले उम्मीदवारों को पांच साल के लिए किसी भी तरह के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया जाए. इसके अलावा नोटा को एक काल्पनिक उम्मीदवार के तौर पर देखा जाए. मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है.

क्या है नोटा

भारत में नोटा का विकल्प 2013 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद आया था. नन ऑफ द अबव यानी नोटा एक वोटिंग ऑप्शन है, जिसके तहत मतदाता किसी भी प्रत्याशी के पसंद न आने पर इस विकल्प को चुन सकता है. इसे भारत में शुरू कराने के पीछे पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज ने काफी लंबी लड़ाई लड़ी थी. हालांकि, भारत में नोटा राइट टु रिजेक्ट के लिए नहीं है. मौजूदा कानून के मुताबिक नोटा को ज्यादा वोट मिलते हैं, तो इसका कोई कानूनी नतीजा नहीं होता है.

इंडियन एंबेसी पर हमला मामले में एक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। एनआईए ने लंदन में भारतीय उच्चायोग पर पिछले साल मार्च में हुए हमले के मामले में गुरुवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. उसे पिछले साल पाकिस्तान से भारत में घुसते समय अटारी सीमा पर हिरासत में लिया गया था. अधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि पश्चिमी लंदन के हाउंस्लो में रहने वाले इंद्रपाल सिंह गाबा को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13(1), राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम की धारा दो और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 34 के तहत किए गए अपराधों के सिलसिले में गुरुवार को भारत में गिरफ्तार किया गया था.

बंगाल से पशु तस्करी रोकने में विफल रही केंद्र सरकार: कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम बंगाल से संबंधित कुछ विषय उठाए. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि पश्चिम बंगाल में मालदा के दौरे पर प्रधानमंत्री के लिए प्रश्न- प्रधानमंत्री ने मालदा में नदी का कटाव रोकने के लिए कुछ क्यों नहीं किया? मालदा हवाई अड्डे के बारे में क्या कहेंगे ? प्रधानमंत्री ने मवेशियों की अवैध तस्करी रोकने के लिए क्या किया है?

रमेश ने दावा किया कि हर साल

मालदा जिले के हजारों परिवार गंगा और फुलाहार नदियों के भूमि कटाव के कारण भयावह बाढ़ का सामना करते हैं. रमेश ने कहा कि जिले का अधिकतर हिस्सा केंद्र सरकार द्वारा संचालित फरक्का बैराज के क्षेत्र में है, इसलिए इसकी जिम्मेदारी मोदी सरकार की है. सत्ता में आने के 10 साल बाद और नमामि गंगे के लिए उदार कागजी आवंटन के बावजूद, मोदी सरकार ने मालदा के अनुसूचित जाति और ओबीसी परिवारों को नदी के कटाव की विकराल समस्या से बचाने के लिए एक भी हस्तक्षेप क्यों नहीं किया है.

लगाये आरोप

- मालदा में नदी का कटाव रोकने के लिए कुछ नहीं किया
- मोदी सरकार ने 10 वर्षों में मालदा हवाई अड्डे की उपेक्षा की

कॅरियर-काउंसिलिंग

मशीन लर्निंग कोर्स कर एमएल इंजीनियर के रूप में कॅरियर बना सकते हैं

रजनीश प्रसाद। मशीन लर्निंग इंजीनियर, आईटी क्षेत्र से संबंधित है, जो सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भविष्य कहे जानेवाले मॉडल के रिसर्च, भवन और डिजाइन पर केंद्रित है. मशीन लर्निंग इंजीनियर, मशीन लर्निंग (एमएल) को परिभाषित करने के लिए डिजाइन तैयार करने का काम करेंगे. एमएल इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट के लिए एक ब्रिज के रूप में स्टैटिस्टिकल मॉडल-बिल्डिंग, एआई सिस्टम के निर्माण पर केंद्रित है.

मशीन लर्निंग इंजीनियर की जिम्मेदारियां क्या हैं?

मशीन लर्निंग इंजीनियर को कंप्यूटर साइंस के मौलिक एल्गोरिथम, डेटा स्ट्रक्चर और कंप्यूटर आर्किटेक्चर का उपयोग करना होता है.

- गणना और संगणना के लिए गणितीय कौशल का उपयोग करना.
- प्रोग्रामिंग पर आधारित एल्गोरिदम के साथ काम करना.
- परियोजना के परिणाम तैयार करना.
- कोड बनाने के लिए डेटा मॉड्यूल पाइपलाइन और बुनियादी ढांचे का विकास और मैनेजमेंट करना.
- विभिन्न स्टेटिस्टिकल मॉडल और प्रक्रिया के आधार पर एल्गोरिदम तैयार करना.
- प्रासंगिक मशीन लर्निंग लाइब्रेरी और एल्गोरिदम को व्यवस्थित करना.
- स्ट्रक्चर्ड और अनस्ट्रक्चर्ड डेटा का विश्लेषण करने के लिए बड़े और जटिल सेट तैयार करना
- एमएल सिस्टम डिजाइनिंग.
- एमएल एल्गोरिदम और उपकरण पर रिसर्च और कार्यान्वयन करना.
- उपयुक्त डेटा सेट का चयन करना.
- डेटा गुणवत्ता को सत्यापित करना.
- स्टेटिस्टिकल एनालिसिस करना.

मशीन लर्निंग इंजीनियर की स्किल्स

- मशीन लर्निंग इंजीनियर को बुनियादी प्रोग्रामिंग भाषा जैसे- सी , पायथॉन, जावा की जानकारी होना जरूरी है.
- प्रोबेबिलिटी की समझ होनी चाहिए.
- सांख्यिकीय अवधारणाओं को समझने की क्षमता होनी चाहिए.
- वितरित कंप्यूटिंग की बुनियादी जानकारी होनी चाहिए.
- कम से कम एक यूनिक इक्विपमेंट में कार्य अनुभव होना चाहिए.
- गणित की अच्छी समझ होनी चाहिए.
- एल्गोरिथम मॉडल की अच्छी समझ होनी चाहिए.

मशीन लर्निंग इंजीनियर बनने के लिए क्या-क्या करें

- अपने एंड गोल तैयार करें.
- कोडिंग में निपुणता हासिल करें.
- मशीन लर्निंग कोर्स ज्वाइन करें.
- मशीन लर्निंग प्रोजेक्ट को पूरा करें.
- डेटा लर्निंग एक्विजिशन को सुधारें.
- ऑनलाइन मशीन लर्निंग कम्युनिटी में एक्टिव मेंबर बनें.
- मशीन लर्निंग इंटर्नशिप के लिए आवेदन करें.
- मशीन लर्निंग इंटरव्यू की तैयारी करें.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)